PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 272 ● भिलाई, शनिवार 09 मई 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

1.14 करोड़ का गांजा जब्त: सब्जी के खाली कैरेट के पीछे छिपाकर की जा रही थी तस्करी

महासमुंद। छत्तीसगढ़ के महासमुंद में अवैध मादक पदार्थ की तस्करी के खिलाफ एन्टी नारकोटिक टास्क फोर्स और सिंघोड़ा पुलिस की बड़ी कार्रवाई देखने को मिली है। टीम ने एक पीकअप वाहन से 1.14 करोड़ से ज्यादा का गांजा जब्त किया है, जिसे खाली कैरेट के पीछे छिपाया गया था और ओडिशा से महाराष्ट्र ले जाया जा रहा था। इसी के साथ ही टीम ने दो तस्करों को भी पकड़ा है। यह पूरा मामला सिंघोड़ा थाना क्षेत्र का है। दरअसल, एन्टी नारकोटिक टास्क फोर्स की ओर से अवैध मादक पदार्थ गांजा की तस्करी, एंड टू एंड एवं फाइनेंशियल, सोर्स प्वाइंट, डेस्टीनेशन प्वाइंट पर प्रभावी और विधिवत कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। इसी के तहत जिले में पुलिस की ओर से लगातार चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इस बीच टीम को सूचना मिली कि तस्कर पीकअप क्रमांक एमएच16सीडी8741 में ओडिशा की ओर से गांजा लेकर छत्तीसगढ़ की ओर आ रहे हैं।

गहरी खाई में गिरी कार, तीन लोगों की मौत

अल्मोड़ा। जनपद के तहसील भिकियासैंण क्षेत्र में तड़के एक कार दुर्घटनाग्रस्त होकर खाई में जा गिरी। हादसे में कार सवार तीन लोगों की मौत हो गई। दुर्घटना रापड़-गंगोड़ा-चमड़खान मोटर मार्ग पर हुई। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार डायल 112 पर सूचना मिली कि वाहन संख्या यूके04एफ-6683 की नंबर प्लेट सड़क पर पड़ी है और एक व्यक्ति घायल अवस्था में दिखाई दे रहा है। आसपास वाहन नहीं मिलने पर उसके खाई में गिरने की आशंका जताई गई। सूचना मिलते ही थाना भतरौजखान पुलिस, एसडीआरएफ, 108 सेवा और आपदा प्रबंधन की टीम मौके पर पहुंची। मौके पर वाहन करीब 150 मीटर गहरी खाई में गिरा मिला। एसडीआरएफ ने रेस्क्यू अभियान चलाकर वाहन में फंसे लोगों को बाहर निकाला, लेकिन तब तक तीनों की मौत हो चुकी थी।

नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से उड़ान के लिए बुकिंग शुरू

नईदिल्ली। उत्तर प्रदेश के जेवर में बने नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से आम यात्रियों की उड़ान 15 जून से शुरू होगी, जिसके लिए गुरुवार शाम से बुकिंग शुरू हो गई है। अभी फिलहाल इंडिगो के सिस्टम पर एयरपोर्ट का कोड डीएक्सएन दिखाई दे रहा है और उड़ान के लिए बुकिंग की राशि बता रहा है। एयर इंडिया, स्पाइसजेट, अकासा एयर में अभी तक नोएडा हवाई अड्डे का कोड नहीं दिख रहा है, जिससे बुकिंग न शुरू होने की संभावना है। इंडिगो एयरलाइंस की वेबसाइट पर टिकट बुकिंग के लिए नोएडा हवाई अड्डे से 15 जून से मुंबई, हैदराबाद, कोलकाता के लिए भी उड़ान दिखा रहा है। हालांकि, 15 जून को पहली उड़ान नोएडा से लखनऊ और बेंगलुरु के लिए होगी। वापसी में भी उड़ान नोएडा आएगी। बाद में अन्य शहरों के लिए भी उड़ान शुरू होगी। आगे अन्य एयरलाइंस भी अपनी उड़ानें शुरू करेंगी।

विधायक दल की बैठक में लगी मुहर

पश्चिम बंगाल के नए मुख्यमंत्री होंगे शुभेंदु अधिकारी-अमित शाह

कोलकाता/ एजेंसी

बंगाल विधानसभा चुनाव में बीजेपी को मिला बंपर जीत के बाद से ही ये सवाल उठ रहा था कि आखिर बंगाल का नया सीएम कौन बनेगा। भाजपा किसे बंगाल की सत्ता सौंपेगी। लेकिन अब इस नाम पर से पर्दा उठ गया है। सुवेंदु अधिकारी बंगाल के नए मुख्यमंत्री होंगे। उनको गुरुवार को विधायक दल का नेता चुना गया है। बता दें कि बीजेपी ने 293 विधानसभा सीटों वाले बंगाल में 207 सीटें जीतकर इतिहास रचा है। बंगाल में ममता बनर्जी के हाथों से 15 साल की सत्ता खिसक गई है और अब बंगाल को नया सीएम मिलने जा रहा है वो भी सुवेंदु अधिकारी के रूप में। बता दें कि इस बार के चुनाव में पश्चिम बंगाल में दीदी का 15 साल का राज खत्म हो गया है और एक नया ऐतिहासिक चैप्टर शुरु हुआ। अब बंगाल में दीदी नहीं 'दादा' का राज शुरु होगा। शुक्रवार सुबह से ही मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री के नामों को लेकर लगातार मंथन चल रहा था। गृहमंत्री अमित शाह भी आज कोलकाता में ही मौजूद थे। उनकी मौजूदगी में बंगाल बीजेपी के विधायक दल की बैठक आयोजित की गई। इसमें सुवेंदु अधिकारी को विधायक दल का नेता चुना गया। बता दें कि सुवेंदु अधिकारी का जन्म 15 दिसंबर 1970 को पूर्वी मेदिनीपुर के राजनीतिक परिवार में हुआ था। उनके पिता शिशिर अधिकारी खुद बंगाल की राजनीति में कद्दावर नाम रहे हैं। जिले के पूरे क्षेत्र

पर दशकों से अधिकारी परिवार का ही प्रभाव रहा है। सुवेंदु अधिकारी ने राजनीति की शुरुआती बारीकियां उन्हीं से सीखीं और अपने सियासी सफर की शुरुआत 1989 में कांग्रेस की छात्र परिषद से की। 1995 में कांथी नगर पालिका में पार्षद का चुनाव लड़कर उन्होंने अपने चुनावी सफर की औपचारिक शुरुआत की। बता दें कि सुवेंदु ने ममता बनर्जी के साथ ही ऊंचाई की नींव रखी थी। हालांकि उन्होंने पिछले विधानसभा चुनाव से ठीक पहले टीएमसी से नाता तोड़कर बीजेपी का दामन थाम लिया था। सुवेंदु लगातार दो चुनावों में ममता बनर्जी के सामने खड़े हुए और 2021 के विधानसभा में ममता बनर्जी को नंदीग्राम से हराया, वहीं इस बार फिर से वो ममता बनर्जी के सामने भवानीपुर से चुनावी मैदान में उतरे। सुवेंदु ने फिर ममता बनर्जी को चुनाव हराया। कोलकाता के ऐतिहासिक ब्रिगेड परेड ग्राउंड में शनिवार को होने वाले शपथ ग्रहण समारोह की तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच गई हैं। पश्चिम बंगाल में पहली बार भाजपा सरकार के गठन को लेकर पार्टी इसे बड़े सांस्कृतिक और राजनीतिक आयोजन के रूप में पेश करने की तैयारी में है। समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह समेत कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहेंगे। समारोह में 50 हजार से अधिक लोगों के शामिल होने की उम्मीद है।

ममता के बाद अखिलेश और भगवंत मान की बारी, बंगाल फतह के बाद इन 7 राज्यों पर बीजेपी की नजर

असम और पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में शानदार जीत के बाद अब भाजपा की निगाहें 2027 में होने वाले सात राज्यों की विधानसभा चुनावों पर है। ये सात राज्य गुजरात, गोवा, मणिपुर, पंजाब, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश हैं। इन सात राज्यों में से पांच- गुजरात, मणिपुर, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और गोवा में भाजपा की सरकार है। वहीं, पंजाब और हिमाचल प्रदेश ऐसे दो राज्य हैं जहां बीजेपी सरकार में नहीं है। एक तरफ जहां दूसरी पार्टियां चुनावी सुगबुगाहट का इंतजार कर रही हैं। वहीं, भाजपा पहले से ही इन चुनावी राज्यों में अपनी तैयारियां शुरू कर दी है। भारतीय जनता पार्टी के नवनियुक्त राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने आगामी चुनावों के अपनी रणनीतियों को जमीनी स्तर पर उतारना शुरू कर दिए हैं।

केसी वेणुगोपाल केरलम के सीएम बनेंगे!

विधायकों के समर्थन वाली चिट्ठी की फोटो वायरल.....

नई दिल्ली। केरलम के नए सीएम केसी वेणुगोपाल बन सकते हैं। कांग्रेस के 63 विधायकों में से 47 ने वेणुगोपाल का समर्थन किया है। एआईसीसी के केंद्रीय पर्यवेक्षकों के साथ हुई आमने-सामने की बैठक में 63 निर्वाचित विधायकों में से 47 ने वेणुगोपाल का नाम केरल के अगले मुख्यमंत्री के रूप में प्रस्तावित किया गया है। ये खुलासा मुकुल वासनिक के हाथ से विधायकों के समर्थन वाली चिट्ठी की फोटो वायरल होने के बाद हुआ है। हालांकि केरलम के नये मुख्यमंत्री के नाम पर फैसला रविवार (10 मई) तक होने की संभावना है। दरअसल केरल में

कांग्रेस के पर्यवेक्षक मुकुल वासनिक के हाथ से विधायकों के समर्थन वाली चिट्ठी की फोटो सोशल मीडिया पर वायरल है। इस चिट्ठी में विधायकों ने 7 मई को बातचीत के बाद सीएम पद के लिए अपनी पसंद बताई थी। चिट्ठी में विधायकों के

दर्दनाक सड़क हादसा

तेज रफ्तार ट्रक ने पति-पत्नी को कुचला, मौके पर हुई दोनों की मौत, 4 साल का मासूम गंभीर

कबीरधाम। छत्तीसगढ़ के कबीरधाम जिले में भीषण सड़क हादसा हुआ है, जहां बाइक सवार पति-पत्नी को तेज रफ्तार ट्रक ने कुचल दिया। इस घटना में दोनों की मौत हो गई और उनका 4 साल का बेटा गंभीर रूप से घायल है, जिसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के बाद नाराज ग्रामीणों ने सड़क जाम कर जमकर प्रदर्शन किया। यह घटना कुण्डा थाना क्षेत्र में हुई है। जानकारी के मुताबिक, मृतकों की पहचान कृष्णा आढिले और पत्नी कीर्ति आढिले के रूप में हुई है, जो कि सारंगढ़ के रहने वाले थे। कृष्णा आढिल शुक्रवार सुबह अपनी पत्नी कीर्ति और 4 साल के बेटे के साथ बाइक से अपने ससुराल कोलेगांव जा रहा था। कुण्डा थाना क्षेत्र में सामने से आ रहे ट्रक को क्रॉस करते समय बाइक सड़क किनारे गिली मिट्टी में फिसलकर गिर गई और पति-पत्नी ट्रक के पहिए के नीचे आ गए, जिससे दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं उनका 4 साल का बेटा दूर जा गिरा, जिससे उसे गंभीर चोटें आई है। घटना के बाद मौके पर पहुंचे लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी, लेकिन तब तक ट्रक चालक वाहन छोड़कर फरार

हो गया था। वहीं गंभीर रूप से घायल बच्चे को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कुण्डा में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज जारी है। इधर घटना में मृत पति-पत्नी के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। घटना के बाद नाराज ग्रामीणों ने घटना स्थल और कुण्डा थाना के पास चक्काजाम कर दिया। उन्होंने सड़क निर्माण कार्य में लगे ठेकेदार पर लापरवाही का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि सड़क के शोल्डर कटिंग में मुरुम की जगह मिट्टी का उपयोग किया गया है, जो बारिश के कारण कीचड़ में बदल गई है। इससे आए दिन बाइक सवार और राहगीर फिसलकर दुर्घटना के शिकार हो रहे हैं। ग्रामीण सड़क निर्माण के ठेकेदार को मौके पर बुलाने की मांग पर अड़े हुए हैं। सूचना मिलने पर पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे और लोगों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन ग्रामीण ठेकेदार के आने तक प्रदर्शन जारी रखने की बात कह रहे हैं।

राज्यपाल ने दिया सरकार बनाने का न्योता

टीवीके प्रमुख विजय आज सुबह 11 बजे लेंगे सीएम पद की शपथ

नई दिल्ली/ एजेंसी

तमिलनाडु के लिए शनिवार का दिन ऐतिहासिक होने वाला है। टीवीके प्रमुख विजय कल सुबह 11 बजे मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे और इसके साथ ही तमिलनाडु को नया मुख्यमंत्री मिल जाएगा। शुक्रवार देर शाम राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर ने उनको सरकार बनाने का न्योता दिया है। खबरों के अनुसार, मुख्यमंत्री पद की शपथ ग्रहण कार्यक्रम में कांग्रेस नेता राहुल गांधी भी शामिल हो सकते हैं। बता दें कि अभिनेता से नेता बने विजय की पार्टी टीवीके राज्य में सरकार बना रही है। विधानसभा चुनावों में

टीवीके सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी, लेकिन बहुमत के आंकड़े (118) से पीछे रही। ऐसे में अब विजय ने कांग्रेस और अन्य तीन पार्टियों के साथ मिलकर सरकार बनाने का दावा पेश किया है। विजय ने लोकभवन पहुंचकर राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर से मुलाकात की और सरकार बनाने का दावा पेश किया। इसके बाद लगातार दूसरे दिन भी टीवीके प्रमुख थलपति विजय ने राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर से मुकाकात की, लेकिन राज्यपाल ने उनसे दो टूक कह दिया कि बहुमत साबित होने पर ही शपथ होगी। बहुमत से पांच सीट दूर अटके विजय के लिए छोटी पार्टियां सहारा बनी हैं। वीसीके और लेफ्ट के समर्थन के बाद अब सरकार बनाने का रास्ता साफ हो गया है। इससे पहले द्रविड़ मुनेत्र कषगम की सहयोगी मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) ने अपने बयान में कहा था कि वो शुक्रवार को इस बात पर फैसला लेगी।

ममता बनर्जी से मिलने कोलकाता पहुंचे अखिलेश यादव, बोले-आप हारी नहीं हैं

कोलकाता। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने गुरुवार को पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता पहुंचे और निवर्तमान मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से मुलाकात की। अखिलेश ने कालीघाट स्थित ममता के निजी आवास पर भेंट की। इस दौरान उन्होंने ममता को शॉल ओढ़ाते हुए कहा, दीदी आप हारी नहीं हैं। इस मौके पर तृणमूल कांग्रेस के महासचिव और ममता के भतीजे अभिषेक बनर्जी और सांसद डेरेक ओ ब्रायन मौजूद थे। आवास के बाहर मीडिया को संबोधित करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि सभी को चुनाव में हुई बेइमानी के खिलाफ होना पड़ेगा, इस बार बहुस्तरीय माफियागिरी हुई है।

यूपी में सरकारी अफसरों के लिए शासनादेश जारी

सांसद और विधायकों के सामने जोड़ना होगा अब हाथ, नहीं तो...

नई दिल्ली/ एजेंसी

उत्तर प्रदेश सरकार में कार्यरत प्रशासनिक अफसरों को अब सांसदों और विधायकों को और ज्यादा प्रोटोकॉल देना पड़ेगा। हाल ही में पिछली सभी नियमावलियों का हवाला देते हुए एक शासनादेश जारी किया गया है। इसमें अफसरों को कई हिदायतें दी गई हैं। उत्तर प्रदेश करकार के किसी दफ्तर में अगर कोई सांसद या विधायक आता है तो अब उसे और अधिक प्रोटोकॉल मिल सकेगा। अधिकारियों को अब और सहज तरीके से पेश आने की हिदायत

दी गई है। ऐसा न करने पर कार्रवाई किए जाने का भी प्रावधान बताया गया है। हाल ही में जारी किए शासनादेश की मानें तो यूपी सरकार के किसी दफ्तर में आए किसी सांसद या विधायक को हाथ जोड़कर स्वागत करना पड़ेगा। उनके लिए पानी का प्रबंध करना पड़ेगा। इसके साथ ही अपनी सीट से उठकर सम्मान भी देना पड़ेगा। इसके साथ ही अधिकारी के पास अगर सांसद या विधायक का फोन आता है तो उसका तुरंत जवाब देना होगा और फोन ना उठा पाने की दशा में पलटकर फोन करना होगा और जवाब देना होगा।लगातार शिकायतों के बाद जारी हुआ शासनादेश बताया जा रहा है कि सांसदों और विधायकों के साथ प्रोटोकॉल का सख्ती से पालन नहीं किया जा रहा था। बताया गया कि अधिकारियों की ओर से नियमावली का पालन नहीं किया जा रहा है।

डॉक्टरों की कमी के बीच ट्रंप प्रशासन का बड़ा फैसला

ट्रंप ने डॉक्टरों के लिए आव्रजन आवेदनों पर लगी रोक हटाई

मोंटगोमरी/ एजेंसी

अमेरिका ने डॉक्टरों के लिए आव्रजन (इमिग्रेशन) आवेदनों पर लगाई गई रोक हटा दी है। हालांकि, अन्य आवेदक अभी भी इंतजार में हैं। लीबिया के डॉक्टर फैसल अलघौला को ग्रीन कार्ड का नवीनीकरण करने की जरूरत है, ताकि वह देश के दक्षिण पश्चिम राज्य इंडियाना में करीब एक हजार मरीजों का इलाज जारी रख पाएं। लेकिन डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन की ओर से लगी इस रोक के कारण उनका आवेदन अटका हुआ था। अगर अलघौला का आवेदन खारिज हो जाता है, तो उनका मौजूदा वीजा सितंबर में खत्म हो जाएगा। हाल ही में ट्रंप प्रशासन ने डॉक्टरों के वीजा और ग्रीन कार्ड मामलों की समीक्षा फिर से शुरू करने की अनुमति दी है, जिससे अलघौला का मामला आगे बढ़ सकता है। हालांकि मंजूरी की कोई गारंटी नहीं है। डॉक्टर, संगठन और आव्रजन वकील महीनों से इस कदम की मांग कर रहे थे, क्योंकि देश में डॉक्टरों की भारी कमी है। नेशनल लाइब्रेरी ऑफमेडिसिन ने बताया कि बड़ी तादाद में विदेशी प्रशिक्षित डॉक्टटर कम सुविधाओं वाले इलाकों में काम करते हैं। अलघौला के लिए डॉक्टरों की कमी सबसे बड़ी चिंता है, जो फेफड़ों के विशेषज्ञ (पल्मोनोलॉजिस्ट) और आईसीयू डॉक्टर हैं और इंडियाना, इलिनॉय और केंटकी के कुछ ग्रामीण इलाकों में मरीजों की सेवा करते हैं। उन्होंने कहा, यहां पल्मोनोलॉजिस्ट (फेफड़ों और श्वसन प्रणाली के विशेषज्ञ डॉक्टर) को मिलने के लिए चार से पांच

महीने तक इंतजार करना पड़ता है। फिर भी आवेदकों और आव्रजन वकीलों का कहना है कि यह स्पष्ट नहीं है कि इस छूट से कितना बड़ा बदलाव आएगा। इसका मतलब केवल इतना है कि डॉक्टरों के मामलों की फिर से जांच होगी। लेकिन यह गारंटी नहीं है कि उनके ग्रीन कार्ड या वीजा को मंजूरी मिल जाएगी। यह भी साफ नहीं है कि अमेरिकी नागरिकता और आव्रजन सेवा समय पर इन आवेदनों को पूरा कर पाएगी या नहीं, ताकि अलघौला जैसे मामलों की समय-सीमा पूरी हो सके। अलघौला ने कहा कि उन्हें इसको लेकर कोई भरोसा नहीं है कि प्रशासन उनका आवेदन मंजूर करेगा। उन्होंने कहा कि पहले भी कई मामले सामने आए हैं, जिनमें लोग अपने दस्तावेजों के नवीनीकरण के लिए अपॉइंटमेंट पर गए और उन्हें हिरासत में ले लिया गया। उन्होंने कहा, मुझे अभी भी अपने इंटरव्यू में जाने से डर लग रहा है। उन्होंने बताया कि वह 2016 से अमेरिका में रह रहे हैं। इस बीच, यह रोक अभी भी 39 देशों के हजारों लोगों पर लागू है, जिनमें ईरान, अफगानिस्तान और वेनेजुएला के शोधकर्ता और उद्यमी शामिल हैं। इस वजह से कई लोग न तो कानूनी रूप से काम कर पा रहे हैं, न स्वास्थ्य बीमा या ड्राइविंग लाइसेंस ले पा रहे हैं और अगर वे अमेरिका छोड़ते हैं तो वापस लौटने की अनुमति भी नहीं मिलती। ट्रंप प्रशासन ने पिछले साल तय किया कि वह उन देशों के लोगों के ग्रीन कार्ड और वीजा आवेदनों की समीक्षा बंद करेगा।

हिंसा की घटना के बाद सख्ती बढ़ी

यह रोक उस घटना के बाद लगी, जिसमें एक अफगान नागरिक ने नेशनल गार्ड के दो जवानों को गोली मार दी थी। प्रशासन ने कहा कि यह घटना दिखाती है कि ठीक से जांच, स्क्रीनिंग और तेज निर्णय न होने का क्या असर हो सकता है। एसोसिएटेड प्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका का गृह सुरक्षा विभाग आव्रजन अधिकारियों की निगरानी करता है। विभाग ने इस रोक या डॉक्टरों को दी गई छूट पर सवालों का जवाब नहीं दिया। हालांकि, उसने ईमेल में कहा कि वह यह सुनिश्चित करना चाहता है कि आवेदकों की ठीक से जांच हो, क्योंकि पिछले सरकार ऐसा करने में विफल रही थी।

आंधी से अंधेरे में डूबा शहर: 20-22 घंटे गुल रही बिजली, मेंटेनेंस पर उठे सवाल

शिकायत नंबर बंद, उपभोक्ता रातभर भटके, 200 ट्रांसफार्मरों पर सिर्फ 5 कर्मचारियों का जिम्मा, चैंबर ऑफ कॉमर्स ने सौंपा ज्ञापन

बलौदाबाजार। तेज आंधी और बारिश ने शहर की विद्युत व्यवस्था की पोल खोल दी। कई प्रमुख इलाकों में 20 से 22 घंटे तक बिजली आपूर्ति बाधित रही, जिससे लोगों को पूरी रात अंधेरे और उमस में बितानी पड़ी। हालात यह रहे कि बिजली विभाग का शिकायत नंबर भी बंद मिला, जिससे नाराज उपभोक्ताओं को देर रात बिजली कार्यालय पहुंचकर शिकायत दर्ज करानी पड़ी। शिकायतों के बावजूद कई क्षेत्रों में घंटों तक आपूर्ति बहाल नहीं हो सकी। गौरतलब है कि मानसून पूर्व मेंटेनेंस के नाम पर हाल ही में कई बार घंटों बिजली कटौती की गई थी, लेकिन एक ही आंधी ने विभागीय तैयारियों पर सवाल खड़े कर दिए। गौरव पथ, संजय कॉलोनी, कोकड़ी रोड, षष्ठी मंदिर क्षेत्र, पुलिस क्वार्टर और

जमीनी हकीकत: एक टीम, सीमित संसाधन

विभागीय सूत्रों के अनुसार पूरे शहर की व्यवस्था केवल एक टीम और एक चारपहिया वाहन के भरोसे संचालित हो रही है। कर्मचारियों के पास पर्याप्त सुरक्षा उपकरण जैसे ग्लव्स, सेफ्टी बेल्ट, हेलमेट और जूते तक उपलब्ध नहीं हैं, जिससे उन्हें जोखिम उठाकर काम करना पड़ता है। एक ओर विभाग मेंटेनेंस के दावे करता है, वहीं दूसरी ओर एक आंधी में पूरी व्यवस्था चरमराना गंभीर सवाल खड़े करता है।

अंबेडकर चौक जैसे प्रमुख इलाकों में भी लंबे समय तक बिजली बहाल नहीं हो सकी। विभाग का हेल्पलाइन नंबर 9171977501 बंद मिलने से लोगों में आक्रोश और बढ़ गया। कुछ उपभोक्ताओं ने 'मोर बिजली बिल' ऐप के माध्यम से शिकायत दर्ज कराई, लेकिन राहत नहीं मिल सकी।

स्टाफ और संसाधनों की कमी बनी बड़ी वजह

बिजली विभाग के जेई (शहरी) भूषण वर्मा के अनुसार शहर में 200 से अधिक ट्रांसफार्मर है, जबकि एक शिफ्ट में केवल 5 कर्मचारियों की ड्यूटी रहती है। इनमें एक नियमित कर्मचारी और शेष ठेका कर्मी शामिल हैं। स्टाफ की कमी के कारण फॉल्ट सुधार में देरी हो रही है। कार्यपालन अभियंता आदित्य ठाकुर ने भी स्वीकार किया कि शिकायतों की अधिकता और सीमित स्टाफ के कारण समस्या के समाधान में समय लग रहा है, जिसके लिए उच्चाधिकारियों को पत्र भेजा गया है।

चैंबर ऑफ कॉमर्स ने सौंपा ज्ञापन

लगातार बिजली संकट से नाराज चैंबर ऑफ कॉमर्स ने अधीक्षण अभियंता को ज्ञापन सौंपकर समस्या के शीघ्र समाधान की मांग की है। ज्ञापन में कहा गया है कि हल्की हवा या बारिश में भी घंटों तक बिजली बंद रहना आम बात हो गई है। सब-स्टेशन के फोन बंद रहने और शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई नहीं होने से आम जनता और व्यापारियों को भारी परेशानी झेलनी पड़ रही है। चैंबर ने मांग की है कि शिकायत काउंटर 24 घंटे चालू रखा जाए और उपभोक्ताओं को समय पर स्पष्ट जानकारी दी जाए। साथ ही चेतावनी दी गई है कि समस्या का समाधान नहीं होने पर आंदोलन किया जाएगा। इस दौरान चेम्बर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष लक्ष्मी साहू, शंकर दुलानी, पियूष मिश्रा, दुर्गा प्रसाद जायसवाल, दिलीप माहेश्वरी, दिनेश वर्मा, संजय नारायण केशरवानी, सतीश साहू, नेतराम वर्मा, बाबा केशरवानी सहित बड़ी संख्या में व्यापारी उपस्थित रहे।

राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने शासकीय गजानंद महाविद्यालय भाटापारा में वार्षिक स्नेह सम्मेलन में शामिल हुए

कॉलेज परिसर की सुरक्षा एवं भूमि से अतिक्रमण हटाने के निर्देश

बलौदाबाजार। शासकीय गजानंद अग्रवाल स्नातकोत्तर महाविद्यालय, भाटापारा में बुधवार को आयोजित वार्षिक स्नेह सम्मेलन कार्यक्रम में राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने छात्र-छात्राओं का उत्साहवर्धन करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की और कॉलेज परिसर की सुरक्षा व व्यवस्था को लेकर महत्वपूर्ण निर्देश दिए।

विद्यार्थियों को दिया सफलता का मंत्र

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने कहा कि वार्षिक स्नेह सम्मेलन न केवल मनोरंजन का माध्यम है, बल्कि यह विद्यार्थियों की प्रतिभा को निखारने और उनमें आपसी सौहार्द बढ़ाने का एक सशक्त मंच है। उन्होंने युवाओं को अनुशासन और कड़ी मेहनत के साथ लक्ष्य प्राप्ति के लिए प्रेरित किया। परिसर की सुरक्षा हेतु सख्त निर्देश-कॉलेज प्रशासन और छात्रों की मांग को गंभीरता से लेते हुए, मंत्री वर्मा ने कॉलेज की बाउंड्रीवाल को बेजाकब्जा (अतिक्रमण) मुक्त करने हेतु कड़े निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को तत्काल कॉलेज की भूमि का सीमांकन करने को कहा ताकि परिसर को सुरक्षित किया जा सके और भविष्य में किसी भी प्रकार के अतिक्रमण को रोका जा सके। कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने छत्तीसगढ़ी संस्कृति और लोक कला पर आधारित रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। साथ ही विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर पूर्व विधायक शिवरतन शर्मा नगर पालिका अध्यक्ष अश्वनी शर्मा सहित प्राचार्य, प्राध्यापक एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री से नियम विरूद्ध कार्य करने वाले प्रभारी एसडीएम की खुलेगी पोल

धमतरी। जिन अधिकारियों पर शासन के कार्यों को पारदर्शिता के साथ पूर्ण कराने की जवाबदारी होती है, लेकिन जब अधिकारी ही शासन के नियमों की अनदेखी करते हुए मनमर्जी से काम करना प्रारंभ कर दे तो ऐसे में जनता-जनार्दन आखिर किसके पास अपनी अर्जी या गुहार लगायें। धमतरी जिले में राजस्व के कुछ अधिकारी जिनकी जिम्मेदारी है कि शासन के वन, राजस्व, घांस भूमि को रक्षा की जाये, अतिक्रमणकारियों पर सख्ती दिखाये, लेकिन यहां कुछ अधिकारी अतिक्रमण करने वालों के पक्ष में ही आदेश कर रहे हैं। राजस्व विभाग में कुछ अधिकारियों ने शासकीय भूमियों को निजी व्यक्तियों के नाम पर शासकीय अभिलेखों में हेरफेर कर चढ़ा दिया जिसकी शिकायत की जांच अभी तक नहीं हुई है। शिकायतकर्ताओं में मायूसी देखी जा रही है। तत्कालीन कलेक्टर नम्रता गांधी के निर्देश के बाद भी भखारा में शासकीय भूमियों पर हेरफेर करने वालों के विरूद्ध कार्यवाही करने के निर्देश के पत्र को एक साल तक दबाकर रख दिया गया। अब एक नया मामला प्रकाश में आया है जिसके चलते नगरी में पदस्थ प्रभारी अनुविभागीय अधिकारी राजस्व द्वारा अपने 24 दिन के अल्प कार्यकाल के दौरान डायवर्सन के अनेक प्रकरणों सहित शासकीय घांस भूमि में अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ कार्यवाही के बदले उसके पक्ष में आदेश किये जाने को लेकर क्षेत्र के लोगों में जबरदस्त आक्रोश व्याप्त है। क्षेत्र के लोगों का कहना है कि चिलचिलाती धूप में छग के मुख्यमंत्री सुशासन तिहार मना रहे हैं वहीं दूसरी तरफ उनके ही आदेशों की राजस्व अधिकारी पूरी तरह अनदेखी कर रहे हैं। शासकीय नियमों को बलाये ताक में रखकर मनमर्जी से कार्य कर रहे हैं। शिकायतों के बाद भी संबंधितों पर कार्यवाही नहीं होने से कहीं न कहीं सुशासन की छवि पर भी उंगलियां उठ रही है। अब जबकि पूरे प्रदेश में सुशासन तिहार प्रारंभ हो चुका है, नगरी में अल्प समय के लिये प्रभारी अनुविभागीय अधिकारी राजस्व का दायित्व निभाने वाले अधिकारी के खिलाफ ठोस शिकायत सुशासन तिहार में मुख्यमंत्री के आगमन पर करने की तैयारी में है। मुख्यमंत्री से नियम विरूद्ध कार्य करने वाले प्रभारी एसडीएम की पोल खोलने जागरूक नागरिक तैयार हैं। छत्तीसगढ़ के यशस्वी मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा सुशासन तिहार 2026 का ऐलान किया गया है जिसकी शुरूवात भी जिले में हो चुकी है। यह तिहार 10 जून तक मनाया जाना है जिसमें संबंधित क्षेत्रों में लगने वाले शिविर में आम लोगों के आवेदनों पर कार्यवाही की जायेगी और जो प्रकरण शासन से संबंधित हों, उसे निराकृत हेतु संबंधित विभाग में भेजा जायेगा। इस अवधि में पिछले वर्ष से राजस्व विभाग में पदस्थ तहसीलदार, नायब तहसीलदार, आरआई, पटवारी के द्वारा मिलीभगत कर शासकीय घांस, चारागाह, आबादी भूमि को निजी व्यक्तियों के नाम पर चढ़ा दिया गया जिन्होंने लाखों रूपये में उक्त भूमियों को विक्रय कर दिया गया। इसकी शिकायत सरपंच, पूर्व सरपंच, ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से की थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्कालीन कलेक्टर नम्रता गांधी ने इसकी त्वरित एफआईआर दर्ज कराने का निर्देश संबंधित थाना क्षेत्र में दिया था किंतु इसका पालन तहसीलदार द्वारा नहीं किया गया। जब यह सुर्खियां अखबार में प्रकाशित हुई, तब कहीं जाकर एक सादे कागज पर दस्तावेज संलग्न किये बिना इसकी रिपोर्ट दर्ज करा दी गई। इसके बाद यह मामला फिर से ठंडे बस्ते में चल दिया। भखारा एवं मगरलोड क्षेत्र की उक्त घटनाएं आज भी चर्चा का विषय बनी हुई है। इसकी स्याही अभी ठीक से सूख भी नहीं पाई कि नगरी अनुविभाग में डायवर्सन का मामला तूल पकड़ लिया। नगरी में पदस्थ प्रभारी अनुविभागीय अधिकारी राजस्व द्वारा 2 फरवरी 2026 को प्रभार लिया गया और 26 फरवरी तक उन्होंने अनेक ऐसे डायवर्सन प्रकरण जिसमें नगर पंचायत नगरी द्वारा आपत्ति दर्ज कराई गई और संबंधितों ने ग्राम नगर निवेश से भी अनुमति नहीं ली, वह क्षेत्र में चर्चित हुआ। जागरूक लोगों का कहना है कि तालाब एवं पहाड़ के समीप ऐसे डायवर्सन प्रकरणों पर आनन-फानन में आदेश कर दिया गया और संबंधितों को ग्राम नगर निवेश से अनुमति लेना न पड़े, ऐसा निर्णय लेकर एक ही खसरा नंबर के लंबे-चौड़े भूभाग को अनेक टुकड़ों में बांट दिया ताकि ग्राम नगर निवेश के जद में ऐसे लोग न आयें। जब यह मामला नगरी के जागरूक लोगों के समक्ष पहुंचा तो उन्होंने इस पर आश्चर्य व्यक्त करते हुए कहा कि पूर्व अनुविभागीय अधिकारी राजस्व के वैवाहिक कार्यक्रम के दौरान अवकाश लिये जाने के कारण उक्त अनुविभाग में प्रभारी अनुविभागीय अधिकारी राजस्व बनाया गया था। प्रकरणों के अवलोकन से स्पष्ट है कि उसमें संबंधित अधिकारी द्वारा डायवर्सन की तमाम प्रक्रियाओं को दरकिनार कर अपने अधिकार का दुरूपयोग करते हुए ऐसा आदेश किया गया है और 24 दिन के अंदर 48 डायवर्सन प्रकरण का निपटारा कर दिया गया है जिसकी शिकायत होने के बाद भी इस पर कोई कार्यवाही नहीं होता देख ऐसे जागरूक लोगों ने अब सुशासन तिहार 2026 के तहत चलने वाले शिविरों में मुख्यमंत्री के आगमन की चर्चा है, इसी दिन हस्ताक्षरयुक्त ज्ञापन सौंपकर उक्त अधिकारी द्वारा किये गये डायवर्सन प्रकरण की जांच की मांग की जायेगी।

गंदगी फैलाने वालों पर नगर निगम का कड़ा प्रहार, एक डेयरी सील, 38800 की चालानी

धमतरी। शहर को स्वच्छ, सुंदर और सुव्यवस्थित बनाए रखने के उद्देश्य से नगर निगम द्वारा स्वच्छता अभियान के तहत लगातार प्रभावी और सख्त कार्रवाई की जा रही है। निगम प्रशासन अब स्वच्छता नियमों के उल्लंघन पर पूरी तरह सख्त नजर आ रहा है। इसी क्रम में शहर के विभिन्न क्षेत्रों में व्यापक निरीक्षण अभियान चलाया गया। निरीक्षण के दौरान कई दुकानों एवं डेयरी संचालकों द्वारा स्वच्छता मानकों का उल्लंघन पाया गया, जिस पर निगम की टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए कुल 38800 की चालानी की। विशेष रूप से डेयरी संचालकों द्वारा गंदगी फैलाने और नियमों की अनदेखी करने पर 2 संचालकों के खिलाफ चालान काटा गया। वहीं विनय गौली नामक डेयरी संचालक को अत्यधिक लापरवाही के चलते तत्काल प्रभाव से सील कर दिया गया। इस कार्रवाई से अन्य व्यवसायियों में भी कड़ा संदेश गया है। इसके अलावा, सोरिद स्थित रिलायंस स्मार्ट प्वाइंट संचालक को भी स्वच्छता नियमों के उल्लंघन पर नोटिस जारी किया गया है। निगम ने स्पष्ट किया है कि यदि 24 घंटे के भीतर 10000 की पेनल्टी जमा नहीं की गई, तो प्रतिष्ठान को सील करने की कार्रवाई की जाएगी। अभियान के दौरान रामबाग से घड़ी चौक तक 4 किलोग्राम पॉलिथीन प्लास्टिक डिस्पोजल 10 नग जब्त की गई। साथ ही नगर निगम द्वारा दुकानों में कचरा इधर-उधर न फेंकने एवं डस्टबिन के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए जागरूकता स्टिकर भी लगाए गए। स्वास्थ अधिकारी शशांक मिश्रा ने बताया कि शहर में स्वच्छता बनाए रखना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है और किसी भी प्रकार की लापरवाही को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक स्थलों पर गंदगी फैलाने वालों के खिलाफ आगे भी इसी तरह की सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। इस अभियान में सुनील सालुंके, धनेश सिन्हा, मुकेश साहू, राजेंद्र नाग, गिरवर सिन्हा, सुरेश सिन्हा, सुनील रजक, अश्वनी राजपूत, यशवंत पटेल, गोलू पटेल, जिनेंद्र मारकंडे सहित स्वास्थ्य विभाग की टीम सक्रिय रूप से शामिल रही। नगर निगम ने शहरवासियों से अपील की है कि वे स्वच्छता नियमों का पालन करें, कचरा निर्धारित स्थानों पर ही डालें और अपने आसपास साफ सफाई बनाए रखें।

ज्ञान अमृत इंग्लिश स्कूल में शिक्षकों के लिए विशेष इंग्लिश, हिंदी ग्रामर प्रशिक्षण कार्यक्रम

धमतरी। ज्ञान अमृत इंग्लिश स्कूल में शिक्षकों के व्यक्तित्व एवं शिक्षण कौशल के विकास हेतु विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत शिक्षकों को स्पोकन इंग्लिश, इंग्लिश ग्रामर तथा हिंदी ग्रामर का गहन प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है जिसमें यह अपनी भाषा दक्षता को और अधिक प्रभावशाली एवं परिपूर्ण बना सके। यह विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम लगभग 45 दिनों डेढ़ माह तक संचालित किया जाएगा। प्रशिक्षण में अनुभवी प्रशिक्षकों द्वारा व्यवहारिक एवं सरल तरीकों से शिक्षकों को भाषा ज्ञान प्रदान किया जा रहा है। इंग्लिश विषय का प्रशिक्षण घनश्याम शर्मा द्वारा एवं हिंदी ग्रामर का प्रशिक्षण एन आर यादव द्वारा दिया जा रहा है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में ज्ञान अमृत इंग्लिश हाई स्कूल मां दंतेश्वरी हाई स्कूल एवं गुरुकुल विद्यासागर स्कूल लोहरसी के शिक्षक शिक्षिकाये उत्साह पूर्वक भाग लेकर लाभ प्राप्त कर रहे है। प्रशिक्षण के दौरान शिक्षकों को आधुनिक शिक्षण पद्धतियों, सही उच्चारण, प्रभावी संवाद शैली तथा व्याकरण की बारीकियों की जानकारी दी जा रही है। विद्यालय प्रबंधन का मानना है कि शिक्षकों का निरंतर प्रशिक्षण विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य की मजबूत नींव है। इस प्रकार के कार्यक्रम शिक्षकों के आत्मविश्वास एवं शिक्षक गुणवत्ता को नई दिशा प्रदान करते हैं।

बलौदाबाजार प्रेस क्लब में नये पुलिस अधीक्षक से आत्मीय मुलाक़ात, कानून व्यवस्था को लेकर हुई सकारात्मक चर्चा

बलौदाबाजार। जिले में पदस्थ नवपदस्थ पुलिस अधीक्षक ओमप्रकाश शर्मा से बलौदाबाजार प्रेस क्लब के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने सौजन्य भेंट कर पुष्पगुच्छ भेंट करते हुए उनका आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया। इस दौरान पत्रकारों और पुलिस अधीक्षक के बीच जिले की कानून व्यवस्था, जनसुरक्षा तथा पत्रकारिता से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर सकारात्मक एवं सार्थक चर्चा हुई। प्रेस क्लब के सदस्यों ने जिले में शांति व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने, अवैध गतिविधियों पर नियंत्रण, यातायात व्यवस्था, ग्रामीण क्षेत्रों में पुलिसिंग को मजबूत करने सहित कई महत्वपूर्ण बिंदुओं को पुलिस अधीक्षक के समक्ष रखा। पत्रकारों ने जनहित से जुड़े मुद्दों पर प्रशासन और मीडिया के बेहतर समन्वय की आवश्यकता पर भी अपने विचार व्यक्त किए। नवागत पुलिस अधीक्षक ओमप्रकाश शर्मा ने प्रेस क्लब के सदस्यों द्वारा उठाए गए सभी बिंदुओं को गंभीरतापूर्वक सुना और जिले में बेहतर कानून व्यवस्था बनाए रखने हेतु आवश्यक कदम उठाने एवं प्रभावी अमल करने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि पुलिस और मीडिया दोनों समाज के महत्वपूर्ण स्तंभ हैं तथा जनहित के कार्यों में सकारात्मक सहयोग बेहद आवश्यक है। इस आत्मीय मुलाकात के दौरान बलौदाबाजार प्रेस क्लब अध्यक्ष नरेश गनशानी, उपाध्यक्ष दिलीप महेश्वरी, सचिव दलजीत सिंह चावला, कोषाध्यक्ष राजेश्वर गिरी, राघवेंद्र सिंह, गोविंद रात्रे, लकेश बघेल, आभाष शर्मा एवं पुष्पकांत मेजर सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

केंद्रीकृत परीक्षा 5वीं, 8वीं में दंतेश्वरी स्कूल का परिणाम शत प्रतिशत रहा

धमतरी। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा आयोजित केन्द्रीकृत परीक्षा कक्षा 5वीं एवं कक्षा 8वीं का परिणाममें मां दन्तेश्वरी हाईस्कूल रक्साबांधा विद्यालय में कक्षा 5वीं एवं 8वीं का परीक्षा परिणाम 100 प्रतिशत रहा। कक्षा 5वीं से प्रथम स्थान पर कु यास्मिन नगारची पिता राकेश नगारची 96 प्रतिशत, द्वितीय स्थान पर साकेत देवांगन पिता रूपनारायण देवांगन 94 प्रतिशत, तृतीय स्थान पर कु तेजेश्वनी नाग पिता विनोद नाग 92.50 प्रतिशत प्राप्त किये। कक्षा 8वीं से प्रथम स्थान पर कु धनिष्ठ मीनपाल पिता सुनील मीनपाल ने 95.83 प्रतिशत, द्वितीय स्थान पर कु कावेरी हल्बा पिता मनहरण हल्बा 88 प्रतिशत, केतन तिवारी पिता स्व.दीपक तिवारी 84.67 प्रतिशत के साथ तृतीय स्थान पर रहे। विद्यालय की प्राचार्य लीला साहू एवं सभी शिक्षक स्टॉफने उत्तीर्ण छात्र छात्राओ को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। साथ ही कहा कि आगे की कक्षाओ में अच्छी पढ़ाई के साथ अनुशासन निरंतर बनाये रखना जरूरी है। पूरे वर्ष शिक्षको एवं बच्चो के मेहनत का ही परिणाम है कि विद्यालय का परीक्षा 100 प्रतिशत रहा। इस अवसर पर मोहन साहू, वीणा साहू, वर्षा देवांगन, पूर्वी सोनकर, दुर्गा देवांगन, सोनाली रजक, रूपा यादव, प्रियंका यादव, ज्योति रामटेके, फाल्गुनी ढीमर, छाया तिवारी, प्रवेश चांडक, काजल यादव, भुखिन ध्रुव सहित पालकगण उपस्थित थे।

फार्मर आईडी, पीओएस मशीन की अनिवार्यता किसान विरोधी कदम : तारिणी चन्द्राकर

धमतरी। जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष तारिणी चन्द्राकर ने उर्वरक वितरण में फार्मर आईडी और पीओएस पॉइंट ऑफसेल मशीन की अनिवार्यता को किसान विरोधी कदम बताते हुए सरकार पर गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने इसे अव्यवहारिक और समस्याग्रस्त व्यवस्था करार देते हुए कहा कि इससे जमीनी स्तर पर किसानों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। चन्द्राकर कहा कि प्रदेश के दूरस्थ और ग्रामीण इलाकों मे नेटवर्क कनेक्टिविटी पहले से ही कमजोर है। ऐसे में पीओएस मशीन के जरिए आधार प्रमाणीकरण में बार.बार दिक्कतें आएंगी। सर्वर डाउन रहने की स्थिति में खाद वितरण बाधित होगा और किसानों को सहकारी समितियों चक्कर लगाने पड़ेंगे। विशेष रूप से वृद्ध किसानों के फिंगरप्रिंट मशीन द्वारा पहचान न होने से उन्हें खाद मिलने में कठिनाई होगी। उन्होंने यह भी आशंका जताई कि आधार के लिंकिंग में गड़बड़ी या पीओएस मशीन में गलत एंट्री के कारण कई किसान खाद से वंचित रह सकते है, जिससे उन्हें मजबूरन महंगे दामों पर बाजार से खाद खरीदना पड़ेगा। चन्द्राकर ने कहा कि बीते खरीफ सीजन में एग्रीस्टेक पोर्टल में पंजीयन के नाम पर धमतरी जिले के हजारों किसान समर्थन मूल्य पर धान बेचने से वंचित रह गए थे। उन्होंने आरोप लगाया कि अब उसी तरह फार्मर आईडी और पीओएस की अनिवार्यता लागू कर किसानों को खाद से दूर करने की साजिश रची जा रही है। लाखों किसान अब भी पंजीयन से वंचित है। सरकार इन्हीं किसानों को खाद से वंचित करना चाहती है। चंद्राकर ने कहा कि रेगहा और अधिया पर जमीन लेकर खेती करने वाले किसान इस व्यवस्था में सबसे ज्यादा प्रभावित होंगे। जब खाद जमीन के रिकॉर्ड के आधार पर दी जाएगी, तो दूसरे की जमीन पर खेती करने वाले किसानों को कैसे मिलेगा.. यह सवाल उठाते हुए उन्होंने इसे भूमिहीन किसानों के साथ सीधा अन्याय बताया। खाद की कमी और काला बाजारी का खतरा चंद्राकर ने सरकार की तैयारियों पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि आगामी खरीफ सीजन के लिए प्रदेश में लगभग 15.55 लाख मीट्रिक टन खाद की आवश्यकता अनुमानित है, जबकि तैयारी नाकाफी है। धमतरी जिले में जहां करीब 40 हजार मीट्रिक टन खाद की जरूरत होती है, वहां अब तक मात्र 18 हजार मीट्रिक टन का ही भंडारण हो पाया है। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले सीजन में सहकारी समितियों को कम और निजी दुकानदारों को ज्यादा खाद दी गई, जिससे ओवररेट और कालाबाजारी को बढ़ावा मिला था साथ ही सरकार किसानों से 21 क्विंटल धान खरीदी से बचने के लिए नए-नए तरकीब अपना रहे हैं। पिछले धान खरीदी के समय सरकार के द्वारा अनेक नियम कानून बनाकर किसानों को धान बेचने से रोकने का प्रयास किया गया। अब खाद वितरण मे अनावश्यक नियम बनाकर किसानों को खाद से वंचित कर फसल उत्पादन मैं कमी लाने का प्रयास किया जा रहा है, जो कृषि प्रधान राज्य में सरकार की यह किसान विरोधी नीति है।

संक्षिप्त सामचार

आईपीएल मैच की तैयारियों को लेकर कलेक्टर ने ली बैठक

रायपुर। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने 10 एवं 13 मई को राजधानी के शहीद वीर नारायण सिंह अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में आयोजित होने वाले आईपीएल मैच की तैयारियों को लेकर छत्तीसगढ़ क्रिकेट संघ के साथ बैठक ली।कलेक्टर डॉ. सिंह ने कहा कि यह छत्तीसगढ़ के लिए महत्वपूर्ण आयोजन है। पार्किंग की समुचित व्यवस्था की जाए तथा सामानों की ओवररेटिंग न हो। पुलिस प्रशासन से समन्वय कर सुरक्षा एवं ट्रैफिक के पुख्ता इंतजाम किए जाएं।कलेक्टर ने निर्देश दिए कि मैदान के एंट्री प्वाइंट पर वालेंटियर की तैनाती करें तथा वाईफाई एवं इंटरनेट की पर्याप्त व्यवस्था रखी जाए ताकि दर्शकों को प्रवेश में किसी प्रकार की समस्या न हो।उन्होंने कहा कि मैदान में खिलाड़ियों के साथ दर्शकों के लिए आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित रहें। प्रशासन की एसओपी का अनिवार्य रूप से पालन किया जाए। आपदा के समय क्या किया जाए, इसकी कार्ययोजना पहले से तैयार रखें।डॉ. सिंह ने कहा कि आग से बचाव के लिए आवश्यक उपकरणों का अनिवार्य रूप से इंतजाम किया जाए तथा जिला सेनानी से समन्वय स्थापित कर उपकरणों का पूर्व परीक्षण कर लिया जाए। सभी गेट पर आयोजन समिति के वालेंटियर रहें और दर्शकों की सुविधाजनक आवाजाही सुनिश्चित करें। मेडिकल सुविधा का अनिवार्य रूप से इंतजाम किया जाए। सुरक्षा को मद्देनजर रखते हुए स्टेडियम और स्टेडियम परिसर में सीसीटीवी कैमरे लगाने के भी निर्देश दिए गए।क्रिकेट संघ के प्रतिनिधियों ने बताया कि इस बार केवल ऑनलाइन माध्यम से टिकट की बिक्री की जा रही है। बैठक में निगम आयुक्त श्री विश्वदीप, रायपुर ग्रामीण की प्रभारी एसपी श्रीमती मनीषा ठाकुर, एडीएम श्री उमाशंकर बंदे, एएसपी श्री विवेक शुक्ला, छत्तीसगढ़ राज्य क्रिकेट संघ के सीईओ श्री हरी गोंडापल्ली, बीसीसीआई के प्रतिनिधि सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

भूपेश बघेल का भाजपा पर तीखा हमला, कहा श्रेय की राजनीति नहीं करता,भरोसे जीतती है भाजपा

रायपुर। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भाजपा पर जोरदार निशाना साधते हुए कहा कि वे श्रेय की राजनीति में विश्वास नहीं रखते। उन्होंने भाजपा नेताओं को चुनौती देते हुए कहा कि क्या छत्तीसगढ़ में कोई भाजपा नेता इतना साहस रखता है कि वह बंगाल और असम में मिली जीत का श्रेय खुद ले सके।बघेल ने आगे कहा कि असम और बंगाल को छोड़ दीजिए, क्या छत्तीसगढ़ में भाजपा का कोई नेता अपनी जीत का श्रेय लेने की हिम्मत दिखा सकता है उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा चुनाव आयोग और भरोसे चुनाव जीतती है और अपने दम पर जीतने की क्षमता नहीं रखती।पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि जिनकी जीत मशीनों के भरोसे होती है, उनमें नैतिक रूप से बात करने का भी दम नहीं होता। उनके इस बयान के बाद प्रदेश की राजनीति में एक बार फिर बयानबाजी तेज होने की संभावना है।भूपेश बघेल का यह बयान ऐसे समय में आया है जब हाल ही में विभिन्न राज्यों के चुनाव परिणामों को लेकर राजनीतिक माहौल गरम है। उनके इस बयान को भाजपा के खिलाफ आक्रामक रुख के तौर पर देखा जा रहा है।

कृषि मंत्री नेताम ने किया रामपुर स्थित एमएम हेचरी का निरीक्षण

रायपुर। कृषि विकास एवं किसान कल्याण मंत्री रामविचार नेताम ने बलौदाबाजार भाटापारा जिले के अंतर्गत ग्राम रामपुर स्थित एमएम मत्स्य हेचरी का निरीक्षण किया। उन्होंने हेचरी के विभिन्न यूनिट का अवलोकन करते हुए मत्स्य बीज उत्पादन की जानकारी ली। हैचरी में आधुनिक पद्धति से मत्स्य बीज उत्पादन एवं विपणन प्रक्रिया की सराहना की। मत्स्य पालन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि एमएम हेचरी से वर्ष 2024 में मत्स्य बीज का उत्पादन प्रारम्भ हुआ है। यहां मोनोसेक्स तिलापिया प्रजाति की मत्स्य बीज उत्पादन इकाई लार्ज आरएएस, मिडिल आरएएस इकाई, मछली जेनेटिक्स सेंटर विकसित है। हेचरी में प्रमुख रूप से मोनोसेक्स तिलापिया मछली बीज का उत्पादन किया जाता है। 65 एकड़ जल क्षेत्र में विकसित हैचरी में मत्स्य बीज संवर्धन कर फ्राई एवं फिंगर लिंग तैयार कर विक्रय किया जा रहा है। तिवर्ष ऊन्नत किस्म के मोनोसेक्स तिलापिया 4 करोड़, पगेशियस 3 करोड़ एवं भारतीय प्रमुख सफर (रोहु, कतला, मृगल) 4 करोड़ मत्स्य बीज का उत्पादन किया जा रहा है। हैचरी से ऊन्नत किस्म के मत्स्य बीज को छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, उड़ीसा, उत्तरप्रदेश, झारखण्ड, पश्चिम बंगाल इत्यादि राज्यों में विक्रय किया जाता है। इस दौरान संचालक मछलीपालन विभाग एमएस नाग, सहायक संचालक मछली पालन विनोद कुमार वर्मा, एमएम हेचरी संचालक दीपांशु मण्डल सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी मौजूद थे।

सैमसंग गैलेक्सी M और F सीरीज़ पर 8 मई से मिलेंगे स्पेशल ऑफर

गुरुग्राम: सैमसंग इंडिया ने आज गैलेक्सी M17 सीरीज़ (M17 5G और M17e 5G), गैलेक्सी M36 5G, गैलेक्सी M56 5G, गैलेक्सी F70e 5G और गैलेक्सी F36 5G स्मार्टफोन्स पर 8 मई से स्पेशल कीमतों का ऐलान किया। ग्राहक इन डिवाइसेस को बेहतरीन कीमत पर खरीद सकते हैं और बेहतर पहुंच, रचनात्मकता एवं और प्रोडक्टिविटी का अनुभव ले सकते हैं। हर डिवाइस में हाई-रेज़ोल्यूशन कैमरा सिस्टम, मजबूत डिज़ाइन, एआई-पावर्ड टूल्स और लंबे समय तक सॉफ्टवेयर सपोर्ट जैसी एडवांस्ड तकनीकें दी गई हैं।

गैलेक्सी रू सीरीज़- गैलेक्सी M17 सीरीज़, जो अपने प्राइस सेगमेंट में अमेज़न पर नंबर 1 बिकने वाला स्मार्टफोन है, इसमें गैलेक्सी M17 5G और M17e 5G स्मार्टफोन शामिल हैं। गैलेक्सी M17 5G में साफऔर स्थिर फोटोग्राफी के लिए 50MP OIS ट्रिपल-कैमरा सिस्टम, शानदार विज़ुअल्स के लिए ब्राइट और शानदार सुपर एमोलेड डिस्प्ले और अतिरिक्त मजबूती के लिए कॉर्निंग गोरिल्ला ग्लास विक्टस प्रोटेक्शन दिया गया है। इसमें झटपट जानकारी के लिए गूगल सर्कल टू सर्च और रियल-टाइम विज़ुअल बातचीत के लिए जेमिनी लाइव भी शामिल है।

गैलेक्सी M17e 5G में 120H5 तक रिफ्रेश रेट वाला स्मूथ डिस्प्ले, लंबे इस्तेमाल के लिए 6000mAh बैटरी, अच्छी फोटो के लिए 50MP ड्यूअल कैमरा सिस्टम, गूगल सर्कल टू सर्च, बेहतर सुरक्षा के लिए सैमसंग नॉक्स वॉल्ट, बेहतर प्राइवेसी के लिए ऑटो ब्लॉकर और लंबे समय की विश्वसनीयता के लिए छह ओएस अपग्रेड के साथ छह साल के सिक्योरिटी अपडेट दिए गए हैं।

जमीन पर बैठकर उप मुख्यमंत्री ने सुनी लोगों की समस्याएं, मौके पर दिए समाधान के निर्देश

पीएम आवास सिर्फमकान नहीं,परिवारों के सपने पूरे होने का प्रतीक-शर्मा

- समाधान शिविर शासन-प्रशासन एवं आमजन के बीच का सेतु, समस्याओं का हो त्वरित निराकरण-उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा
- आवास की चाबी से लेकर पेंशन पत्र तक, शिविर में मिला योजनाओं का लाभ

रायपुर/ संवाददाता

कबीरधाम जिले के ग्राम पंचायत बम्हनी में आयोजित सुशासन तिहार का समाधान शिविर गुरुवार को ग्रामीणों के लिए सीधे संवाद का मंच बन गया। उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने यहां जमीन पर बैठकर लोगों की समस्याएं सुनीं। जहां बड़ी संख्या में ग्रामीण अपने आवेदन लेकर पहुंचे थे। उप मुख्यमंत्री ने सभी की बात ध्यान से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को मौके पर ही निराकरण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि समाधान शिविर शासन, प्रशासन और आमजन के बीच का सेतु है। लोगों की समस्याओं का त्वरित समाधान हो यह प्रयास होना चाहिए। ग्राम पंचायत बम्हनी में 24 गांवों के क्लस्टर को शामिल करते हुए शिविर आयोजित किया गया। इस दौरान उप मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री आवास योजना का उल्लेख करते हुए कहा कि किसी परिवार के लिए पीएम आवास सिर्फ एक मकान नहीं होता, बल्कि वर्षों से देखे गए उस सपने का साकार रूप होता है, जहां परिवार सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन की उम्मीद करता है। उन्होंने कहा कि सरकार की पहली कैबिनेट बैठक में पीएम आवास की स्वीकृति का निर्णय इसी सोच और प्रतिबद्धता का हिस्सा था। उन्होंने जानकारी दी कि वर्ष 2024-25 में बम्हनी सेक्टर की 24 ग्राम पंचायतों में प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के तहत 8066

आवास स्वीकृत किए गए, जिनमें से 7069 आवास पूर्ण हो चुके हैं। वहीं वर्ष 2025-26 में 1822 परिवारों को आवास स्वीकृत किए गए हैं, जिनमें से 480 आवास पूर्ण हो चुके हैं। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार और आधारभूत सुविधाओं को मजबूत करने के लिए मनरेगा के तहत तालाब गहरीकरण, नाला सफाई, पुलिया निर्माण, आंगनबाड़ी भवन, पक्की नाली और डबरी निर्माण जैसे 163 कार्य स्वीकृत किए गए हैं। इन कार्यों की कुल राशि लगभग 4 करोड़ 92 लाख रुपये है। प्रधानमंत्री आवास योजना सहित विभिन्न कार्यों में लगे मजदूरों को अब तक 3 करोड़ 73 लाख रुपये का मजदूरी भुगतान किया गया है। उन्होंने स्व सहायता समूहों की महिलाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि समूहों को आर्थिक गतिविधियों से जोड़ना ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। बम्हनी सेक्टर के 456 स्व सहायता समूहों को 68 लाख 40 हजार रुपये की चक्रीय निधि तथा 312 समूहों को 1 करोड़ 87 लाख 20 हजार रुपये की सामुदायिक निवेश निधि प्रदान की गई है। कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री ने प्रदेश में नक्सलवाद की समाप्ति के लिए किए प्रयासों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश नक्सलवाद के दंश से लंबे समय तक पीड़ित रहा। लेकिन गृह मंत्री श्री अमित शाह के सशक्त नेतृत्व और ठोस निर्णयों के साथ 31 मार्च 2026 तक प्रदेश से सशस्त्र नक्सलवाद समाप्ति की समय सीमा तय की गई। दृढ़ इच्छाशक्ति और रणनीति के तहत सशस्त्र नक्सलिज्म की समाप्ति में सफलता हासिल हुई है। महतारी वंदन योजना से महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण को नई दिशा दे रहे हैं। अब तक योजना की 27 किस्तें जारी हो चुकी हैं। यह योजना महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भरता का आधार दे रहा है उन्होंने विकास कार्यों की गुणवत्ता पर विशेष जोर देते हुए अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए।

सल्फी को नई पहचान देने की कोशिश बस्तर के हर्षवर्धन का अनोखा प्रयोग...

- इनोवेशन महाकुंभ 1.0 में मिला सम्मान, सल्फी की गुणवत्ता और उपयोगिता बढ़ाने पर कर रहे काम'

रायपुर/ संवाददाता

बस्तर की पहचान मानी जाने वाली पारंपरिक पेय सल्फी को नई वैज्ञानिक सोच और आधुनिक प्रयोगों के माध्यम से स्वास्थ्यवर्धक पेय के रूप में स्थापित करने की दिशा में युवा नवाचारक हर्षवर्धन बाजपेयी महत्वपूर्ण काम कर रहे हैं। शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित इनोवेशन महाकुंभ 1.0 में उनके इस प्रयोग को विशेष सराहना मिली और उन्हें मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय द्वारा न्यू इनोवेशन अवार्ड में तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया है। हर्षवर्धन बस्तर इंडिजीनियस नेक्टर एग्रीकल्चर्स के माध्यम से सल्फी पेय की सेल्फलाइफ बढ़ाने पर कार्य कर रहे हैं। उनका उद्देश्य सल्फी के प्राकृतिक स्वाद और पोषक गुणों को लंबे समय तक सुरक्षित रखना है, ताकि यह केवल पारंपरिक पेय तक सीमित न रहकर स्वास्थ्यवर्धक प्राकृतिक ड्रिंक के रूप में भी पहचान बना सके। उन्होंने बताया कि सल्फी का रस पेड़ से निकालने के कुछ समय बाद ही प्राकृतिक रूप से किण्वित होने लगता है, जिससे यह हल्का मादक पेय बन

जाता है। यही कारण है कि इसे लंबे समय तक सुरक्षित रखना चुनौतीपूर्ण रहा है। हर्षवर्धन ने अपने प्रयोगों के माध्यम से इस फरमेंटेशन प्रक्रिया की अवधि को नियंत्रित करने में सफलता प्राप्त की है, जिससे सल्फी की मूल गुणवत्ता और स्वाद को अधिक समय तक सुरक्षित रखा जा सके। सल्फी बस्तर की आदिवासी संस्कृति का अभिन्न हिस्सा है। इसे स्थानीय लोग बस्तर बीयर के नाम से भी जानते हैं। यह कैरियोटा यूरेन्स नामक ताड़ प्रजाति के पेड़ से निकलने वाला मीठा रस है। ताजा सल्फी का स्वाद नारियल पानी की तरह मीठा और ताजगी भरा होता है, लेकिन कुछ घंटों बाद इसमें प्राकृतिक खमीर बनने लगता है, जिससे यह हल्का नशीला हो जाता है। ग्रामीण और आदिवासी समुदायों में सल्फी का सामाजिक और सांस्कृतिक तौर पर विशेष महत्व है। विवाह, पारंपरिक उत्सव और सामाजिक आयोजनों में इसे प्रमुखता से परोसा जाता है। कई ग्रामीण परिवारों की आजीविका भी सल्फी पर निर्भर है। स्थानीय लोग इसे पेट संबंधी समस्याओं के लिए लाभकारी भी मानते हैं।

टाटा एआईजी ने छत्तीसगढ़ में एमएसएमई जोखिम सुरक्षा को किया मज़बूत; 8,500 से अधिक पॉलिसियों के साथ दर्ज की शानदार वृद्धि

रायपुर: भारत की एक अग्रणी जनरल इन्शुरन्स कंपनी, टाटा एआईजी जनरल इन्शुरन्स कंपनी ने छत्तीसगढ़ के औद्योगिक विकास को गति देने के लिए कमर कस ली है। रायपुर, रायगढ़, कोरबा, बिलासपुर और दुर्ग जैसे प्रमुख औद्योगिक केंद्रों पर ध्यान केंद्रित करते हुए, छत्तीसगढ़ के एमएसएमई क्षेत्र के लिए जोखिम सुरक्षा को मज़बूत करने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया है।

छत्तीसगढ़ में एमएसएमई क्षेत्र का तेज़ी से विस्तार हुआ है; यहाँ एग्रो-स्टोरेज इकाइयों, राइस मिलों और शैक्षणिक संस्थानों जैसे विविध क्षेत्रों में करीब 13.5 लाख उद्यम मौजूद हैं। इसी आर्थिक प्रगति का परिणाम है कि राज्य में अब जीएसटी करदाताओं की संख्या 1.5 लाख के आंकड़े को छू रही है।

टाटा एआईजी ने छत्तीसगढ़ में 8,500 से अधिक एसएमई पॉलिसियां जारी की हैं, जिसमें पिछले वर्ष 25त्न से अधिक की वृद्धि दर्ज की गई। कंपनी ने वित्त वर्ष 26 में भारत के एमएसएमई क्षेत्र में ?1,400 करोड़ के प्रीमियम का ऐतिहासिक पड़ाव पार कर लिया है, जिसमें छत्तीसगढ़ एक प्रमुख योगदानकर्ता के रूप में उभरा है।

इस विकास को और गति देने के लिए, टाटा एआईजी ने वित्त वर्ष 26 में छत्तीसगढ़ में एक डेडिकेटेड ज़ोन स्थापित कर अपनी उपस्थिति मज़बूत की है, जिसे विशेष एसएमई अंडरराइटर्स और क्लेम प्रोफेशनल्स ने समर्थन दिया है। इस निवेश का उद्देश्य क्षेत्र के व्यवसायों के लिए त्वरित जोखिम मूल्यांकन, कस्टमाइज्ड कवरेज समाधान और कुशल क्लेम सेवाएं सुनिश्चित करना है। वित्त वर्ष 26 में, कंपनी ने भारत में 7.5 लाख से अधिक एमएसएमई पॉलिसियां जारी कीं और अपने कमर्शियल पोर्टफोलियो के तहत ग्रुप हेल्थ, ग्रुप एक्सीडेंट और कर्मचारी कम्पेन्सेशन पॉलिसियों के माध्यम से 20 लाख से अधिक लोगों को सुरक्षा प्रदान की।

छत्तीसगढ़ में बढ़ते इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स, जलवायु परिवर्तन और इलाज के बढ़ते खर्चों की वजह से आग लगने और कर्मचारियों की सेहत से जुड़े जोखिम बढ़ गए हैं। इन खतरों को देखते हुए अब ज्यादा से ज्यादा लोग और कंपनियां इंश्योरेंस का सहारा ले रही हैं।

संसदीय समिति की बैठक में सांसद उर्वरक और औषधि क्षेत्र में बड़े सुधारों पर जोर.....

रायपुर/संवाददाता

वरिष्ठ भाजपा नेता एवं रायपुर लोकसभा क्षेत्र के सांसद बृजमोहन अग्रवाल बुधवार को नई दिल्ली में रसायन एवं उर्वरक संबंधी स्थायी समिति की महत्वपूर्ण बैठक में शामिल हुए। बैठक में देश के औद्योगिक, कृषि एवं औषधीय क्षेत्र से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर गहन चर्चा की गई। बैठक के दौरान उर्वरक सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों की निष्क्रिय पड़ी संपत्तियों की समीक्षा करते हुए अग्रवाल ने कहा कि देश की मूल्यवान संपत्तियों का निष्क्रिय रहना राष्ट्र की प्रगति में बाधक है। उन्होंने सुझाव दिया कि इन संसाधनों का पुनरुद्धार कर उर्वरक उत्पादन की क्षमता बढ़ाई जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि जब खाद का उत्पादन बढ़ेगा, तभी

छत्तीसगढ़ समेत देशभर के अन्नदाताओं के पसीने की सही कीमत मिलेगी और उन्हें समय पर खाद उपलब्ध हो सकेगी। बैठक में अग्रवाल ने उत्पादन संबद्ध प्रोत्साहन योजना (पीएलआई) सहित विभिन्न पहलों के माध्यम से एक्टिव फार्मास्यूटिकल इंग्रीडिएंट (एपीआई) के उत्पादन और उपलब्धता में आत्मनिर्भरता विषय पर रसायन और उर्वरक मंत्रालय (औषध विभाग) के प्रतिनिधियों के साथ चर्चा करते हुए अपने सुझाव दिए। सांसद अग्रवाल ने जोर दिया कि एपीआई उत्पादन को बढ़ावा मिलने से न केवल दवाओं की कीमतें कम होंगी, बल्कि इससे छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों में भारी औद्योगिक निवेश आएगा और स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के हजारों नए द्वार खुलेंगे। बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि, हमारा हर कदम छत्तीसगढ़ समेत देशभर के किसान, मजदूर और युवाओं के उत्थान के लिए समर्पित है। केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों का लाभ सीधे हमारे प्रदेश के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचे, यही मेरा प्राथमिक लक्ष्य है। आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में छत्तीसगढ़ की सहभागिता अब और भी सशक्त होगी।

हंस ट्रेवल्स कार्यालय पर छापा, संदिग्ध पार्सल से 16 लाख रुपये नगद बरामद

रायपुर। राजधानी रायपुर में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए हंस ट्रेवल्स के कार्यालय पर छापा मारकर संदिग्ध पार्सल से 16 लाख रुपये नगद बरामद किए हैं। इस कार्रवाई से इलाके में हड़कंप मच गया है।मिली जानकारी के अनुसार, थाना न्यू राजेंद्र नगर पुलिस को सूचना मिली थी कि अशोका मिलेनियम प्लाजा स्थित हंस ट्रेवल्स कार्यालय से कोलकाता से दिल्ली भेजे जा रहे एक पार्सल में संदिग्ध सामग्री है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस उपायुक्त (पश्चिम) संदीप पटेल ने तत्काल जांच के निर्देश दिए।वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में पुलिस टीम ने मौके पर दबिश दी और कार्यालय को तलाशी ली। तलाशी के दौरान तीन सफेद बोरों में भरे बड़ी मात्रा में करेंसी नोट बरामद किए गए।

महतारी वंदन योजना : महिला सशक्तिकरण की नई धारा

देश की हर महिला को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाया जाए-सीएम

रायपुर/ संवाददाता

किसी भी राज्य की प्रगति का सशक्त आधार उसकी महिलाओं की स्थिति होती है। जब महिलाएं आर्थिक, सामाजिक और मानसिक रूप से सशक्त होती हैं, तब विकास की प्रक्रिया न केवल तीव्र होती है बल्कि समावेशी भी बनती है। छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व एवं महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के मार्गदर्शन में संचालित 'महतारी वंदन योजना' इसी समावेशी विकास की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल के रूप में स्थापित हो चुकी है। यह योजना प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की 'गारंटी' के उस संकल्प को भी साकार कर रही है, जिसमें महिलाओं को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने की स्पष्ट प्रतिबद्धता दिखाई देती है। महतारी वंदन योजना के तहत प्रदेश की पात्र महिलाओं को प्रतिमाह 1000 रुपये की राशि सीधे उनके बैंक खातों में अंतरित की जा रही है। मार्च 2024 में प्रारंभ इस महत्वाकांक्षी योजना के अंतर्गत अब तक 27 किस्तों में कुल 17,523 करोड़ रुपये का भुगतान किया जा चुका है। यह आंकड़ा केवल आर्थिक सहायता का प्रतीक नहीं, बल्कि राज्य सरकार की उस संवेदनशील सोच का परिचायक है, जो महिलाओं को सशक्त बनाकर समाज को मजबूत करने की दिशा में निरंतर कार्यरत है। इस योजना की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह केवल सहायता प्रदान करने तक सीमित नहीं है, बल्कि महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित भी करती है। प्रदेश के विभिन्न अंचलों से सामने आ रही प्रेरक कहानियां इस तथ्य को प्रमाणित करती हैं कि यदि सही दिशा और अवसर मिले, तो महिलाएं अपने जीवन की तस्वीर स्वयं बदल सकती हैं। गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले के मरवाही विकासखंड के ग्राम मझगंवा की श्रीमती हेमा सिंह इसका उत्कृष्ट उदाहरण हैं। उन्होंने योजना से प्राप्त राशि को खर्च करने के बजाय बचत और निवेश का माध्यम बनाया। धीरे-धीरे उन्होंने एक छोटा किराना स्टोर प्रारंभ किया, जो आज उनके परिवार

की आय का स्थायी स्रोत बन चुका है। उनकी यह यात्रा बताती है कि छोटे-छोटे प्रयास भी बड़े परिवर्तन का आधार बन सकते हैं। इसी प्रकार अम्बिकापुर विकासखंड के ग्राम रामनगर की विशेष पिछड़ी जनजाति पहाड़ी कोरवा समुदाय की श्रीमती करियो ने योजना की राशि से बकरी पालन प्रारंभ कर आत्मनिर्भरता की दिशा में उल्लेखनीय कदम उठाया है। आज उनके पास कई बकरियां हैं और यह कार्य उनके परिवार की आजीविका का मजबूत आधार बन गया है। उनके जीवन स्तर में आया सकारात्मक बदलाव इस योजना की प्रभावशीलता को स्पष्ट करता है। वहीं मुंगेली जिले के लोरमी विकासखंड के ग्राम झाफल की श्रीमती गौरी राजपूत इस योजना से प्राप्त राशि का उपयोग अपनी शिक्षा में कर रही हैं। उनके लिए यह योजना केवल आर्थिक सहयोग नहीं, बल्कि अपने सपनों को साकार करने का माध्यम बन गई है। इन उदाहरणों से स्पष्ट है कि महतारी वंदन योजना ने महिलाओं को केवल आर्थिक सहायता ही नहीं दी, बल्कि उन्हें निर्णय लेने की क्षमता, आत्मविश्वास और आत्मसम्मान के साथ आगे बढ़ने का अवसर भी प्रदान किया है। महिलाएं अब इस राशि का उपयोग स्वरोजगार, शिक्षा, पशुपालन एवं पारिवारिक आवश्यकताओं की पूर्ति में कर रही हैं, जिससे समाज में सकारात्मक परिवर्तन की नई धारा प्रवाहित हो रही है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा दी गई 'गारंटी' का मूल भाव यही है कि देश की हर महिला को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाया जाए। छत्तीसगढ़ में महतारी वंदन योजना इसी गारंटी का सशक्त क्रियान्वयन है, जो केंद्र और राज्य सरकार के समन्वित प्रयासों का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत करती है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने महिला सशक्तिकरण को राज्य के विकास का मूल आधार माना है, वहीं महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने इस योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के माध्यम से इसे जन-जन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आज महतारी वंदन योजना छत्तीसगढ़ में महिला सशक्तिकरण की एक सुदृढ़ नींव बन चुकी है।

संपादकीय

पश्चिम एशिया का तनाव बना वैश्विक संकट

फिलहाल वैश्विक आर्थिक परिदृश्य नाजुक स्थिति में है। अलग-अलग स्तर पर जारी भू-राजनीतिक संघर्ष का असर कितने स्तर पर पड़ेगा, अभी इसका स्पष्ट अनुमान नहीं लगाया जा सकता।अनिश्चितता भरे इस माहौल के बीच तेल आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान का प्रभाव दिखाई दे रहा है।पश्चिम एशिया में युद्ध और उससे उपजे तनाव के कारण न केवल इसमें शामिल पक्षों के रणनीतिक मोर्चे पर, बल्कि इसके असर की वजह से दुनिया भर में आर्थिक मोर्चे पर उथल-पुथल मची हुई है। तेल और गैस की कीमतों में उछाल से ज्यादातर देश अपनी ऊर्जा सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं। ईंधन के लिए मध्यपूर्व के देशों पर निर्भरता के कारण आयात पर बढ़ रहे खर्च को संभालना इस समय कई देशों के लिए बड़ी चुनौती है। सबसे बड़ा संकट यह है कि ईरान और अमेरिका के बीच गतिरोध के कारण वैश्विक अस्थिरता और इससे उपजी समस्या जटिल होती जा रही है।नतीजा यह कि इसका असर कई देशों पर पड़ा है। अनिश्चितता की वजह से एक ओर शेयर बाजार में अक्सर भारी गिरावट देखी जा रही है और उतार-चढ़ाव की स्थिति बनी हुई है, वहीं सोने-चांदी के दाम तेजी से बढ़ रहे हैं। इससे निवेशक आशंका में डूबे हैं और वे सुरक्षित निवेश के विकल्पों की ओर देख रहे हैं। जहां तक भारत का सवाल है, तो यहां की अर्थव्यवस्था पर फिलहाल कोई बड़ा असर तो नहीं दिख रहा है, लेकिन पिछले कुछ महीनों में देश में तेल और गैस की किल्लत के समांतर औद्योगिक उत्पादन में कमी चिंता का विषय है। विकास की रफ्तार पर इसका कितना असर पड़ेगा, इसका आकलन शायद बाद में आए, लेकिन आम आदमी के लिए मुश्किलें गहराने की ही आशंका है।अनिश्चितता भरे इस माहौल के बीच तेल आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान का प्रभाव दिखाई दे रहा है। फिलहाल वैश्विक आर्थिक परिदृश्य नाजुक स्थिति में है। अलग-अलग स्तर पर जारी भू-राजनीतिक संघर्ष का असर कितने स्तर पर पड़ेगा, अभी इसका स्पष्ट अनुमान नहीं लगाया जा सकता। हालांकि इतना तय है कि पहले ही महंगाई और ऋयशक्ति में कमी से परेशान आम लोगों पर दबाव बढ़ेगा।जिन देशों का वित्तीय ढांचा मजबूत है और ऊर्जा के विकल्प मौजूद हैं, वहां शायद स्थिति नियंत्रण में रहे, लेकिन जो देश इस मामले में बाहर से आपूर्ति पर निर्भर हैं, उनके लिए चुनौतियां गहरी होंगी। जरूरत इस बात की है कि वैश्विक पैमाने पर आर्थिक मोर्चे पर हो रहे व्यापक नुकसानों के मद्देनजर युद्ध और तनाव जैसे हालात को खत्म करने के लिए संयुक्त राष्ट्र सहित अन्य स्तर पर ठोस पहल हो।

ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट राष्ट्रहित में है, इसका विरोध करना चीन का खुलकर समर्थन करने जैसा है

(नीरज कुमार दुबे)

ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट पर छिड़ी बहस के बीच, इसे हिंद महासागर में चीन की 'स्ट्रिंग ऑफ पर्ल्स' रणनीति का मुकाबला करने और भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण बताया जा रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि मलक्का जलडमरूमध्य पर भारत की यह सामरिक बढ़त देश के आर्थिक और रणनीतिक भविष्य के लिए एक निर्णायक कदम है।

अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के ग्रेट निकोबार द्वीप पर प्रस्तावित विकास परियोजना को लेकर देश में तीखी बहस छिड़ गई है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने इस परियोजना को देश की प्राकृतिक और जनजातीय विरासत के खिलाफ सबसे बड़ा अपराध और घोटाला बताया है। उन्होंने अपने दौरे के बाद कहा कि यहां के घने जंगल, जो सदियों में विकसित हुए हैं, अब बड़े पैमाने पर काटे जाने के खतरे में हैं। उन्होंने कहा कि लगभग 160 वर्ग किलोमीटर वर्षावन क्षेत्र को समाप्त किया जाएगा और लाखों पेड़ों की कटाई होगी, जिससे स्थानीय आदिवासी समुदायों का अस्तित्व भी संकट में पड़ सकता है। राहुल गांधी ने इसे विकास के नाम पर विनाश बताया और कहा कि वह इस मुद्दे को संसद में उठाएंगे। उनका आरोप है कि स्थानीय समुदायों की सहमति के बिना उनकी जमीन और संसाधनों को छीना जा रहा है। हम आपको याद दिला दें कि कांग्रेस की ओर से पहले भी इस परियोजना को लेकर चिंता जताई गई थी, जिसमें इसे शोंपेन जनजाति और द्वीप के पारिस्थितिकी तंत्र के लिए खतरा बताया गया। सोनिया गांधी ने इस मुद्दे को उठाते हुए समाचार-पत्रों में एक विस्तृत लेख लिखा था।

दूसरी ओर, इस परियोजना को देश की सामरिक और आर्थिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है। नीति आयोग द्वारा तैयार और केंद्र सरकार द्वारा स्वीकृत इस योजना की लागत लगभग 81000 करोड़ रुपये बताई जा रही है। इसमें चार प्रमुख घटक शामिल हैं, जिनमें एक विशाल ट्रांसशिपमेंट बंदरगाह, अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा, ऊर्जा संयंत्र और सैन्य ढांचे का विस्तार शामिल है। हम आपको बता दें कि ग्रेट निकोबार की भौगोलिक स्थिति इसे विशेष बनाती है। यह मलक्का जलडमरूमध्य के प्रवेश द्वार के पास स्थित है, जो दुनिया के सबसे व्यस्त समुद्री मार्गों में से एक है। चीन का लगभग 80 प्रतिशत तेल आयात और उसका बड़ा व्यापार इसी मार्ग से गुजरता है। ऐसे में इस क्षेत्र में भारत की मजबूत उपस्थिति उसे सामरिक बढ़त दिला सकती है।

विशेषज्ञों का मानना है कि गैलेथिया खाड़ी में बनने वाला बंदरगाह भारत को वैश्विक समुद्री व्यापार में नई पहचान दिला सकता है। हम आपको बता दें कि वर्तमान में भारत का लगभग 25 प्रतिशत माल विदेशी बंदरगाहों के माध्यम से स्थानांतरित होता है, जिससे आर्थिक नुकसान होता है। इस परियोजना के पूरा होने पर भारत इस निर्भरता को समाप्त कर सकता है और अपनी समुद्री शक्ति को मजबूत कर सकता है।

चीन की रणनीति को देखते हुए यह परियोजना और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। पिछले दो दशकों में चीन ने हिंद महासागर क्षेत्र में कई बंदरगाह विकसित किए हैं, जिन्हें सामूहिक रूप से स्ट्रिंग ऑफ पर्ल्स कहा जाता है। इनमें पाकिस्तान का ग्वादर, श्रीलंका का हम्बनटोटा और म्यांमार का क्याउकफ्यू शामिल हैं। इनका उद्देश्य समुद्री मार्गों पर प्रभाव बढ़ाना और भारत को घेरना है।

इसके जवाब में भारत ने भी अपने सहयोगी देशों के साथ मिलकर समुद्री रणनीति विकसित की है, जिसे नेकलेस ऑफ डायमंड्स कहा जाता है। इसमें ओमान, इंडोनेशिया और सेशेल्स जैसे देशों में बंदरगाहों तक पहुंच और सैन्य सहयोग शामिल है। ग्रेट निकोबार इस रणनीति का केंद्र बिंदु माना जा रहा है।

इसके अलावा, हाल के अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रम भी इस परियोजना के महत्व को रेखांकित करते हैं। ईरान द्वारा होर्मुज जलडमरूमध्य के उपयोग से वैश्विक तेल आपूर्ति पर प्रभाव डालने की घटना ने यह स्पष्ट कर दिया है कि समुद्री मार्गों पर नियंत्रण किसी भी देश के लिए कितना शक्तिशाली साधन हो सकता है। इस स्थिति में यदि भारत मलक्का जलडमरूमध्य के पास

अपनी स्थिति मजबूत करता है, तो यह उसे वैश्विक स्तर पर महत्वपूर्ण भूमिका निभाने में सक्षम बना सकता है।

मोदी सरकार का कहना है कि परियोजना को पर्यावरणीय और सामाजिक सुरक्षा मानकों के तहत स्वीकृति दी गई है। शोंपेन जनजाति की सुरक्षा के लिए विशेष नीतियां, निगरानी तंत्र और अन्य उपाय लागू किए गए हैं। सरकार के अनुसार परियोजना द्वीप के कुल क्षेत्रफल के सीमित हिस्से पर ही आधारित है और विकास तथा संरक्षण के बीच संतुलन बनाए रखने का प्रयास किया गया है। हम आपको यह भी बता दें कि इस परियोजना का विरोध अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी हो रहा है। कुछ विदेशी संगठनों ने इसे जनजातीय अस्तित्व के लिए खतरा बताया है। लेकिन इस परियोजना के रणनीतिक महत्व को देखते हुए यह साफ नजर आ रहा है कि चीन के समर्थक कभी नहीं चाहेंगे कि भारत की यह परियोजना साकार रूप ले सके।

उधर, रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि यह परियोजना राष्ट्रीय महत्व की है और इस पर आगे बढ़ने का समय आ गया है। पूर्व वायुसेना प्रमुख आर.के.एस. भदौरिया ने विभिन्न साक्षात्कारों और समाचारपत्रों में अपने आलेखों के जरिये इस परियोजना की महत्ता पर प्रकाश डाला है। उन्होंने लिखा है कि विपक्ष के नेता ने हाल में इस द्वीप का दौरा किया और सोशल मीडिया के माध्यम से परियोजना को इकोलॉजी और पर्यावरण के विनाश का कारण बताते हुए एक बड़ा घोटाला और राष्ट्रीय धरोहर के खिलाफ अपराध करार दिया। उन्होंने लिखा है कि पर्यावरण की चिंता होना स्वाभाविक है, लेकिन जब राष्ट्रीय सुरक्षा, संप्रभुता और भविष्य की रणनीतिक दिशा की बात हो, तो तस्वीर का केवल एक हिस्सा देखना उचित नहीं लगता। यह परियोजना देश के भविष्य की एक सख्त सामरिक और आर्थिक आवश्यकता है।

आर.के.एस. भदौरिया लिखते हैं कि भारत लंबे समय तक अपनी सुरक्षा सोच में भूमि-सीमाओं पर अधिक केंद्रित रहा। हिंद महासागर वैश्विक व्यापार, ऊर्जा आपूर्ति और सामरिक शक्ति का केंद्र है। ग्रेट निकोबार का भूगोल अपने आप में भारत के लिए एक प्राकृतिक वरदान है। यह द्वीप अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के सबसे दक्षिणी छोर पर स्थित है और स्ट्रेट ऑफ मलक्का के पश्चिमी प्रवेश द्वार से मात्र 40 समुद्री मील की दूरी पर है। इसकी अहमियत का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि दुनिया का लगभग 30 प्रतिशत कंटेनर व्यापार इसी रास्ते से होकर गुजरता है। उन्होंने लिखा है कि मैंने अपने कॅरियर में कई बार महसूस किया कि जब आपकी निगरानी की क्षमता सीमित होती है, तो आपकी प्रतिक्रिया भी सीमित हो जाती है। लेकिन जब आपके पास अग्रिम मोर्चे पर ठोस ढांचा हो यानि हवाई पट्टी, बंदरगाह, संचार प्रणाली आदि हो तो आप स्थिति को नियंत्रित करने की स्थिति में आ जाते हैं।

उन्होंने लिखा है कि ग्रेट निकोबार को अनसिंकेबल एअरक्राफ्ट कैरियर कहा जाता है। इसका मतलब है कि हमारे पास समुद्र के बीच एक ऐसा स्थायी ठिकाना होगा, जो किसी जहाज की तरह डूब नहीं सकता, लेकिन उसकी तरह काम कर सकता है। यहां से वायुसेना के विमान उड़ सकते हैं, नौसेना के जहाज संचालन कर सकते हैं और तीनों सेनाएं मिलकर एक संयुक्त रणनीति बना सकती हैं। अंडमान और निकोबार में पहले से ही त्रि-सेवा कमान है, लेकिन उसे आधुनिक और व्यापक ढांचे की जरूरत लंबे समय से महसूस की जा रही थी। उन्होंने लिखा है कि सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि हमारे सबसे बड़े भू-राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी चीन का 60त्न से 75त्न ऊर्जा व तेल आयात इसी मलक्का कॉरिडोर से होकर गुजरता है। उन्होंने लिखा है कि बीजिंग में बैठे चीनी रणनीतिकार इसे अपनी सबसे बड़ी कमजोरी मानते हैं, जिसे वे मलक्का डिलेमा कहते हैं। चीन दशकों से स्ट्रिंग ऑफ पर्ल्स रणनीति के तहत हमारे पड़ोसी देशों जैसे पाकिस्तान के ग्वादर, श्रीलंका के हंबनटोटा और म्यामार के क्याउकफ्यू बंदरगाह में अपने सैन्य और दोहरे उपयोग वाले बेस बनाकर हमें घेरने की कोशिश कर रहा है। साथ ही वह थाईलैंड में क्रा कैनाल बनाने की फिराक में है ताकि मलक्का स्ट्रेट को बाईपास कर सीधे हिंद महासागर में प्रवेश कर सके। ऐसे में ग्रेट निकोबार में एक मजबूत, आधुनिकीकृत और सैन्यीकृत उपस्थिति दर्ज करना चीन के इस विस्तारवादी चक्रव्यूह का सबसे सटीक, अचूक और हार्ड-पावर जवाब है।

आर.के.एस. भदौरिया ने अपने आलेख में लिखा है कि बिना मजबूत अर्थव्यवस्था के कोई भी सेना लंबे समय तक युद्ध नहीं लड़ सकती। आर्थिक दृष्टिकोण से यह परियोजना भारत की दशकों पुरानी रसद और ढांचागत कमियों को दूर करने का एक अचूक उपाय है। मजबूत सप्लाई चेन, तेज लॉजिस्टिक्स और आत्मनिर्भर ढांचा, ये सभी किसी भी राष्ट्र की शक्ति को परिभाषित करते हैं। अगर हम अपने व्यापारिक मार्गों को मजबूत करते हैं, तो हम न केवल आर्थिक रूप से मजबूत होते हैं, बल्कि रणनीतिक रूप से भी आत्मनिर्भर बनते हैं। उन्होंने लिखा है कि आज वास्तविकता यह है कि भारत के 75 प्रतिशत ट्रांसशिपमेंट कार्यों का प्रबंधन विदेशी बंदरगाहों, मुख्य रूप से श्रीलंका के कोलंबो (45 प्रतिशत), सिंगापुर और मलेशिया के पोर्ट क्लैग द्वारा किया जाता है। दूसरे देशों के बंदरगाहों पर इस निर्भरता के कारण हमारे देश को हर साल 20 से 40 करोड़ डॉलर का भारी नुकसान उठाना पड़ता है और सप्लाई चेन में भी देरी होती है। ग्रेट निकोबार के गैलेथिया बे की टोपोग्राफी और भौगोलिक स्थिति दुनिया में अद्वितीय है। यहां समुद्र तट से मात्र एक नॉटिकल मील की दूरी पर 20 मीटर से अधिक की प्राकृतिक गहराई उपलब्ध है। इसका सीधा अर्थ यह है कि यहां दुनिया के सबसे बड़े अल्ट्रा लार्ज कंटेनर जहाज, जो 10 हजार से 25 हजार टीईयू माल ढोते हैं, बिना किसी भारी और महंगी ड्रेजिंग के आसानी से डॉक कर सकते हैं। गैलेथिया बे में 16.2 मिलियन टीईयू क्षमता का 'इंटरनैशनल कंटेनर ट्रांस शिपमेंट टर्मिनल' (आईसीटीटी) बनने से भारत विदेशी बंदरगाहों पर अपनी निर्भरता खत्म करेगा और स्वयं पूरे दक्षिण और दक्षिण-पूर्व एशिया के लिए एक प्राथमिक वैश्विक व्यापार नोड बन जाएगा। इससे भारी विदेशी मुद्रा की बचत होगी। साथ ही साथ इस क्षेत्र में 1 लाख से अधिक प्रत्यक्ष और 1.5 लाख अप्रत्यक्ष रोजगार भी पैदा होंगे।

पूर्व वायुसेना प्रमुख ने लिखा है कि इस परियोजना के लिए द्वीप के कुल वन क्षेत्र का केवल 1.82 प्रतिशत हिस्सा ही डाइवर्ट किया जा रहा है। पर्यावरण मंत्रालय के मास्टर प्लान के तहत, ग्रेट निकोबार का 82 प्रतिशत जंगल पूरी तरह से अछूता, संरक्षित और विकास कार्यों से मुक्त रहेगा। जूलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया (जेडएसआई) वाइल्डलाइफ इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया जैसी शीर्ष वैज्ञानिक संस्थाओं के अध्ययन के बाद इसे मंजूरी मिली है। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) ने भी परियोजना के विरोध में सभी याचिकाओं को खारिज कर दिया है। उन्होंने लिखा है कि असहमति लोकतंत्र की आत्मा है, लेकिन राष्ट्रीय हितों को समझने के लिए हमें व्यापक दृष्टिकोण अपनाना होगा।

पुस्तक विमोचन

फूल अब खिलते नहीं...

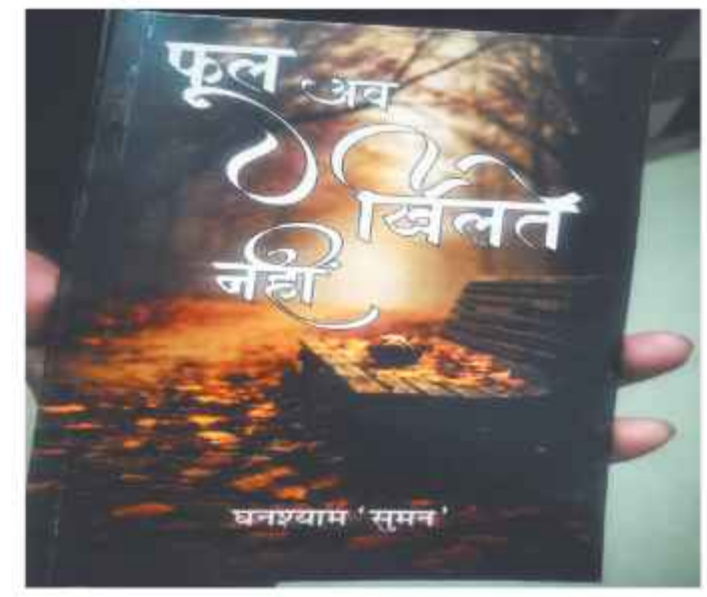

आदरणीय घनश्याम सुमन द्वारा रचित और उनके प्रिय सखा मदन जी वैष्णव सर द्वारा संपादित और मेरे प्रिय मित्र पवन प्रजापति द्वारा मुद्रित पुस्तक का हाथों में आना एक लंबे सपने के सच होने जैसा है।उनके पुत्र राजीव लोचन और कपिल की आंखों में आज भी सुमन साहब के प्रति अमिट अनुराग स्पंदित किया जा सकता है

निमाज जैसे छोटे शहर से अमूल्य रत्न निकलते है यह यहां की धरा के उर्वर होने का प्रमाण है ।और निमाज ने आज उनके पुत्र की कृति को सम्मान दिया भी है।

कमाल अमरोही जैसी शख्सियत तक सुमन साहब का पहुंचना यही इंगित करता है। जैसे कंक्रीट के जंगल में एक नव अंकुर प्रस्फुटित होता है।वैसे ही आज के मोबाइल युग में किसी किताब का विमोचन एक आश्चर्य का विषय हो सकता है।

किताबों से लगाव वाले डायनासोर की तरफ लुप्त होते जा रहे है किसी को पढ़ना भी पड़ रहा है तो किसी परीक्षा को पास करने के उद्देश्य से पढ़नी पड़ रही है।बाकी मन से कोई इक्का दुक्का ही पढ़ता है ।वो भी हजारों में एक या दो।

इसी का परिदृश्य बदल कर देखते है। यूरोपियन और अमेरिकन बच्चों के हाथ में मोबाइल के बजाय किताबें दिख रही है।खुद इलान मास्क और स्टीव जॉब्स के बच्चे विभिन्न विषयों की किताबे अभी से पढ़ रहे है।

आने वाली पीढ़ी को अगर सबसे ज्यादा बर्बाद किया है तो इन सोशल माडिया, रील और शॉर्ट्स ने।एक ब्लू नशे की जद में लील रहे है।

पुनः आज के भव्य और शालीन पुस्तक लोकार्पण कार्यक्रम के लिए गहलोत परिवार और सुमन साहब के परम सखा मदन जी वैष्णव का कोटि कोटि आभार।

सुमन साहब का एक अदना सा शिष्य

पुस्तक समीक्षा का एक प्रयास करूंगा अगर संभव हुआ तो और मुझे कुछ समझ आया तो

अगले अंक में.....
अशोक सेन
निमाज

कर्ज, ख्वाहिश और बाजार- क्या हम 'उपभोग की मृगतृष्णा' में फंस चुके हैं

एक समय था जब वस्तुओं का जीवन में प्रवेश धीमा और विचारपूर्ण होता था। खरीद एक निर्णय थी और उस निर्णय के पीछे एक क्रम-जरूरत का आकलन, संसाधनों का संतुलन और भविष्य की एक सहज चिंता थी। वस्तुएं उपयोगिता के साथ-साथ एक नैतिक अर्थ भी रखती थीं। वे जीवन को सरल बनाती थीं, पर उसे परिभाषित नहीं करती थीं। अब स्थिति उलट गई है। वस्तुएं जीवन की परिभाषा बनने लगी हैं। बाजार ने उपभोग को केवल आसान नहीं बनाया, बल्कि उसे अनिवार्यता का रूप दे दिया है।

(शिवम भारद्वाज)

उपभोग के विस्तार ने जीवन को कई स्तरों पर सरल भी बनाया है। मगर जब उपभोग का संबंध संतुलन से हटकर विस्तार से जुड़ता है, तो उसके साथ दबाव भी बढ़ता है।समाज की स्मृति में दो वाक्य लंबे समय से समांतर रूप से चलते आए हैं- 'तेते पांव पसारिये, जेती लांबी सौर' और 'ऋणं कृत्वा घृतं पिबेत।' ये केवल लोकवाक्य नहीं, बल्कि जीवन-दृष्टि के दो विपरीत छोर हैं। पहला संयम, यथार्थ और आत्मनियंत्रण की ओर संकेत करता है, तो दूसरा तात्कालिक सुख के लिए भविष्य की चिंता को स्थगित कर देने की प्रवृत्ति को वैधता देता है। समय के साथ इन दोनों के बीच का तनाव बना रहा, लेकिन आज का परिदृश्य इस तनाव को एक नए ढंग से सामने लाता है, जहां बाजार केवल वस्तुओं का विनिमय नहीं करता, बल्कि आकांक्षाओं, असुरक्षा और इच्छाओं को भी गढ़ता है।

एक समय था जब वस्तुओं का जीवन में प्रवेश धीमा और विचारपूर्ण होता था। खरीद एक निर्णय थी और उस निर्णय के पीछे एक क्रम-जरूरत का आकलन, संसाधनों का संतुलन और भविष्य की एक सहज चिंता थी। वस्तुएं उपयोगिता के साथ-साथ एक नैतिक अर्थ भी रखती थीं। वे जीवन को सरल बनाती थीं, पर उसे परिभाषित नहीं करती थीं। अब स्थिति उलट गई है। वस्तुएं जीवन की परिभाषा बनने लगी हैं। बाजार ने उपभोग को केवल आसान नहीं बनाया, बल्कि उसे अनिवार्यता का रूप दे दिया है। विज्ञापन, डिजिटल मंच और विपणन की नई रणनीतियां मिलकर एक ऐसा वातावरण निर्मित करती हैं, जिसमें इच्छा और आवश्यकता के बीच की रेखा लगातार धुंधली पड़ती जाती है। बाजार केवल मांग को पूरा नहीं करता, वह मांग पैदा करता है। और इसी प्रक्रिया में व्यक्ति के भीतर एक स्थायी 'अपर्याप्तता' का भाव आकार लेता है। यह वस्तुनिष्ठ नहीं होती, लेकिन अनुभव में वास्तविक लगती है।

व्यक्ति को यह महसूस होता है कि वह जैसा है, उतना पर्याप्त नहीं है और यह कमी वस्तुओं के माध्यम से पूरी की जा सकती है। यहीं से उपभोग एक विकल्प नहीं रहता, बल्कि एक मनोवैज्ञानिक बाध्यता का रूप लेने लगता है। यह बाध्यता किसी बाहरी दबाव से नहीं, बल्कि भीतर के उस सूक्ष्म असंतोष से पैदा होती है, जिसे बाजार लगातार जीवित रखता है। अब वस्तुएं जरूरत पूरी करने के

बजाय आत्म-छवि का विस्तार बन गई हैं। कौन-सा फोन, किस तरह की कार, कौन-सी सुविधाएं, किन स्थानों की यात्राएं- ये सब एक सामाजिक पहचान रचते हैं। इस दौड़ में पीछे छूट जाने का भय उपभोग की गति को और तीखा करता है।

इस पूरी प्रक्रिया को व्यावहारिक आधार देता है आसान कर्ज। क्रेडिट कार्ड, त्वरित ऋण और 'अभी खरीदें, बाद में भुगतान करें' जैसी व्यवस्थाएं इच्छा और सामर्थ्य के बीच के अंतर को समाप्त नहीं करतीं। वे उसे समय में आगे खिसका देती हैं। जो पहले निर्णय को टालने का कारण था, वही अब उसे शीघ्र लेने का साधन बन जाता है। उपभोग तत्काल होता है, उसका भुगतान स्थगित। कर्ज का प्रभाव तत्काल नहीं दिखता। वह धीरे-धीरे जीवन की संरचना में शामिल होता है। शुरुआत में वह सुविधा का विस्तार करता है, लेकिन समय के साथ वह आय के उपयोग को सीमित करने लगता है। आय का एक हिस्सा नियमित रूप से पूर्वनिर्धारित हो जाता है- देनदारियों के रूप में। इस स्थिति में व्यक्ति के पास संसाधन होते हुए भी उनके उपयोग की स्वतंत्रता घटने लगती है। उधार का सुख तत्काल हो सकता है, लेकिन उसकी कीमत समय के साथ सामने आती है। उपभोग और भुगतान के बीच का यह अंतर धीरे-धीरे एक स्थायी संरचना बन सकता है, जिसमें वर्तमान लगातार भविष्य पर निर्भर रहने लगता है।

इस परिदृश्य को और जटिल बनाता है सामाजिक संदर्भ। उपभोग अब निजी निर्णय भर नहीं रहा। वह दृश्यता और तुलना से जुड़ गया है। डिजिटल माध्यमों ने जीवन को एक निरंतर प्रदर्शन में बदल दिया है, जहां दूसरों के जीवन के चुने हुए हिस्से ही दिखाई देते हैं। यह दृश्य वास्तविकता नहीं, लेकिन प्रभाव वास्तविक होता है। व्यक्ति अपनी जरूरतों को नहीं, अपनी 'दिखने वाली स्थिति' को समायोजित करने लगता है। इसी क्रम में संयम की धारणा भी बदलती है। 'तेते पांव पसारिये' अब व्यावहारिक नियम कम और एक दूरस्थ सलाह अधिक प्रतीत होता है। हालांकि उपभोग के विस्तार ने जीवन को कई स्तरों पर सरल भी बनाया है। मगर जब उपभोग का संबंध संतुलन से हटकर विस्तार से जुड़ता है, तो उसके साथ दबाव भी बढ़ता है।

बाजार की संरचना इसी विस्तार पर आधारित है। इसलिए वह स्थिरता के बजाय निरंतरता को बढ़ावा देता है- नई इच्छाएं, नए मानक और लगातार बदलती अपेक्षाएं। व्यक्ति एक ऐसी प्रक्रिया का हिस्सा बन जाता है, जिसमें गति तो होती है, पर दिशा का बोध स्पष्ट नहीं रहता। इस संदर्भ में ये दोनों सूत्र फिर सामने आते हैं- 'तेते पांव पसारिये' और 'ऋणं कृत्वा घृतं पिबेत।' अब वे केवल परंपरा के अवशेष नहीं, बल्कि दो अलग आर्थिक-सांस्कृतिक ढांचों के संकेत हैं। एक में आय और इच्छा के बीच स्पष्ट संबंध है, दूसरे में इस संबंध को स्थगित कर दिया जाता है।

अंतर सूक्ष्म है, पर निर्णायक। पहले में सीमा दिखाई देती है, दूसरे में सुविधा। मगर समय के साथ स्पष्ट होता है कि सुविधा का विस्तार अक्सर सीमा के स्थान पर ही स्थापित हो जाता है। आखिरकार बात इतनी-सी है कि उपभोग अब केवल चुनाव नहीं रहा, वह धीरे-धीरे जीवन की पूर्व-शर्त बनता जा रहा है। 'ऋणं कृत्वा घृतं पिबेत' अब एक उक्ति नहीं, एक व्यवहारिक ढांचा है, जिसमें सुख पहले आता है और उसकी कीमत बाद में, लेकिन लगातार चुकानी पड़ती है। इसके ठीक समांतर 'तेते पांव पसारिये' मौजूद तो है, पर उसकी जगह सिकुड़ती जाती है। यहीं यह अंतर निर्णायक हो जाता है- सीमा और सुविधा के बीच। यहीं यह प्रश्न अपने सबसे सरल रूप में सामने आता है- क्या उपभोग हमारी जरूरतों का विस्तार कर रहा है, या हमारी जीवन-रचना को बदल रहा है?

सुशासन तिहार में प्राप्त आवेदनों का संवेदनशीलता के साथ करें निराकरण

प्रभारी सचिव ने जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक लेकर दिए निर्देश

कोंडागांव। कोण्डागांव जिले के प्रभारी सचिव भीम सिंह ने केशकाल विकासखंड के ग्राम धनोरा स्थित पीएमश्री स्कूल में सुशासन तिहार को लेकर सभी जिला अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। इस दौरान उन्होंने निर्धारित बिन्दुओं विभागवार शासकीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों के प्रगति की विस्तृत समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस दौरान कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना व पुलिस अधीक्षक आकाश श्रीमाल उपस्थित थे। प्रभारी सचिव भीम सिंह ने कहा कि राज्य शासन की महत्वाकांक्षी पहल सुशासन तिहार के तहत प्राप्त हो रहे आवेदन पर सभी विभाग नागरिकों की समस्याओं एवं मांगों को लेकर प्राप्त आवेदनों को गंभीरता से लें और समुचित निराकरण करें। उन्होंने जिला स्तरीय अधिकारियों से कहा कि सभी विभागीय अधिकारी अपने-अपने विभागों के योजनाओं का क्रियान्वयन बेहतर रखें और सभी पात्र हितग्राहियों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाएं। उन्होंने सभी अधिकारियों को लोक सेवा गारंटी के तहत समय सीमा में नागरिकों के आवेदनों पर निराकरण के संबंध में सख्त निर्देश दिए। जिले में बिजली की समस्या को दूर करने हेतु विद्युत विभाग द्वारा किए जा रहे विभिन्न निर्माण कार्यों में तेजी लाने के सख्त निर्देश विद्युत विभाग के अधिकारियों को दिए। बैठक में उन्होंने जिले में आयोजित हो रहे सुशासन तिहार और बस्तर मुन्ने के आयोजन में प्राप्त आवेदनों पर कार्यवाही की जानकारी ली और राजस्व प्रकरणों के निराकरण की भी समीक्षा की। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के प्रगति की जानकारी लेते हुए स्वीकृत आवासों को शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए। साथ ही राजमिस्त्री की कमी पर राजमिस्त्री के लिए प्रशिक्षण की व्यवस्था हेतु अधिकारियों को निर्देशित किया। प्रभारी सचिव ने कृषि विभाग की समीक्षा करते हुए प्रधानमंत्री कृषि सम्मान निधि योजना के अंतर्गत जिले के सभी किसानों को लाभ पहुंचाने के निर्देश कृषि विभाग के अधिकारियों को दिए। प्रभारी सचिव ने जिले में ईंधन की उपलब्धता की भी समीक्षा की और खाद्य अधिकारियों को इस संबंध में फील्ड में निगरानी करने हेतु निर्देशित किया। उन्होंने धान उठाव का कार्य शत प्रतिशत पूर्ण करने हेतु जिला विपणन अधिकारी को निर्देशित किया। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना से लाभान्वित परिवारों की जानकारी लेते हुए, उन्होंने यह सुनिश्चित करने को कहा कि सभी हितग्राही विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों के हितग्राही रसोई में गैस का ही उपयोग करें और इसके लिए एलपीजी के उपयोग से होने वाले लाभ के बारे में उन्हें जागरूक भी करें। उन्होंने मुख्यमंत्री स्वस्थ बस्तर अभियान के प्रगति की भी समीक्षा की और सिकल सेल हेतु समुचित जांच व्यवस्था हेतु सीएमएचओ को निर्देशित किया। साथ ही आयुष्मान कार्ड योजना से शेष नागरिकों को भी लाभ पहुंचाते हुए शत प्रतिशत कार्ड बनाने के निर्देश दिए। साथ ही जिले में खाद एवं बीज की उपलब्धता की भी समीक्षा की और निरंतर जांच हेतु निर्देशित किया। साथ ही प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि से सभी शेष किसानों को भी लाभान्वित करने के सख्त निर्देश कृषि विभाग के अधिकारियों को दिए। उन्होंने जल जीवन मिशन के कार्यों को समीक्षा करते हुए हर घर जल प्रमाणित गांव में सुचारू रूप से पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने के साथ ही जिस गांव में पेयजल की समस्या है, वहां कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने हेतु निर्देशित किया। पेंशन प्रकरणों के त्वरित निराकरण पर भी विशेष जोर दिया। जिले में पीएमश्री स्कूलों की व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए विद्यालयों में निर्धारित मापदण्डों के अनुरूप सुविधाएं सुनिश्चित करते हुए बेहतर पढ़ाई के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री स्वस्थ बस्तर अभियान अंतर्गत डोर-टू-डोर स्वास्थ्य जांच का प्रभारी सचिव ने किया निरीक्षण

कोंडागांव। मुख्यमंत्री स्वस्थ बस्तर अभियान 'मावा बस्तर, मावा स्वास्थ्य' के अंतर्गत स्वास्थ्य विभाग द्वारा जिले में संचालित डोर-टू-डोर स्वास्थ्य जांच अभियान का प्रभारी सचिव भीम सिंह ने ग्राम बदवर पहुंचकर निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने ग्रामीणों की स्वास्थ्य जांच प्रक्रिया का अवलोकन किया तथा स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों से अभियान की प्रगति की जानकारी ली। प्रभारी सचिव ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिले में एनीमिया के मामलों की गंभीरता से जांच कर प्रभावित मरीजों को समय पर बेहतर उपचार उपलब्ध कराएं। उन्होंने कहा कि अभियान के तहत बस्तर क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना शासन की प्राथमिकता है। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि अभियान के तहत अब तक जिले की कुल जनसंख्या के 45.17 प्रतिशत लोगों की स्क्रीनिंग की जा चुकी है। जांच के दौरान गंभीर बीमारी से प्रभावित 1266 मरीजों को बेहतर उपचार हेतु उच्च स्वास्थ्य केंद्रों में रेफर किया गया है।

शादियों के सीजन में मस्ती भरी प्रतिस्पर्धा मांदर की थाप पर झूमे नेताओं ने लूटी महफिल

केशकाल। इन दिनों केशकाल में शादियों का सीजन पूरे शबाब पर है। हर ओर खुशियों और जश्न का माहौल नजर आ रहा है, लेकिन इस बार खास बात यह है कि इन समारोहों में सिर्फ आम लोग ही नहीं, बल्कि जनप्रतिनिधि भी अपने अलग अंदाज से सुर्खियां बटोर रहे हैं। कहीं मांदर की थाप पर ठुमके लगते दिखाई दे रहे हैं, तो कहीं नेता खुद बाजा बजाते नजर आ रहे हैं। केशकाल क्षेत्र से शादी समारोहों में नेताओं की मौजूदगी के कई वीडियो सामने आए हैं, जिनमें वे पारंपरिक और मस्ती भरे अंदाज में लोगों के साथ घुलते-मिलते नजर आ रहे हैं। ये वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे हैं। पूर्व विधायक संत राम नेताम का अंदाज सबसे अलग देखने को मिला। पारंपरिक वेशभूषा में वे मांदर की थाप पर लोक कलाकारों के साथ कदम से कदम मिलाकर नाचते नजर आए। वहीं वर्तमान विधायक भी पीछे नहीं रहे– उनका एक वीडियो सामने आया है, जिसमें वे शादी समारोह में बाजा बजाते और पूरे उत्साह के साथ मस्ती करते दिख रहे हैं। नेताओं का यह हल्का-फुल्का और आत्मीय अंदाज लोगों को खूब भा रहा है। कुल मिलाकर, शादियों के इस सीजन में नेताओं के बीच भी जनता से जुड़ने की एक मस्ती भरी पप्रतिस्पर्धा देखने को मिल रही है। पारंपरिक संस्कृति और राजनीति का यह अनोखा संगम अब इलाके में चर्चा का विषय बन गया है। शादी समारोहों में नेताओं की यह सक्रियता जहां लोगों का मनोरंजन कर रही है, वहीं यह भी दर्शा रही है कि जनप्रतिनिधि जनता के साथ जुड़ाव मजबूत करने के लिए हर मंच का उपयोग कर रहे हैं। फिलहाल, ये वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहे हैं और लोगों के बीच खासे चर्चा में हैं।

धनोरा पहुँचे प्रभारी सचिव भीम सिंह, पीएमश्री स्कूल का निरीक्षण कर दिए आवश्क दिशा-निर्देश

केशकाल। जिले के प्रभारी सचिव भीम सिंह बुधवार को केशकाल क्षेत्र के दौरे पर पहुंचे, जहां उन्होंने विभिन्न शासकीय संस्थानों एवं विकास कार्यों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने धनौरा स्थित पीएमश्री स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम विद्यालय का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सचिव ने विद्यालय के सभी कक्षों, प्रयोगशालाओं एवं अन्य सुविधाओं का बारीकी से अवलोकन किया। विद्यालय परिसर में साफ-सफाई की कमी, शौचालयों की अव्यवस्थित स्थिति तथा कक्षाओं में फैली अव्यवस्था को लेकर उन्होंने नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने स्कूल प्रबंधन एवं संबंधित अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाते हुए तत्काल सुधारात्मक कदम उठाने के निर्देश दिए। साथ ही विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने हेतु आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने पर जोर दिया। प्रभारी सचिव ने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप शैक्षणिक संस्थानों में बेहतर वातावरण एवं सुविधाएं उपलब्ध कराना प्राथमिकता है, जिसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने नियमित मॉनिटरिंग और जवाबदेही तय करने के निर्देश भी दिए। इसके पश्चात सचिव भीम सिंह ने जिला मुख्यालय में विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की। बैठक में जिले में संचालित शासकीय योजनाओं, विकास कार्यों, बुनियादी ढांचे, स्वास्थ्य, शिक्षा, ग्रामीण विकास एवं पेयजल जैसी योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। उन्होंने कार्यों की धीमी प्रगति पर चिंता जताते हुए अधिकारियों को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। सचिव ने विशेष रूप से जनहित से जुड़ी योजनाओं में पारदर्शिता, लाभार्थियों तक समय पर पहुंच एवं फील्ड स्तर पर सतत निगरानी पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सभी विभाग समन्वय बनाकर कार्य करें ताकि जिले के समग्र विकास को गति मिल सके। इस अवसर पर कोंडागांव कलेक्टर नुपुर राशि पन्ना, एसपी आकाश श्रीमाल जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अविनाश भोई, अपर कलेक्टर चित्रकांत चाली ठाकुर, एसडीएम आकांक्षा नायक सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

बेडमा की शादी में आए इंटरनेशनल बाराती, विदेशी मेहमानों ने डीजे पर रंग-गुलाल संग मचाया धमाल

केशकाल। केशकाल ब्लॉक के ग्राम बेडमा में एक साधारण शादी समारोह उस वक्त खास और यादगार बन गया, जब अचानक विदेशी मेहमानों की एंट्री ने पूरे माहौल को इंटरनेशनल रंग दे दिया। नायक परिवार में चल रहे विवाह समारोह के दौरान यह अनोखा नजारा देखने को मिला। दरअसल, जगदलपुर की ओर जा रहे कुछ विदेशी पर्यटक कार्यक्रम स्थल के पास रुक गए। पारंपरिक वेशभूषा में सजे दूल्हा-दुल्हन और ग्रामीण परिवेश की रंगत देखकर वे खासे उत्साहित हो उठे। उन्होंने तुरंत अपने मोबाइल फोन निकाले और इस खूबसूरत पल को फोटो और वीडियो में कैद करना शुरू कर दिया। कुछ ही देर में माहौल

और भी दिलचस्प हो गया, जब विदेशी मेहमान खुद को रोक नहीं पाए और डीजे की धुन पर रंग-गुलाल के साथ झूमने लगे। उनका यह उत्साह और देसी अंदाज वहां मौजूद ग्रामीणों के लिए आकर्षण का केंद्र बन गया। देखते ही देखते पूरा पंडाल तालियों और हंसी-खुशी से गूंज उठा। ग्रामीणों ने भी खुले दिल से विदेशी मेहमानों का स्वागत किया और उनके साथ मिलकर डांस का लुत्फ उठाया। इस दौरान दूल्हा-दुल्हन भी मुस्कुराते हुए इस खास पल का आनंद लेते नजर आए। रंग-गुलाल, संगीत और संस्कृति का यह संगम एक अनोखा अनुभव बन गया। यह दृश्य न सिर्फशादी समारोह को यादगार बना गया, बल्कि भारतीय ग्रामीण संस्कृति की गर्मजोशी और अपनापन भी विदेशी मेहमानों के दिलों तक पहुंचा गया।

धनोरा मंडल में भाजपा की मासिक बैठक संपन्न, कार्ययोजना पर हुआ मंथन

केशकाल। केशकाल विधानसभा क्षेत्र के धनोरा मंडल में भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं की मासिक बैठक आयोजित की गई। बैठक में संगठन को मजबूत करने और आगामी कार्यक्रमों को लेकर विस्तृत कार्ययोजना तैयार की गई। बैठक के दौरान कार्यकर्ताओं को जमीनी स्तर पर सक्रिय रहने, केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं को आम जनता तक पहुंचाने तथा संगठन विस्तार पर विशेष जोर दिया गया। इस अवसर पर तीन राज्यों में भारतीय जनता पार्टी को प्रचंड बहुमत से मिली जीत पर खुशी जाहिर की गई। कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को बधाई दी और मिठाइयां बांटकर जश्न

मनाया। कार्यक्रम का नेतृत्व भाजपा जिला उपाध्यक्ष आकाश मेहता नके सभी कार्यकर्ताओं को संगठन की रीढ़ बताते हुए कहा कि उनकी मेहनत और समर्पण से ही पार्टी लगातार सफलता हासिल कर रही है। बैठक में बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कोंडागांव जिले को दोहरी उपलब्धि माकड़ी और फरसगांव सीएचसी राष्ट्रीय गुणवत्ता मानकों में प्रमाणित

कोंडागांव। स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता के क्षेत्र में कोंडागांव जिले ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। जिले के फरसगांव और माकड़ी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) को नेशनल क्वालिटी एश्योरेंस स्टैंडर्ड्स के तहत राष्ट्रीय प्रमाणन प्राप्त हुआ है। फरसगांव सीएचसी इस गौरव को प्राप्त करने वाला जिले का पहला सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बना है, जबकि सुदूर आंतरिक आदिवासी क्षेत्र में स्थित माकड़ी सीएचसी जिले का दूसरा और आकांक्षी ब्लॉक का पहला प्रमाणित केंद्र बनकर उभरा है। केंद्र सरकार द्वारा नियुक्त राष्ट्रीय मूल्यांकनकर्ताओं की टीम ने दोनों स्वास्थ्य केंद्रों का दो दिवसीय गहन निरीक्षण किया। इस दौरान स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता, मरीजों को दी जा रही सुविधाएं, स्वच्छता, प्रबंधन व्यवस्था और निर्धारित प्रोटोकॉल के पालन का विस्तृत आकलन किया गया। दोनों केंद्रों ने सभी मानकों पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए यह प्रमाणन हासिल किया। इस उपलब्धि में वहां कार्यरत डॉक्टरों, नर्सों और अन्य स्वास्थ्यकर्मियों की समर्पित मेहनत का अहम योगदान रहा। कलेक्टर नुपुर राशि पन्ना के नेतृत्व में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आर. के. चतुर्वेदी तथा जिला कार्यक्रम प्रबंधक डॉ. भावना महलवार ने प्रशासनिक समन्वय को मजबूत बनाए रखा। साथ ही यूनिसेफछत्तीसगढ़ की तकनीकी टीम ने स्वास्थ्य विशेषज्ञ डॉ. गजेन्द्र सिंह के मार्गदर्शन में लगातार सहयोग प्रदान कर दोनों केंद्रों को राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप तैयार किया।

वार्ड क्रमांक 17-18 में लगे 5जी टावर, किरन्दुल वासियों को मिलेगी हाई-स्पीड इंटरनेट की सौगात

किरंदुल। लौहनगरी किरन्दुल के वार्ड क्रमांक 17 और 18 में लंबे समय से चली आ रही खराब नेटवर्क की समस्या अब बीते दिनों की बात हो गई है। नगर पालिका अध्यक्ष रूबी शैलेंद्र सिंह की सक्रियता और विशेष प्रयासों के फलस्वरूप क्षेत्र में निजी कंपनी के दो अत्याधुनिक 5जी मोबाइल टावर लगाए गए हैं। मइस पहल से न केवल स्थानीय निवासियों को हाई-स्पीड कनेक्टिविटी मिली है, बल्कि पालिका के राजस्व में भी बढ़ोत्तरी सुनिश्चित हुई है। उल्लेखनीय है कि इस क्षेत्र में मोबाइल नेटवर्क की गति अत्यंत धीमी होने के कारण ऑनलाइन पढ़ाई करने वाले हॉस्टल महाविद्यालय में छात्र छात्राओं को भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा था। वीडियो क्लासेज और स्टडी मटेरियल डाउनलोड करने में घंटों का समय लग जाता था। अब 5जी टावर लगने से बच्चों को निर्बाध इंटरनेट की सुविधा मिलेगी, जिससे उनकी डिजिटल शिक्षा को नई गति मिलेगी। अभिभावकों ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे बच्चों के भविष्य के लिए एक बड़ा कदम बताया है। यह परियोजना केवल कनेक्टिविटी तक सीमित नहीं है, बल्कि नगर पालिका प्रशासन के लिए आय का एक नया स्रोत भी बनकर उभरी है। इन टावरों की स्थापना के बाद, निजी कंपनी द्वारा पालिका को प्रतिमाह किराया और निर्धारित शुल्क दिया जाएगा। इससे पालिका की मासिक आमदनी में उल्लेखनीय वृद्धि होगी, जिसका उपयोग नगर के अन्य विकास कार्यों और जन-सुविधाओं के विस्तार में किया जा सकेगा। नगर पालिका अध्यक्ष रूबी सिंह ने बताया- हमारा लक्ष्य किरंदुल के हर वार्ड को आधुनिक सुविधाओं से जोड़ना है। वार्ड 17-18 एवं आसपास के क्षेत्र के बच्चों और आम जनता को नेटवर्क की वजह से काफी परेशानी हो रही थी। 5जी टावर लगने से अब डिजिटल सेवाओं का लाभ हर घर तक पहुँचेगा। साथ ही, इससे होने वाली आय को हम नगर के सर्वांगीण विकास में उपयोग करेंगे।

पर्यटन के नक्शे पर चमकेगा पिच्चेकट्टा, सांसद भोजराज नाग ने 'मावली हिल्स' वॉटर एडवेंचर का किया आगाज

भानुप्रतापपुर। प्रकृति की गोद में बसे कांकेर जिले के लिए पर्यटन के क्षेत्र में एक नया अध्याय लेकर आया। ग्राम पंचायत मुल्ला स्थित पिच्चेकट्टा जलाशय अब 'मावली हिल्स' के नाम से नए वॉटर एडवेंचर डेस्टिनेशन के रूप में पहचाना जाएगा। क्षेत्रीय सांसद भोजराज नाग ने इसका विधिवत शुभारंभ किया। इस अवसर पर भानुप्रतापपुर विधायक सावित्री मंडावी, जिला पंचायत सदस्य देवेंद्र टेकाम, निखिल सिंह राठौर, जनपद सदस्य विष्णु कचलाम, जिला पंचायत सीईओ हरेश मंडावी सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे।

नक्सलवाद के अंत से खुले विकास के द्वार

मुख्य अतिथि की आसंदी से कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद नाग ने कहा कि बस्तर और कांकेर की पहचान अब गोला-बारूद से नहीं, बल्कि अपनी प्राकृतिक सुंदरता और पर्यटन से होगी। उन्होंने पिछली सरकारों और नक्सलवाद पर प्रहार करते हुए कहा कांकेर में पिच्चेकट्टा जैसे सैकड़ों पिकनिक स्पॉट हैं, लेकिन दशकों तक माओवादी आतंक के कारण इनका विकास नहीं हो सका। अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की दृढ़ इच्छाशक्ति से नक्सलवाद खत्म हो चुका है, जिससे विकास को नई गति मिल रही है।

स्थानीय रोजगार को मिलेगा बढ़ावा

विधायक सावित्री मंडावी ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि पिच्चेकट्टा जलाशय की प्राकृतिक सुंदरता सैलानियों को आकर्षित करेगी। पर्यटकों की बढ़ती आवाजाही से न केवल क्षेत्र की प्रसिद्धि बढ़ेगी, बल्कि स्थानीय ग्रामीणों को रोजगार के नए अवसर भी प्राप्त होंगे।

प्रशासन की प्राथमिकता: मूलभूत सुविधाओं का विस्तार

कलेक्टर निलेशकुमार महादेव क्षीरसागर ने इस दौरान भरोसा दिलाया कि जिन क्षेत्रों में सुरक्षा कारणों से विकास कार्य रुके थे, उन्हें अब प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जा रहा है। जिला प्रशासन मावली हिल्स में पर्यटकों के लिए आवश्यक तमाम मूलभूत सुविधाएं जल्द से जल्द सुनिश्चित करेगा।

रसूख के आगे बौना प्रशासन: दुर्गूकोंडल में सोलर प्लांट की आड़ में 144 पेड़ों की 'बलि', उद्योगपति पर मेहरबानी के आरोप

भानुप्रतापपुर। प्रदेश में पर्यावरण संरक्षण के सरकारी दावों की जमीनी हकीकत ग्राम सिवनी (दुर्गूकोंडल ब्लॉक) में तार-तार होती नजर आ रही है। यहाँ एक रसूखदार उद्योगपति द्वारा सोलर प्लांट लगाने की आड़ में बिना किसी वैधानिक अनुमति के 144 से अधिक विशालकाय पेड़ों को जेसीबी मशीनों से जड़ से उखाड़ फेंका गया। इस 'पर्यावरण हत्याकांड' को दो महीने बीत जाने के बाद भी दोषी उद्योगपति पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं होना, प्रशासन की मंशा पर गंभीर सवाल खड़े कर रहा है। दुर्गूकोंडल का यह मामला साफ तौर पर दर्शाता है कि कैसे रसूखदार लोग कानून की धज्जियां उड़ाकर पर्यावरण को नुकसान पहुंचा रहे हैं और जिम्मेदार अधिकारी मूकदर्शक बने तमाशा देख रहे हैं। क्या शासन इस 'पर्यावरण हत्याकांड' के दोषियों को सजा देगा या फाइलें यूं ही धूल फांकती रहेंगी?

क्या है पूरा मामला

मिली जानकारी के अनुसार, भिलाई के रसूखदार उद्योगपति और 'मनमीत इस्पात प्राइवेट लिमिटेड' के संचालक संदीप अग्रवाल ने ग्राम सिवनी में लगभग 30 एकड़ (12.20 हेक्टेयर) जमीन खरीदी है। चर्चा है कि यहाँ सोलर प्लांट स्थापित किया जाना है। इसी निर्माण की आड़ में वर्षों पुराने हरे-भरे पेड़ों पर बेरहमी से जेसीबी चलवा दी गई। सोशल मीडिया पर तबाही की तस्वीरें वायरल होने के बाद विभाग की नींद तो खुली, लेकिन कार्रवाई के नाम पर केवल फाइलों को एक टेबल से दूसरे टेबल तक दौड़ाया जा रहा है।

दोहरा मापदंड: किसान को सजा, रसूखदार को मजा

इस घटना ने क्षेत्र में भारी आक्रोश पैदा कर दिया है। स्थानीय लोगों और विपक्षी दलों का आरोप है कि कानून का डंडा केवल गरीबों और किसानों के लिए चलता है। यदि कोई छोटा किसान अपनी निजी जमीन का एक पेड़ भी काटता है, तो वन और राजस्व विभाग 'वृक्ष संरक्षण अधिनियम' का हवाला देकर उसे महीनों प्रताड़ित करते हैं और भारी जुर्माना वसूलते हैं। यहाँ सरेआम 144 पेड़ों का 'कत्लेआम' कर दिया गया, लेकिन न तो मशीनें जब्त की गईं और न ही अब तक कोई एफआईआर दर्ज हुई है।

फाइलों में कैद इंसाफ: एसडीएम कार्यालय में अटकी रिपोर्ट

सूत्रों के मुताबिक, पेड़ों की अवैध कटाई की जांच रिपोर्ट तहसील कार्यालय दुर्गूकोंडल से एसडीएम कार्यालय भेज दी गई है। लेकिन एसडीएम गंगाधर वाहिले द्वारा इस मामले में की जा रही देरी समझ से परे है। चर्चा है कि रसूख के दबाव या 'अदृश्य लाभ' के चलते अधिकारी इस फाइल को दबाए बैठे हैं। मैदानी कर्मचारियों की घोर लापरवाही ने उद्योगपति के हौसले इतने बुलंद कर दिए कि बिना डर के इतने बड़े पैमाने पर कटाई कर दी गई। जब एक किसान का ट्रैक्टर सड़क से ही जब्त कर लिया जाता है, तो 144 पेड़ उखाड़ने वाली जेसीबी अब तक आजाद क्यों है? क्या प्रशासन की जेबें गर्म कर दी गई हैं।

संक्षिप्त समाचार

सूने मकान का ताला टूटा नकदी सहित जेवर पार

रायगढ़। जिले में सूने मकान का ताला तोड़कर अज्ञात चोर अलमारी में रखे नकदी और सोने-चांदी के जेवर लेकर फरार हो गया। चोरी गए सामान की कुल कीमत करीब 1 लाख 25 हजार रुपए बताई जा रही है। मामला कापू थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक ग्राम गोढ़ी खुर्द कापू निवासी विष्णुराम भगत (55) खेती-किसानी करते हैं। उनका बेटा रायपुर में एमबीबीएस की पढ़ाई कर रहा है। बेटे के दीक्षांत समारोह में शामिल होने के लिए विष्णुराम अपने परिवार के साथ रविवार सुबह रायपुर गए थे। सोमवार सुबह पड़ोसी धनेश्वर लकड़ा ने मोबाइल पर सूचना दी कि उनके घर का ताला टूटा हुआ है। सूचना मिलते ही विष्णुराम रायपुर से अपने गांव लौटे। घर पहुंचने पर सामान बिखरा पड़ा मिला। चोर ने दरवाजे का ताला तोड़कर घर में प्रवेश किया और अलमारी में रखे सोने का मंगलसूत्र, सोने की चेन, टॉप्स, अंगूठी, चांदी का पायल और 35 हजार रुपए नकद चोरी कर लिए। मामले की शिकायत कापू थाने में दर्ज कराई गई है। घर में लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच करने पर पता चला कि साक्ष्य मिटाने की नीयत से चोर सीसीटीवी कैमरे का रिसीवर भी अपने साथ ले गया। घटना के बाद विष्णुराम ने आसपास काफी खोजबीन की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद उन्होंने मामले की सूचना कापू थाने में दी। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ धारा 305(ए)-बीएनएस और 331(4)-बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पांगन नदी महुआ घाट में पोकलेन मशीन से अवैध रेत उत्खनन, ग्रामीणों में भारी आक्रोश

रामानुजगंज। रामानुजगंज रामचंद्रपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम पचवाल स्थित पांगन नदी के महुआ घाट में कथित रूप से पोकलेन मशीन लगाकर अवैध रेत उत्खनन किए जाने का मामला सामने आया है। लगातार हो रहे उत्खनन को लेकर स्थानीय ग्रामीणों में भारी नाराजगी देखी जा रही है। ग्रामीणों का आरोप है कि नियमों को ताक पर रखकर दिन-रात नदी से रेत निकाली जा रही है, जिससे नदी का स्वरूप बिगड़ रहा है और पर्यावरण को नुकसान पहुंच रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि भारी मशीनों के उपयोग से नदी के किनारों का कटाव बढ़ गया है तथा आसपास के क्षेत्रों में जलस्तर प्रभावित होने की आशंका भी बढ़ गई है। लोगों का कहना है कि अवैध उत्खनन के कारण ग्रामीण मार्ग भी क्षतिग्रस्त हो रहे हैं और लगातार भारी वाहनों की आवाजाही से दुर्घटना की संभावना बनी रहती है। स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से मामले की जांच कर अवैध उत्खनन पर तत्काल रोक लगाने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन किया जाएगा। इस संबंध में खनिज विभाग एवं प्रशासनिक अधिकारियों से कार्रवाई की मांग उठने लगी है। वहीं क्षेत्र में अवैध रेत उत्खनन को लेकर प्रशासन की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं।

जमीन खोदकर केबल की चोरी, 6 आरोपीगण गिरफ्तार, अन्य की तलाश

कोरबा। निर्माणाधीन रेलवे लाइन से जमीन खोद कर केबल चोरी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश हो गया है। थाना प्रभारी प्रेमचंद पटेल के नेतृत्व में टीम ने प्रकरण में 6 आरोपी गिरफ्तार किए हैं। इनसे चोरी का केबल एवं 5000 रुपये नगद रकम जप्त किया गया है। मामले का प्रार्थी गोपाल, भारत रेल आटोमिशन प्राईवेट कम्पनी में सुपरवाजर का कार्य करता है। ब्लाक केबिन 03 दीपका में न्यू रेल्वे लाईन में केबल बिछाने का काम चल रहा है जिसमें जमीन के अंदर कॉपर का केबल लगभग 02 किमी में 03.04.2026 को बिछाया गया था जिसे दिनांक 15.04.2026 सुबह 10 बजे जाकर देखे तो जमीन को खोदकर कॉपर केबल को कोई अज्ञात व्यक्ति चोरी कर ले गया,पाया गया। चोरी गए कॉपर तार का वजन लगभग 200 किलोग्राम व कीमत लगभग 90,000/- रूपये है। घटना के बारे में वरिष्ठ अधिकारी साईड ईंजिनियर अनिल सिंह सहित अन्य को बताया व निर्देश पर दीपका थाना ने रिपोर्ट दर्ज कराया। गोपाल की रिपोर्ट पर अज्ञात चोर के खिलाफ धारा 303(2), 3(5) बीएनएस का जुर्म दर्ज कर तलाश शुरू किया गया।

एसपी के मार्गदर्शम में मिली सफलता मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना दीपका पुलिस द्वारा एसपी सिद्धार्थ तिवारी से मार्गदर्शन प्राप्त कर टीम गठित कर आरोपियों की पतासाजी की गई। जांच एवं मुखबिर की सूचना के आधार पर 6 संदेहियों को हिरासत में लेकर पूछताछ में चोरी की घटना करना स्वीकार किया गया। सभी आरोपियों के विरुद्ध विधिवत कार्यवाही करते हुए न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया। मामले में अन्य आरोपियों की पतासाजी जारी है। गिरफ्तार आरोपीगण:- 1. शत्रुघ्न रोहिदास, पिता इंद्रलाल रोहिदास, उम्र 35 वर्ष, निवासी कसाईपाली, दीपका, जिला कोरबा। 2. परदेसी रोहिदास, पिता रामलाल रोहिदास, उम्र 30 वर्ष, निवासी कसाईपाली,दीपका, जिला कोरबा।

भाजपा महामाया मंडल की मासिक कार्यसमिति बैठक संपन्न

बैठक में बूथ सशक्तिकरण व संगठन विस्तार पर जोर दिया

अम्बिकापुर। भारतीय जनता पार्टी सरगुजा के महामाया मंडल की मासिक कार्यसमिति बैठक संकल्प भवन, अंबिकापुर में भाजपा जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया एवं महापौर मंजूषा भगत की विशेष उपस्थिति में संपन्न हुई। बैठक में संगठन विस्तार, आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तथा बूथ सशक्तिकरण को लेकर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया ने कहा कि मासिक कार्यसमिति बैठकों का उद्देश्य संगठन को और अधिक मजबूत एवं सक्रिय बनाना है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से बूथ स्तर तक सक्रियता बढ़ाने, संगठनात्मक गतिविधियों में नियमित सहभागिता सुनिश्चित करने तथा शक्ति केंद्र स्तर पर टिफिन बैठक आयोजित कर अधिक से अधिक कार्यकर्ताओं को जोड़ने का आह्वान किया। महापौर मंजूषा भगत ने कहा कि भाजपा की नियमित बैठकों से संगठन को मजबूती मिलती है तथा कार्यकर्ताओं में ऊर्जा और उत्साह का संचार होता है। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं की मेहनत और मजबूत संगठन के बल पर ही भारतीय जनता पार्टी लगातार जनविश्वास प्राप्त कर रही है। मंडल अध्यक्ष मनोज कंसारी ने कहा कि

भाजपा कार्यकर्ताओं की पार्टी है और पंचायत से संसद तक पार्टी की उपलब्धियों में समर्पित कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से संगठन हित में सक्रिय भूमिका निभाने का आग्रह किया। बैठक के दौरान जिला महामंत्री अरुणा ने पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं की उपस्थिति ली। मंच संचालन मंडल महामंत्री संजीव वर्मा ने किया तथा आभार प्रदर्शन मंडल मंत्री अतिश ने किया। इस अवसर पर जिला महामंत्री विनोद हर्ष, अरुण सिंह, उपाध्यक्ष विकास पांडे, मधु चौरसिया, कोषाध्यक्ष निश्चल प्रताप सिंह, जन्मेजय मिश्रा, रूपेश दुबे, मनीष सिंह, रमेश जायसवाल, श्वेता गुप्ता, आलोक दुबे, मनोज गुप्ता, प्रिया सिंह, आकाश गुप्ता, अंकित जायसवाल, मंडल महामंत्री निरंजन राय, निशांत सिंह सोलू, राकेश बबलू गुप्ता, प्रेमानंद तिग्गा, अनीश सिंह, अविनाश मंडल, रविकांत उरांव, प्रियंका चौबे, नलिनी पांडे, आनंद सिंह, कुणाल सिंह, विशाल कुशवाहा, कृष्णा तिवारी, अमन गुप्ता, सिद्धार्थ त्रिपाठी, सुमित यादव, अनुज सिंह, डॉ. पुष्पेंद्र शर्मा, सत्यम सिंह, रोहित विश्वकर्मा, विकास गुप्ता, दीपक सोनी, अशोक दास, विकास वर्मा, गणेश सिंह, सतीश शर्मा, अभिमन्यु श्रीवास्तव, धनंजय द्विवेदी, सौरभ जायसवाल, विकास सोनी, संजय साहू, परमेश्वर नेम, विक्रम जायसवाल, अभिषेक माथुर, विकास शुक्ला, बुधराम विश्वकर्मा, रामप्रवेश पांडे, रवि विश्वकर्मा, वीर सोनी, पंकज दास, शंकर साहू, अविनाश सोनकर, राकेश गुप्ता, संजय कुमार, जतिन परमार, राजकिशोर, अनुराग शुक्ला, अरुण तिवारी, सक्षम कश्यप, रुद्र प्रताप सिंह, सोहन बहरा, गौरव पांडे, अविनाश राय, सुधांशु चौबे, संगीता सोनी, रीना राय, रेखा यादव, प्रभा यादव, सुमन चक्रधारी, मीरा तिवारी, पूर्णिमा सोनी, गीता पांडे, विमल सोनी, इंदुमती दास, सरिता जायसवाल, सरिता मिश्रा, नेहा सोनवानी, सुशीला मिंज, विनय प्रभात तिग्गा, सरिता गुप्ता, प्रियंका गुप्ता, सरस्वती यादव, नीलम राजवाड़े, रजनी, पूनम सिंह, भूपेंद्र सिंह एवं सौरव मिश्रा सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जिले में विश्व रेडक्रॉस दिवस पर निकली जनजागरूकता रैली

■ रेडक्रॉस सोसाइटी ने मरीजों को बांटे फल, लगाया स्वास्थ्य शिविर

बिलासपुर। विश्व रेडक्रॉस दिवस के अवसर पर आज भारतीय रेडक्रॉस सोसाइटी बिलासपुर द्वारा विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। सर्वप्रथम सिम्स चिकित्सालय में रेडक्रॉस सोसाइटी के प्रबंध समिति के चेयरमैन डॉ. बी.एल. गोयल ने सर हेनरी डूनॉट के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया। सिम्स परिसर से गोल बाजार तेलीपारा होते हुए जिला चिकित्सालय तक जन जागरण रैली निकाली गई। रैली में बड़ी संख्या में लोगों से उत्साह के साथ भाग लिया। इसके पश्चात जिला चिकित्सालय में एसएनसीयू, एचडीयू, चिल्ड्रन वार्ड, महिला वार्ड में भर्ती मरीजों को फल वितरित किए गए। इसके पश्चात स्थानीय उन्नत शिक्षा अध्ययन संस्थान में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया जिसमें महिलाओं के ब्रेस्ट कैंसर की जांच, सर्वाइकल कैंसर की जांच, बीपी, शुगर सहित अन्य बीमारियों का परीक्षण कर उचित सलाह दी गई। कार्यक्रम में चेयरमेन प्रबंध समिति डॉ. बी एल गोयल, नोडल अधिकारी डॉ. एमए जीवानी, जिला समन्वयक सौरभ सक्सेना, प्रभारी रेडक्रॉस आदित्य पांडे सहित लक्ष्मी नारायण मिश्रा, सुशील राजपूत, डॉ विद्याभूषण, रमेश सिंह, गीतेश्वरी चन्द्रा, नौरिश, अंजू राजपूत, नेहा, अंजलि आदि उपस्थित रहे।

वन विकास निगम की हरित उपलब्धि, पांच वर्षों में 27 लाख से अधिक पौधों का रोपण

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ राज्य वन विकास निगम लिमिटेड, कोटा परियोजना मंडल, बिलासपुर द्वारा पिछले पांच वर्षों में पर्यावरण संरक्षण और हरित क्षेत्र विस्तार की दिशा में उल्लेखनीय कार्य किए गए हैं। वर्ष 2021 से 2025-26 के दौरान विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत व्यापक वृक्षारोपण करते हुए कुल 951.980 हेक्टेयर क्षेत्र में 27 लाख 14 हजार 350 पौधों का रोपण किया गया। वन विकास निगम द्वारा नियमित वृक्षारोपण कार्यक्रम के तहत 66 कक्षों में 852 हेक्टेयर क्षेत्र में 21 लाख 30 हजार पौधे लगाए गए। इसमें मुख्य रूप से सागौन प्रजाति का रोपण किया गया। इसके अतिरिक्त क्लोनल सागौन अंतर्गत 1 हेक्टेयर में 2 हजार 500 पौधे तथा क्लोनल नीलगिरी के तहत 90 हेक्टेयर क्षेत्र में 2 लाख 25 हजार पौधों का रोपण किया गया।डिपाजिट

वृक्षारोपण योजनाओं के माध्यम से वर्ष 2021-22 से 2025-26 तक 93.760 हेक्टेयर क्षेत्र में 3 लाख 16 हजार 250 पौधे लगाए गए। यह कार्य विभिन्न संस्थाओं एवं परियोजनाओं के सहयोग से संपादित किया गया, जिससे शहरी एवं अर्धशहरी क्षेत्रों में हरित आवरण बढ़ाने में मदद मिली। इसके साथ ही अरपा नदी के किनारे इस वर्ष विशेष वृक्षारोपण अभियान चलाकर नदी तट संरक्षण और पर्यावरण संवर्धन की दिशा में भी महत्वपूर्ण पहल की गई। वर्ष 2025-26 में अरपा नदी किनारे 3.620 हेक्टेयर क्षेत्र में 20 हजार 300 पौधों का रोपण किया जाएगा। इसमें मियावाकी वृक्षारोपण, ब्लॉक वृक्षारोपण एवं रामसेतु क्षेत्र के किनारे वृक्षारोपण शामिल हैं। इस पहल से नदी तटों के कटाव नियंत्रण, जैव विविधता संरक्षण तथा शहरी हरियाली बढ़ाने में मदद मिलेगी।

भाजपा विधि प्रकोष्ठ सरगुजा द्वारा जिला न्यायालय अंबिकापुर के समीप सार्वजनिक प्याऊ का शुभारंभ

अम्बिकापुर। भाजपा सरगुजा के जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया एवं महापौर मंजूषा भगत की विशेष उपस्थिति में भाजपा विधि प्रकोष्ठ सरगुजा द्वारा जिला न्यायालय अंबिकापुर के समीप सार्वजनिक प्याऊ का शुभारंभ किया गया। भीषण गर्मी को देखते हुए शुरू किए गए इस सेवा कार्य का उद्देश्य न्यायालय आने वाले वादकारियों, अधिवक्ताओं, न्यायालयीन कर्मचारियों एवं आम नागरिकों को शुद्ध एवं शीतल पेयजल उपलब्ध कराना है। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया ने कहा कि भाजपा का मूल मंत्र सेवा ही संगठन है। समाजहित और जनसेवा भाजपा की कार्यशैली का महत्वपूर्ण आधार है। उन्होंने कहा कि भीषण गर्मी के दौरान लोगों को राहत पहुंचाने के लिए विधि प्रकोष्ठ

द्वारा किया गया यह प्रयास अत्यंत सराहनीय है। ऐसे सेवा कार्य समाज में संवेदनशीलता और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को मजबूत करते हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से निरंतर जनसेवा के कार्यों में सक्रिय रहने का आह्वान किया। महापौर मंजूषा भगत ने कहा कि गर्मी के इस मौसम में सार्वजनिक प्याऊ की व्यवस्था आमजन के लिए अत्यंत उपयोगी पहल है। उन्होंने कहा कि सेवा और सहयोग की भावना ही भारतीय संस्कृति की पहचान है तथा भाजपा सदैव जनकल्याण के कार्यों को प्राथमिकता देती रही है। उन्होंने विधि प्रकोष्ठ की पूरी टीम को इस सराहनीय कार्य के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम का संचालन भाजपा विधि प्रकोष्ठ के जिला संयोजक अधिवक्ता जन्मेजय पाण्डेय ने किया। उन्होंने कहा कि न्यायालय परिसर के आसपास प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग विभिन्न कार्यों से पहुंचते हैं। ऐसे में शीतल पेयजल की व्यवस्था करना मानवीय संवेदनाओं से जुड़ा महत्वपूर्ण सेवा कार्य है। कार्यक्रम में भाजपा महामंत्री विनोद हर्ष, अरुणा सिंह, निश्चल प्रताप सिंह, राकेश गुप्ता, जन्मेजय मिश्रा, विकाश वर्मा, प्रकाश मणि त्रिपाठी, निरंजन राय, प्रियंका पाण्डेय, विद्यानंद मिश्रा, श्याम नारायण पाण्डेय, धनजय तिवारी, संदीप तिवारी, अश्विनी पाण्डेय, अरविन्द कन्नौजिया, संजीव सेठ, श्याम लाल गुप्ता, विवेक पाण्डेय, धनजय मिश्रा, अमरेंद्र गुप्ता, राकेश राय, आशा जायसवाल, ज्योति मंडल, साक्षी सिंह, नेहा सारथी, विनीता पैकरा, अमित पाण्डेय, विनीत जायसवाल सहित स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

बिलासपुर मंडल के सभी यात्री टिकट सुविधा केंद्रों (YTSK) पर GUI-PRS प्रणाली की सफल स्थापना

■ यात्रियों को मिल रही है त्वरित, सरल एवं अधिक सुविधाजनक आरक्षित टिकट सेवा

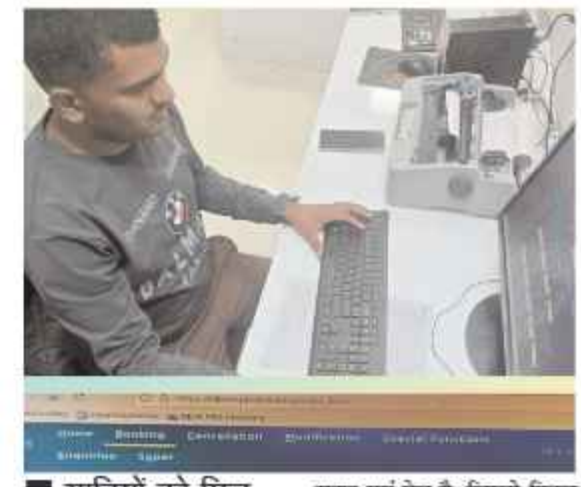

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर मंडल द्वारा यात्रियों को आधुनिक, तेज एवं सुगम टिकटिंग सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए मंडल के सभी यात्री टिकट सुविधा केंद्रों (YTSK) में GUI-PRS (ग्राफिकल यूजर इंटरफेस आधारित पैसेंजर रिजर्वेशन सिस्टम) प्रणाली की सफल स्थापना कर दी गई है। भारतीय रेल द्वारा डिजिटल सेवाओं के विस्तार एवं यात्री सुविधाओं के आधुनिकीकरण के तहत लागू की गई यह नई प्रणाली आरक्षण टिकट बुकिंग प्रक्रिया को अधिक सरल, पारदर्शी एवं उपयोगकर्ता-अनुकूल बना रही है। GUI आधारित यह आधुनिक प्रणाली पारंपरिक टेक्स्ट आधारित इंटरफेस की तुलना में अधिक सहज एवं तेज है, जिससे टिकट बुकिंग की प्रक्रिया पहले की अपेक्षा अधिक सुविधाजनक एवं प्रभावी हो गई है नई प्रणाली के माध्यम से YTSK संचालकों को टिकट जारी करने, यात्री विवरण दर्ज करने तथा विभिन्न आरक्षण संबंधी सेवाओं के संचालन में आसानी हो रही है, वहीं यात्रियों को भी कम समय में बेहतर एवं त्रुटिरहित सेवा प्राप्त हो रही है। इसके लागू होने से मंडल के सभी YTSK केंद्रों पर आरक्षित टिकटों की बुकिंग अधिक त्वरित, व्यवस्थित एवं सुचारु रूप से की जा रही है। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अनुराग कुमार सिंह ने बताया कि बिलासपुर मंडल यात्रियों को आधुनिक एवं डिजिटल सुविधाएं उपलब्ध कराने हेतु निरंतर कार्य कर रहा है। सभी YTSK केंद्रों पर GUI-PRS प्रणाली लागू होने से टिकटिंग व्यवस्था अधिक सरल, तेज एवं पारदर्शी बनी है। इससे यात्रियों को बेहतर सेवा अनुभव प्राप्त होगा तथा आरक्षण प्रक्रिया और अधिक सुविधाजनक बनेगी। आने वाले समय में भी मंडल द्वारा यात्री सुविधाओं के उन्नयन हेतु निरंतर प्रयास किए जाते रहेंगे।

पूर्व उपमुख्यमंत्री टी एस सिंह देव अदानी को कॉल ब्लैक एक्सटेंशन वन स्वीकृति ना देने की मांग की

■ उन्होंने कहा यदि स्वीकृति मिली तो रेगिस्तान हो जाएगा सरगुजा

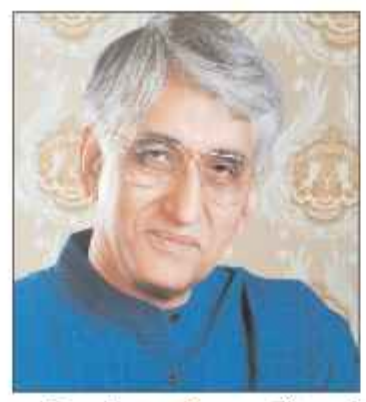

अम्बिकापुर। केंद्रीय वन पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की वन सलाहकार समिति की बैठक में राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड को आवंटित और अदानी के एमडीओ वाली केते एक्सटेंसन कोल ब्लॉक की वन स्वीकृति देने पर विचार होना है। छत्तीसगढ़ की विष्णुदेव साय सरकार पूर्व में ही वन स्वीकृति की अनुशंसा केंद्र को भेज चुकि है। इस नए खदान में लगभग 7 लाख पेड़ काटे जाएँगे जिससे न सिर्फ समृद्ध जंगल-जमीन, जैव विविधता, हसदेव नदी और बांगो जलाशय का विनाश होगा, बल्कि छत्तीसगढ़ रेगिस्तान में तब्दील होगा। फारेस्ट एडवायजरी कमेटी की आज नई दिल्ली में बैठक के पहले पूर्व उप मुख्यमंत्री टी एस सिंह देव ने कमेटी से जुड़े सदस्यों से फोन कॉल पर बात की तथा ईमेल व वाट्सएप से कई दस्तावेज भेज कर ऐतिहासिक स्थल रामगढ़ के संरक्षण एवं संवर्धन की दिशा में पहल करते हुए कुछ महत्वपूर्ण तथ्यों की ओर ध्यान आकृष्ट कराया है, जिसके माध्यम से केते एक्सटेंशन कोल माइन जो हसदेव अरंड कोल फील्ड्स का हिस्सा है के लिये फारेस्ट क्लोयरेंस नहीं देने अथवा रिजेक्ट करने की मांग की है। पूर्व उप मुख्यमंत्री टीएस सिंह देव ने फोन कॉल पर तथा दस्तावेजों के माध्यम से जो बात रखी है उनमें प्रमुख रूप से कहा है कि 1,742.155 हेक्टेयर जंगल की जमीन माइनिंग के लिये इस्तेमाल की जायेगी, जिससे लगभग 7 लाख से ज्यादा पेड़ काटे जायेंगे जो एक पुराने और साफ-सुथरे जंगल

का हिस्सा है। साथ ही साथ उन्होंने कहा है कि इस इलाके में माइनिंग की वजह से पास की रामगढ़ पहाड़ियों में कई दरारें आ गई हैं, जो एएसआई के सेंट्रल प्रोटेक्टेड स्मारक का हिस्सा है। पहाड़ी की एरियल दूरी 8 किमी है। लेकिन रिपोर्ट में इसे गलत तरीके से खनन स्थल से 10 किलोमीटर से ज्यादा दूर बताया गया है। ऐसा इसलिए किया गया क्योंकि खदान की दूरी पहाड़ी के सबसे पास वाले किनारे से नहीं, बल्कि सबसे दूर वाले किनारे से मापी गई थी, जहाँ प्राचीन गुफाएँ मौजूद हैं। अगर यह पहाड़ी गिर जाती है, तो रामगढ़ की प्राचीन गुफाएँ और मंदिर भी इसके साथ ही नष्ट हो जाएँगे। पूर्व उपमुख्यमंत्री टी एस सिंह देव ने यह भी कहा है कि भारतीय वन्यजीव संस्थान , देहरादून ने माननीय NGT के आदेश पर 2021 में अपनी रिपोर्ट हसदेव अरण्य कोयला क्षेत्र, छत्तीसगढ़ में चुनिंदा जीव समूहों पर विशेष ज़ोर के साथ जैव विविधता का आकलन(खंड II) सौंपी थी। इस रिपोर्ट में WII साफ तौर पर यह सिफारिश की है कि PEKB-I को छोड़कर, बाकी सभी नई खदानों के लिए केते एक्सटेंशन को खनन के लिये नो गो एरिया घोषित किया जाए। यहाँ तक कि ICFRE, देहरादून द्वारा तैयार की गई रिपोर्ट पूरे हसदेव-अरण्य कोयला क्षेत्र में जैव विविधता का अध्ययन, जिसमें छत्तीसगढ़ के तारा, परसा, परसा ईस्ट और कांता बासेन, और केते एक्सटेंशन कोयला ब्लॉक शामिल हैं (खंड-II 2021) में भी साफतौर पर यह सुझाव दिया गया है कि वे सभी कोयला ब्लॉक जो 'चोरनाई वाटरशेड' का हिस्सा हैं। जो हसदेव नदी के लिए एक बेहद ज़रूरी जलग्रहण क्षेत्र है। वहां खनन पर पूरी तरह से रोक लगा दी जानी चाहिए। 'केते एक्सटेंशन' कोयला ब्लॉक का 90% इलाका 'चोरनाई वाटरशेड' के अंतर्गत आता है। इसके बावजूद, इस इलाके में खनन की अनुमति किसी भी पर्यावरणीय आधार पर नहीं दी जा रही है, बल्कि सिर्फ इसलिए दी जा रही है क्योंकि ऐसा माना जा रहा है कि इसे मंजूरी मिलने की प्रक्रिया अब अपने अंतिम चरण में है।

बिना पार्लर गए पाएं ब्राइडल जैसा निखार

गर्मियों की शुरुआत के साथ ही शादी-ब्याह का सीजन भी करीब आ गया है। ऐसे में हर किसी की चाहत होती है कि वो खास लोगों पर सबसे अलग और आकर्षक नजर आए। बदलते मौसम का असर हमारी त्वचा पर भी साफ दिखने लगता है, जिससे स्किन कभी रूखी तो कभी डल दिखाई देने लगती है। इसलिए जरूरी है कि समय रहते अपनी स्किन का खास ख्याल रखा जाए, ताकि चेहरे की प्राकृतिक चमक बनी रहे।

अगर आप भी किसी शादी या फंक्शन में अपनी अलग पहचान बनाना चाहते हैं, तो अभी से कुछ आसान और असरदार ब्यूटी टिप्स को अपनी दिनचर्या में शामिल कर सकते हैं। ये छोटे-छोटे उपाय न सिर्फ आपकी त्वचा को हेल्दी बनाएंगे, बल्कि आपके चेहरे पर एक खास निखार भी लाएंगे।

एलोवेरा से पाएं नैचुरल चमक

एलोवेरा त्वचा के लिए किसी जादू से कम नहीं है। इसे लगाने से स्किन को गहरी नमी मिलती है, मुंहासे और दाग-धब्बे कम होते हैं। यह एक नेचुरल मॉइस्चराइजर है, जो त्वचा को मुलायम और चमकदार बनाता है।

नारियल तेल से स्किन बने मजबूत

नारियल का तेल त्वचा की सुरक्षा परत को मजबूत करता है और नमी को लॉक करता है। इसके एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण सूजन और जलन को कम करते हैं, जिससे त्वचा हेल्दी और सॉफ्ट बनी रहती है।

पपीता फेशियल से हटे डलनेस

अगर चेहरे की चमक खो गई है, तो पका हुआ पपीता आपकी मदद कर सकता है। इसे मैश करके चेहरे पर लगाने से टैनिंग कम होती है और स्किन में नैचुरल ग्लो आता है। इसके एंजाइम्स त्वचा को फ्रेश और चमकदार बनाते हैं।

देसी घी से अंदर से निखार

देसी घी त्वचा को अंदर से पोषण देने का काम करता है। इसमें मौजूद पोषक तत्व स्किन को हाइड्रेट रखते हैं और नैचुरल ग्लो बढ़ाते हैं। रात में हल्का घी लगाकर सोने से त्वचा सॉफ्ट और दमकती नजर आती है।

अपनाएं ये टिप्स, बनें सबसे खास

इन आसान घरेलू उपायों को अपनाकर आप शादी के सीजन में खुद को और भी खूबसूरत बना सकते हैं। थोड़ी सी देखभाल और सही रूटीन से आपका चेहरा हर महफिल में अलग ही चमकेगा।

हिंदू धर्म में माथे पर तिलक लगाने की जानें सही विधि

हिंदू धर्म में माथे पर तिलक लगाने का बहुत ज्यादा धार्मिक महत्व होता है। लोग चंदन, रोली या भस्म का तिलक अर्पित करते हैं। हर एक तिलक का अपना महत्व होता है और इसका प्रभाव भी अलग-अलग तरीके से पड़ता है। पूजा-पाठ में भगवान और भक्त के माथे पर तिलक लगाने की परंपरा है, इसके बिना धर्म-कर्म अधूरे ही माने जाते हैं। कुमकुम, चंदन, हल्दी, सिंदूर, भस्म, अष्टगंध, गुलाल आदि शुभ चीजों से तिलक लगाए जाते हैं। पूजा के अलावा अन्य शुभ कार्यों में लोगों का सम्मान करने के लिए उनके माथे पर तिलक लगाते हैं। सनातन धर्म में प्रत्येक देवी-देवता के लिए अलग-अलग प्रकार के तिलक बताए गए हैं। लेकिन बहुत से लोग इस बात को लेकर कंफ्यूज रहते हैं कि कौन सा तिलक किस देवी-देवता को लगाया जाता है।

किस देवी-देवता को कौन सा तिलक लगाएं

- देवी दुर्गा की पूजा में कुंकुम या रोली का तिलक लगाया जाता है।
- हिंदू मान्यता के अनुसार हनुमान जी और भगवान गणेश को सिंदूर का तिलक लगाना शुभ होता है।
- माता लक्ष्मी को लाल चंदन या केसर का तिलक अर्पित करना चाहिए।
- सूर्य देव को लाल चंदन का तिलक लगाने का विधान बताया गया है।
- मान्यता है कि देवताओं के अनुसार तिलक अर्पित करने से पूजा और साधना का फल शीघ्र प्राप्त होता है।
- भगवान विष्णु, श्रीकृष्ण और देवगुरु बृहस्पति को पीले चंदन, हल्दी, केसर या गोपी चंदन का तिलक लगाना शुभ माना जाता है।
- भगवान शिव और भगवान भैरव को भस्म या सफेद चंदन का तिलक अर्पित किया जाता है।
- हिंदू धर्म में तिलक को भगवान का प्रसाद माना गया है, इसलिए इसे लगाने से पहले तन और मन की शुद्धता का ध्यान रखना चाहिए।
- तिलक पहले अपने इष्ट देव को अर्पित करें और फिर उसे श्रद्धा के साथ माथे पर धारण करें।

साधु-संतों की पहचान

सनातन धर्म में तिलक को साधु-संतों का विशेष शृंगार और पहचान माना जाता है। अलग-अलग संप्रदायों के संत अपनी परंपरा के अनुसार तिलक धारण करते हैं। वैष्णव संप्रदाय के साधु ऊर्ध्वपुंड्र तिलक लगाते हैं, जबकि शैव संप्रदाय के अनुयायी भस्म से त्रिपुंड धारण करते हैं, जिसे भगवान शिव के त्रिशूल का प्रतीक माना जाता है। वहीं, शाक्त परंपरा से जुड़े लोग माथे पर लाल चंदन या रोली का तिलक लगाते हैं।

- किसी भी शुभ काम या यात्रा से पहले केसर या रोली का तिलक लगाना मंगलकारी माना जाता है।
- सिंदूर का तिलक ऊर्जा, उत्साह और सकारात्मकता बढ़ाने का प्रतीक माना जाता है।
- चंदन का तिलक मन को शांति देता है और नकारात्मक प्रभावों को दूर करने में सहायक माना जाता है।
- भस्म का तिलक भगवान शिव की कृपा और नकारात्मक शक्तियों से रक्षा के लिए लगाया जाता है।
- पूजा के समय देवताओं को तिलक अनामिका अंगुली से ही अर्पित करना शुभ माना गया है।
- मान्यता है कि रात में सोने से पहले माथे से तिलक हटा देना चाहिए।

बढ़ती गर्मी से हो सकता है डिहाइड्रेशन जानें कैसे रखें ख्याल

मई का महीना शुरू हो गया है। इसके साथ ही देश भर के कई राज्यों में दिन में तेज गर्मी पड़ने लगी है। कई जगहों पर दोपहर में तापमान काफी बढ़ जाता है, और इस बढ़ती गर्मी से लोगों को कई तरह की हेल्थ प्रॉब्लम हो सकती हैं। बढ़ती गर्मी की वजह से डायरिया और डिहाइड्रेशन के मरीजों की संख्या में बढ़ोतरी हो रही है। गर्मी के मौसम में डिहाइड्रेशन को हल्के में लेना खतरनाक हो सकता है। अगर समय रहते सावधानी न बरती जाए, तो मरीज को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ सकता है। कुछ गंभीर मामलों में यह हालत जानलेवा भी हो सकती है। गर्मी के मौसम में शरीर में बहुत ज्यादा पानी की कमी हो जाती है, और हमारे शरीर में लगभग 70 फीसदी पानी होता है। अगर शरीर में पानी की मात्रा 50 फीसदी से कम हो जाए, तो किडनी समेत जरूरी अंग काम करना बंद कर सकते हैं।

धूप में बाहर निकलने वालों के लिए खास सलाह दी है। उन्होंने कहा कि जो लोग धूप में काम करते हैं या ट्रैवल करते हैं, उन्हें अपना सिर ढककर रखना चाहिए। सिर पर सबसे ज्यादा पसीना आता है, और खुली स्किन शरीर में पानी की मात्रा को तेजी से कम कर सकती है। इसलिए, आपको शरीर में पानी बनाए रखने के लिए टोपी, तौलिया या दूसरे बचाव वाले कपड़े पहनने चाहिए। यदि आपको प्यास न भी लगे तो भी दिन भर थोड़ा-थोड़ा करके पानी पीते रहें। ओआरएस घोल, नींबू पानी, लस्सी और नारियल पानी का सेवन करें। धूप में बाहर जाते समय हल्के रंग के सूती कपड़े पहनें। खाली पेट बहुत देर तक धूप में न रहें। यदि दस्त, उल्टी या कमजोरी के लक्षण बने रहें तो तुरंत डॉक्टर से परामर्श करें।

डिहाइड्रेशन के लक्षण

अपने शरीर में दिखने वाले लक्षणों को नजरअंदाज न करें। डॉ। अभिषेक ने बताया कि अगर आपको अचानक शरीर में कमजोरी महसूस हो, बार-बार उल्टी आए, चक्कर आए तो इसे सामान्य न समझें, बल्कि ये सब डिहाइड्रेशन के शुरुआती लक्षण हो सकते हैं और आपको तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए। अगर किसी कारण से आप डॉक्टर के पास नहीं पहुंच पाते हैं तो घर पर ही ओआरएस का घोल पीना शुरू कर दें। इससे शरीर में सूखे हुए इलेक्ट्रोलाइट्स को वापस पाने में मदद मिलेगी। उन्होंने दही के सेवन पर भी जोर दिया और कहा कि दही में मौजूद प्रोबायोटिक तत्व हमारी आंतों में अच्छे बैक्टीरिया को बनाए रखते हैं, जिससे डायरिया जैसी बीमारियों से लड़ने में मदद मिलती है।

गर्मी में तैयार करें स्प्राउट्स की सलाद

ये रहे बेस्ट तरीके

गर्मी का सीजन आ चुका है और इसमें ऐसी चीजें खानी चाहिए जो न सिर्फ पोषक तत्वों से भरपूर हो लेकिन ठंडक भी पहुंचाए। देसी तरीकों की बात की जाए तो उत्तर भारत के अधिकतर हिस्सों में सत्तू का पानी पीकर पेट को भरी गर्मी में भी ठंडा रखा जाता है। वैसे हम यहां स्प्राउट्स की सलाद को गर्मी में खाने की सलाह दे रहे हैं। चना से बनने वाले स्प्राउट्स में अगर कुछ सब्जियां भी शामिल कर ली जाए तो दोगुने फायदे पहुंचा सकती है।

स्प्राउट्स में नमक, नींबू और खीरा जैसी चीजें डालकर खाने से स्वाद भी बढ़ जाता है। इस आर्टिकल में जानें आप स्प्राउट्स को किन सलाद में शामिल करके गर्मी में हेल्दी डाइट फॉलो कर सकते हैं। साथ ही इनके फायदे भी जानें।

मूंग दाल स्प्राउट्स और सब्जियां सामग्री- इसके लिए आपको एक कप मिक्स मूंग और चना, एक छोटा प्याज, बारिक कटा हुआ एक टमाटर, एक हरी मिर्च, एक छोटा खीरा (बारीक कटा हुआ), आधे नींबू का रस, छोटा चम्मच चाट मसाला और नमक की जरूरत पड़ेगी।

ऐसे बनाएं स्प्राउट्स की सलाद

सबसे पहले मूंग दाल के स्प्राउट्स को लें और इन्हें हल्का उबाल लें। उबालते समय इसमें थोड़ी सी हल्दी डालना न भूलें। ठंडा होने पर इसमें सभी चीजों को मिलाएं। आप इसमें दूसरी सब्जियों को भी शामिल कर सकते हैं। जहां मूंग और चना से प्रोटीन समेत कई तत्व मिलेंगे। वहीं खीरे में मौजूद पानी से बॉडी गर्मी में हाइड्रेट रहे पाएगी।

स्प्राउट्स, छोले और सब्जियां

सामग्री- इसके लिए आपको नमक, नींबू, उबाले हुए छोले (आधा कप), खीरा, टमाटर, उबला हुआ आलू (एक), लाल और हरी मिर्च, प्याज (बारीक कटा हुआ), भुना हुआ जीरा (एक चौथाई चम्मच), इमली का चटनी और चाट मसाला की जरूरत पड़ेगी।

ऐसे बनाएं छोले और स्प्राउट्स की सलाद

एक बर्तन में पहले स्प्राउट्स को हल्दी वाले पानी में उबाल लें। इसे एक बर्तन में लें और इसमे आलू को टुकड़ों में काटकर डालें। इसमें सभी मसालों को मिक्स करें। अब प्याज, टमाटर और बाकी सब्जियों को मिलाएं। आपकी हेल्दी छोले और मूंग दाल स्प्राउट्स वाली सलाद तैयार है।

काले चने के स्प्राउट्स की सलाद

सामग्री- काले चने के स्प्राउट्स, खीरा, टमाटर, प्याज, आलू, हरा धनिया, काली मिर्च, लाल मिर्च, नींबू, जीरा पाउडर, काला नमक, चाट मसाला और हरी मिर्च।

ऐसे तैयार करें सलाद- काला चना के स्प्राउट्स को आप चाहे तो एक उबाल दे सकते हैं। इन्हें उबालने के बाद ठंडा होने के लिए रख दें। एक बर्तन में सब्जियां लें और इसमें सभी मसालों को मिक्स करें। अब इसमें काले चने के स्प्राउट्स डालें और अच्छे से मिलाएं।

चपातियां बनाने के लिए इन टिप्स को करें फॉलो

चपाती (जिसे रोटी या फुलका भी कहा जाता है) भारतीय घरों में रोजाना के खाने का एक जरूरी और पौष्टिक हिस्सा है, जो पूरे गेहूं के आटे से बनाई जाती है। इसमें फाइबर, विटामिन और मिनरल जैसे जरूरी पोषक तत्व होते हैं। इसे दाल, सब्जियों या अचार के साथ परोसा जाता है और यह एनर्जी का एक मुख्य सोर्स है। यह पारंपरिक रोटी सदियों से भारतीय खान-पान का एक अहम हिस्सा रही है। पारंपरिक रिफाइंड आटे के विपरीत, साबुत गेहूं के आटे में गेहूं के दाने के तीनों मुख्य हिस्से (चोकर, जर्म और एंडोस्पर्म) मौजूद रहते हैं।

ज्यादातर लोग चपातियां बनाने के लिए बाजार में मिलने वाले किसी भी आटे का इस्तेमाल कर लेते हैं। हालांकि, नरम चपातियां बनाने के लिए शुद्ध गेहूं के आटे का ही इस्तेमाल करना चाहिए। इसके लिए, आप गेहूं खरीदकर उसे खुद पीस सकते हैं, या पिसवा सकते हैं। अगर ऐसा करना संभव न हो, तो बाजार से ब्रांडेड गेहूं के आटे के पैकेट खरीद लें। नरम चपातियां बनाने के लिए, सबसे पहले एक कटोरे में एक पका हुआ केला रखें और उसे अपने हाथों से अच्छी तरह मसल लें। इसके बाद, छाना हुआ आटा एक कटोरे में डाल लें। इसमें मसले हुए केले का गूदा डालें और अपने हाथों से अच्छी तरह मिलाएं। फिर, थोड़ा-थोड़ा करके पानी डालें और आटा गूंथ लें। एक ही बार में बहुत ज्यादा पानी डालने से बचें, क्योंकि ऐसा करने से चपाती का आटा नरम नहीं बनेगा। आटा गूंथने के बाद, उसे एक गीले कपड़े से ढक दें और 10 मिनट के लिए रख दें। चपातियां बनाने से पहले, आटे में थोड़ा सा तेल डालें और उसे एक बार फिर से गूंथ लें। गूंथे हुए आटे को छोटी-छोटी लोइयों में बांट लें। अब चपाती बनाने के लिए लोई को सूखे आटे में हल्का सा दबाकर चकले (चटाई) पर रखें और बेलन की मदद से हल्के हाथों से घुमाते हुए गोल बेलें। यहां आप चपाती को बहुत पतला बेलने के बजाय थोड़ा मोटा बेल सकते हैं। चपाती को मध्यम-तेज आंच पर तवे पर डालें।

दही में थोड़ा पानी मिलाएं, हल्का सा मथें और देसी ड्रिंक छाछ तैयार हो गई। छाछ सिर्फ स्वाद नहीं देती बल्कि ये सेहत के लिए एक जबरदस्त टॉनिक है। छाछ में पुदीना मिलाने से पेट को ठंडक, परफेक्ट पाचन और गर्मी में ब्लोटिंग कम होती है। वहीं, छाछ में धनिया की चटनी डालने से इसका टेस्ट भी बढ़ेगा और भूख भी खुलेगी। अगर आप छाछ में भुना जीरा और काला नमक डालते हैं, तो गैस, सुस्ती और पेट में गड़बड़ी से राहत मिल सकती है।

क्या कहता है आयुर्वेद- गुड़ के साथ भी छाछ का सेवन किया जा सकता है। आयुर्वेद में इस तरह से छाछ का सेवन करना पाचन और ताकत, दोनों के लिहाज से अच्छा माना जाता है। हालांकि, आपको क्वॉन्टिटी बैलेंस का ध्यान रखना चाहिए। जैसे-जैसे गर्मी दस्तक देती है, छाछ सिर्फ ठंडक देने वाली ड्रिंक नहीं रह जाती, बल्कि शरीर की ऐसी जरूरत बन जाती है, जो पानी की कमी, पाचन की गड़बड़ी, दोनों पर एक साथ काम करती है।

दूर होगी न्यूट्रिशन की कमी- देश में बहुत से लोगों की बॉडी में जरूरी पोषक तत्वों की कमी रह जाती है। विटामिन बी-12 और विटामिन डी की कमी को शुरुआत में लोग मामूली कमजोरी समझकर टाल देते हैं। लेकिन धीरे-धीरे ये थकान, चक्कर, सुस्ती, ध्यान कम लगना, मूड खराब रहना, भूलने की आदत और नसों की कमजोरी की वजह बन जाती है। छाछ-दही न्यूट्रिशन की कमी को दूर करने में कारगर साबित हो सकती है।

सेहत के लिए फायदेमंद छाछ

आज का राशिफल

मेष राशि - कल का दिन उत्साह से भरा रहेगा और तरक्की के नए मार्ग प्रशस्त होंगे. पारिवारिक रिश्तों में सामंजस्य बना रहेगा और रुके हुए कार्यों में सफलता मिलेगी. साइंस स्टूडेंट्स को शिक्षकों का भरपूर सहयोग मिलेगा. किसी मित्र की सहायता से महत्वपूर्ण कार्य पूरे होंगे. लवमेट के रिश्तों में मिठास बढ़ेगी. शिवलिंग पर दूध अर्पित करें. शुभ रंग : लाल

वृषभ राशि - भाग्य के सितारे बुलंद रहेंगे और सोचे हुए महत्वपूर्ण कार्य पूरे होंगे. वकीलों के लिए दिन विशेष रूप से अनुकूल रहने वाला है. : दूसरों की उम्मीदों पर खरा उतरने में सफल रहेंगे. निवेश के मामले में कोई अच्छी सलाह प्राप्त होगी. जीवनसाथी के साथ डिनर का प्लान रिश्तों को मधुर बनाएगा. सुबह उठकर धरती माँ को प्रणाम करें. शुभ रंग : सफेद

मिथुन राशि - कल का दिन लाभदायक रहेगा और पुरानी मेहनत का बेहतर परिणाम प्राप्त होगा. सामाजिक दायरे में वृद्धि होगी और नए मित्र बनेंगे. ऑफिस का खुशनुमा माहौल आपको ऊर्जा से भर देगा. व्यवसाय के क्षेत्र में लाभ मिलने की पूरी उम्मीद है. जीवनसाथी के साथ लंबी बातचीत से रिश्तों में मजबूती आएगी. जरूरतमंद को भोजन कराएं.शुभ रंग : हरा

कर्क राशि - व्यस्तता और भागदौड़ वाला दिन रहेगा. नए कार्यों और कोर्सेज में आपकी रुचि बढ़ेगी. निर्णय बहुत सोच-समझकर लेने की आवश्यकता है. : विरोधियों का सामना करना पड़ सकता है, धैर्य रखें. किसी को उधार देने से आपकी आर्थिक स्थिति प्रभावित हो सकती है. परिवार के साथ समय बिताने से सारी गलतफहमियां दूर होंगी. स्वास्थ्य के प्रति सावधानी बरतें. पक्षियों के लिए पानी भरकर रखें. शुभ रंग : दूधिया सफेद

सिंह राशि - दिन सामान्य रूप से अच्छा रहेगा, हालांकि अचानक मेहमानों का आगमन हो सकता है. अपनी महत्वपूर्ण वस्तुओं का विशेष ध्यान रखें. ऑफिस में स्थिति सामान्य बनी रहेगी. मित्रों के साथ टूर पर जाने की योजना बन सकती है. पुरानी बातों को लेकर थोड़ी परेशानी हो सकती है, जो शाम तक ठीक हो जाएगी. गायत्री मंत्र का 24 बार जप करें. शुभ रंग : सुनहरा

कन्या राशि - व्यापारी वर्ग के लिए कल का दिन विशेष लाभदायक रहेगा. सकारात्मक विचारों के कारण कार्यक्षेत्र में वरिष्ठों का सहयोग और उपहार मिल सकता है. : सिविल इंजीनियरिंग के छात्रों को बड़ी कंपनियों से जॉब ऑफर मिल सकते हैं. पुराने मित्र से मुलाकात भविष्य में फायदेमंद सिद्ध होगी. जीवनसाथी के साथ धार्मिक यात्रा संबंधों में मधुरता लाएगी. शिवजी को बेलपत्र चढ़ाएं. शुभ रंग : गहरा हरा

तुला राशि- शानदार दिन रहेगा और किसी खास व्यक्ति से मुलाकात आपके करियर की दिशा बदल सकती है. रोजगार के उचित अवसर प्राप्त होंगे. आर्ट्स स्टूडेंट्स को थोड़ी अधिक मेहनत की आवश्यकता है. जल्दबाजी में काम करने से बचें, शाम तक रुके काम पूरे होंगे. सेहत मिली-जुली रहेगी, जंक फूड से परहेज करें. शिवलिंग पर बेलपत्र चढ़ाएं. शुभ रंग : हल्का नीला

वृश्चिक राशि - दिन सामान्य रहेगा लेकिन कार्यक्षेत्र के सिलसिले में विदेश यात्रा के योग बन सकते है. किसी प्रभावशाली व्यक्ति से मुलाकात संभव है. वेब डिजाइनर्स के लिए दिन फायदेमंद है. नई कंपनियों से ऑफर आएंगे. किसी बड़े मामले में महत्वपूर्ण निर्णय लेना पड़ सकता है. दोस्तों के साथ बाहर जाकर खुशी के पल बिताएंगे. मंदिर में इत्र दान करें. शुभ रंग : मैरून

धनु राशि- परिवार का भरपूर सहयोग मिलेगा और आपकी कोई खास इच्छा कल पूरी हो सकती है. नए स्रोतों से धन की प्राप्ति होने के योग हैं. कारोबारियों को जरूरी मुलाकातों से लाभ मिलेगा. जरूरी निर्णय भविष्य में बड़ा फायदा दिलाएंगे. स्वास्थ्य के मामले में आप चुस्त-दुरुस्त रहेंगे. गणेश जी को बेसन के लड्डू का भोग लगाएं. शुभ रंग : पीला

मकर राशि - शानदार दिन रहेगा, हालांकि कुछ जटिल मामलों को सुलझाने में थोड़ी परेशानी आ सकती है. पारिवारिक कार्यों में सभी सदस्यों का सहयोग मिलेगा. खर्चों को लेकर सोच-विचार में डूबे रह सकते हैं. बजट पर नियंत्रण रखना और आसपास की चीजों पर गौर करना जरूरी है. दोस्तों के साथ समय बिताने से रिश्ते बेहतर होंगे. कुत्ते को रोटी खिलाएं. शुभ रंग : काला

कुंभ राशि- ऊर्जा का स्तर बहुत अच्छा रहेगा और किसी करीबी से बड़ी खुशखबरी मिल सकती है. नई जिम्मेदारियां मिलेंगी जिन्हें आप सफलतापूर्वक निभाएंगे. नए प्रोजेक्ट्स से बहुत कुछ सीखने को मिलेगा, छात्रों का रुझान पढ़ाई में बढ़ेगा .माता-पिता के साथ शॉपिंग पर जा सकते हैं, छूट का लाभ मिलेगा. जीवनसाथी की सफलता से घर में खुशी का माहौल रहेगा. मछलियों को आटे की गोलियां खिलाएं. शुभ रंग : नीला

मीन राशि- कलात्मक कार्यों में रुचि बढ़ेगी और धैर्यपूर्वक लिए गए निर्णयों से सफलता मिलेगी. मार्केटिंग से जुड़े लोगों के लिए दिन विशेष फायदेमंद है. कार्यक्षेत्र में विस्तार के नए अवसर प्राप्त होंगे .भविष्य की योजनाओं पर विचार करने से उलझने दूर होंगी. जीवनसाथी की मदद से किसी काम में बड़ा फायदा होगा. छोटी कन्या के पैर छूकर आशीर्वाद लें. शुभ रंग : केसरिया

राजर्षि शाहू महाराज की स्मृति में भित्तिचित्र स्मारक

राजर्षि शाहू महाराज के निवास से पवित्र बने गिरगांव के खेतवाड़ी क्षेत्र में स्थित 'पन्हाला लॉज' बंगला समय के साथ पूरी तरह नष्ट हो चुका है। महाराज की स्मृतियों को संजोने और उनके कार्यों को नमन करने के उद्देश्य से इस परिसर में उनके जीवन और कार्य पर आधारित भित्तिचित्र स्मारक (Mural Painting) बनाया जाएगा, ऐसी घोषणा कैबिनेट मंत्री श्री मंगलप्रभात लोढ़ा ने आज की। शाहू महाराज की पुण्यतिथि के अवसर पर मंत्री लोढ़ा ने गिरगांव खेतवाड़ी में उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान मीडिया से बातचीत करते हुए उन्होंने यह घोषणा की। साथ ही उन्होंने बताया कि इसी परिसर में महाराज की जयंती भी बड़े उत्साह के साथ मनाई जाएगी।

राजर्षि छत्रपति शाहू महाराज का गिरगांव खेतवाड़ी स्थित पन्हाला लॉज बंगले में निवास था। उन्होंने 6 मई 1922 को इसी बंगले में अंतिम सांस ली थी। उनकी स्मृति में यहां एक स्मृति स्तंभ स्थापित किया गया है, जहां कैबिनेट मंत्री श्री मंगलप्रभात लोढ़ा ने महान समाज सुधारक, सामाजिक समानता के प्रतीक और प्रगतिशील नीतियों के माध्यम से वंचितों को न्याय दिलाने वाले राजर्षि छत्रपति शाहू महाराज की 104वीं पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर मंत्री लोढ़ा ने कहा कि यह परिसर महाराज के निवास से पावन हुआ है और उनके विचारों को नई पीढ़ी तक पहुंचाने के लिए यहां भित्तिचित्र स्मारक का निर्माण किया जाएगा।

उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि मुंबई महानगरपालिका, स्थानीय नागरिकों और राजर्षि छत्रपति शाहू महाराज जन्मशताब्दी समिति के समन्वय से यह स्मारक बनाया जाएगा। उन्होंने आगे कहा कि राज्य के माननीय मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस महान समाज सुधारकों के मार्ग पर चलते हुए राज्य का सफलतापूर्वक संचालन कर रहे हैं। साथ ही, मुख्यमंत्री की प्रमुख उपस्थिति में अगले वर्ष गिरगांव में ही शाहू महाराज की जयंती बड़े उत्साह के साथ मनाई जाएगी।

गिरगांव खेतवाड़ी गली नंबर 13 में सन 1900 से 'पन्हाला लॉज' बंगला राजर्षि शाहू महाराज की संपत्ति था। कोल्हापुर से मुंबई आने पर वे इसी बंगले में निवास करते थे। साथ ही, मुंबई में शिक्षा प्राप्त कर रहे विद्यार्थियों के रहने की व्यवस्था भी इसी बंगले में की जाती थी।

महाराज के निधन के बाद करवीर दरबार ने यह बंगला पहिले पारसी परिवार बेचा गया। उन्होने होमी फणीबंद नामक पारसी परिवार को बेच दिया। इसके बाद इस बंगले का नाम 'फणीबंद लॉज' रखा गया। आगे चलकर फणीबंद परिवार ने यह बंगला एक पारसी ट्रस्ट को दे दिया। बाद में उस ट्रस्ट से एक पारसी व्यक्ति ने इसे खरीदकर अपनी पत्नी के नाम पर 'इदुला ईस्ट को-ऑपरेटिव सोसायटी' नामक इमारत का निर्माण किया, जो आज भी गिरगांव क्षेत्र में मौजूद है।

समाधान शिविर में बारिश पूर्व नाले की सफाई की मांग

बल्लीराजहरा। नगर के वार्ड क्रमांक 20 से निकलने वाले बारहमासी नाले की सफाई, चौड़ीकरण एवं जल निकासी व्यवस्था सुधारने की मांग को लेकर पूर्व मंडल अध्यक्ष राकेश द्विवेदी ने जन समस्या निवारण शिविर में आवेदन सौंपा। यह आवेदन अनुविभागीय अधिकारी (एसडीएम) दल्ली राजहरा एवं नगर पालिका अध्यक्ष को दिया गया, जिसमें बारिश पूर्व नाले की वृहद सफाई कराने की मांग की गई है। आवेदन में उल्लेख किया गया है कि यह नाला वार्ड क्रमांक 4, 22, 25, 24 एवं 23 से होकर गुजरता है। वर्तमान में नाले के दोनों किनारों पर मलबा एवं गंदगी जमा होने से दुर्गंध फैल रही है तथा जल प्रवाह बाधित हो रहा है। इसके कारण वर्षा ऋतु में विशेष कर वार्ड क्रमांक 23, 24 एवं चिखलाकसा क्षेत्र में जलभराव एवं बाढ़ जैसी स्थिति निर्मित हो जाती है, जिससे आम नागरिकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। राकेश द्विवेदी ने मांग की है कि नाले में जमा समस्त मलबा हटाकर वृहद स्तर पर सफाई कराई जाए तथा नाले का चौड़ीकरण कर जल निकासी की स्थायी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि भविष्य में बाढ़ एवं जलभराव की समस्या उत्पन्न न हो।

आवेदन में यह भी उल्लेख किया गया कि यह नाला प्राचीन समय में जुझारू नदी के रूप में पहचान रखता था, इसलिए इसकी ऐतिहासिक एवं प्राकृतिक पहचान को पुनः स्थापित करने की दिशा में भी आवश्यक कार्यवाही की जानी चाहिए।

आवास निर्माण प्रारंभ नहीं करने वाले हितग्राहियों पर होगी वसूली

बेमेतरा। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत स्वीकृत राशि का दुरुपयोग करने वाले हितग्राहियों के विरुद्ध प्रशासन ने सख्त रुख अपनाना शुरू कर दिया है। निर्धारित समय-सीमा के भीतर आवास निर्माण कार्य प्रारंभ नहीं करने तथा योजना की राशि का अन्य कार्यों में उपयोग करने वाले लाभार्थियों के खिलाफ अब विधिसम्मत वसूली एवं कानूनी कार्रवाई की जा रही है। अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) साजा के निर्देशन में ऐसे मामलों की लगातार समीक्षा की जा रही है, जिनमें हितग्राहियों को शासन द्वारा आवास निर्माण हेतु राशि उपलब्ध कराई गई थी, लेकिन लंबे समय बीत जाने के बावजूद निर्माण कार्य प्रारंभ नहीं किया गया अथवा अधूरा छोड़ दिया गया। प्रशासन द्वारा स्पष्ट किया गया है कि प्रधानमंत्री आवास योजना गरीब एवं पात्र परिवारों को सुरक्षित और पक्के मकान उपलब्ध कराने की केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना है, इसलिए योजना की राशि का दुरुपयोग किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

कई बार दिए गए अवसर, फिर भी नहीं शुरू हुआ निर्माण कार्य

प्रशासनिक अधिकारियों के अनुसार संबंधित हितग्राहियों को पूर्व में मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत साजा के माध्यम से कई बार नोटिस जारी किए गए थे। नोटिस के जरिए लाभार्थियों को स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने तथा शीघ्र आवास निर्माण प्रारंभ करने के निर्देश दिए गए थे। इसके बावजूद अनेक हितग्राहियों द्वारा न तो संतोषजनक जवाब प्रस्तुत किया गया और न ही निर्माण कार्य में अपेक्षित प्रगति दिखाई गई। प्रशासन ने बताया कि शासन की योजनाओं का लाभ वास्तविक जरूरतमंदों तक पहुंचे, इसके लिए पारदर्शिता एवं जवाबदेही सुनिश्चित करना आवश्यक है। ऐसे मामलों में बार-बार चेतावनी देने के बाद भी लापरवाही बरतने वाले हितग्राहियों के खिलाफ अब नियमानुसार वसूली प्रक्रिया प्रारंभ की जा रही है।

पात्र हितग्राहियों के सपनों से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं

अधिकारियों ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण गरीब परिवारों के जीवन स्तर में सुधार लाने की एक महत्वपूर्ण पहल है। शासन द्वारा प्रदान की गई राशि का उद्देश्य केवल आवास निर्माण है। यदि कोई व्यक्ति इस राशि का उपयोग अन्य निजी कार्यों में करता है, तो यह न केवल योजना के उद्देश्य के विपरीत है बल्कि अन्य पात्र हितग्राहियों के अधिकारों को भी प्रभावित करता है।

निगरानी और कार्रवाई आगे भी रहेगी जारी

प्रशासन ने संकेत दिए हैं कि ऐसे मामलों की सतत निगरानी की जाएगी तथा जिन हितग्राहियों द्वारा आवास निर्माण में लापरवाही बरती जा रही है, उनके विरुद्ध आगामी दिनों में भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। साथ ही पात्र हितग्राहियों से अपील की गई है कि वे शासन की मंशा के अनुरूप समय-सीमा में आवास निर्माण कार्य पूर्ण कर योजना का लाभ लें।

राजगामी संपदा न्यास के पदभार ग्रहण समारोह में शामिल हुए धर्म स्तंभ काउंसिल के प्रतिनिधि

बेमेतरा। रानी सूर्य मुखी देवी राजगामी संपदा न्यास के पदभार ग्रहण समारोह में धर्म स्तंभ काउंसिल के सभापति डॉ सौरव निर्वाणी एवं राम जानकी मंदिर के महंत सुरेंद्र दास शामिल हुए,इस अवसर पर वैष्णव समाज एवं संत समाज ने राजगामी संपदा न्यास में निर्वाणी अखाड़ा एवं निम्बार्क संप्रदाय से जुड़े मनोज़ निर्वाणी को उपाध्यक्ष बनाए जाने पर छत्तीसगढ़ सरकार तथा विधानसभा अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि छत्तीसगढ़ की रियासतकालीन परंपरा में वैष्णव राजा महंत दिग्विजय दास का योगदान केवल प्रदेश ही नहीं बल्कि पूरे देश के लिए अद्वितीय उदाहरण है,उन्होंने कहा कि निम्बार्क संप्रदाय के महान वैष्णव राजा महंत दिग्विजय दास ने आजादी के बाद अपनी संपूर्ण रियासत का न केवल स्वतंत्र भारत में विलय किया, बल्कि महल, जंगल, भूमि और अपार संपदा को समाज उत्थान एवं लोककल्याण के लिए समर्पित कर दिया। उन्होंने कहा कि राजनांदगांव रियासत में रायपुर से भी पहले बिजली, पानी की टंकी, रेल लाइन और बीएनसी मिल जैसी व्यवस्थाएं स्थापित होना महंत राजा दिग्विजय दास की दूरदर्शिता, दानशीलता और जनकल्याणकारी सोच का परिणाम था, डॉ. रमन सिंह ने कहा कि ऐसे महापुरुषों की विरासत को आगे बढ़ाना समाज और शासन दोनों की जिम्मेदारी है। राजगामी संपदा न्यास, जिसकी संपत्ति वर्तमान समय में लगभग 18 हजार करोड़ रुपये से अधिक आंकी जा रही है, उसमें मनोज निर्वाणी को उपाध्यक्ष बनाए जाने पर संत समाज में विशेष उत्साह देखा गया,विभिन्न अखाड़ों, मंदिरों और वैष्णव संगठनों से जुड़े संत-महंतों ने इसे वैष्णव संप्रदाय की भावनाओं का सम्मान बताया। धर्म स्तंभ काउंसिल के सभापति डॉ सौरव निर्वाणी ने कहा कि उन्हें आशा है कि महंत दिग्विजय दास की मूल भावना के अनुरूप न्यास की आय एवं संसाधनों का उपयोग लोकहित, सनातन संस्कृति के संवर्धन, धर्म, अध्यात्म, शिक्षा एवं चिकित्सा जैसे क्षेत्रों में किया जाएगा,उन्होंने कहा कि राजगामी संपदा केवल संपत्ति नहीं बल्कि वैष्णव परंपरा की सामाजिक जिम्मेदारी और जनसेवा की जीवंत विरासत है। अखिल भारतीय पुजारी पुरोहित संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष देव कुमार बालादास ने कहा कि यह वैष्णव समाज के लिए गर्व और प्राकृतिक अधिकार का विषय है, उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार ने वैष्णव समाज की भावनाओं को समझते हुए संत परंपरा का सम्मान किया है। राम जानकी मंदिर के महंत सुरेंद्र दास ने कहा कि महंत दिग्विजय दास वैष्णव महंत परंपरा के महान संवाहक थे, वे पीर पराई जाने रे की मूल वैष्णव भावना से प्रेरित होकर जीवनभर लोककल्याण में समर्पित रहे,उन्होंने कहा कि उनकी दानशीलता इतिहास में सदैव अनुकरणीय रहेगी और वे वास्तव में कलयुग के राजा बलि थे। समारोह के पश्चात वैष्णव समाज, संत-महंतों एवं विभिन्न धार्मिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने मनोज निर्वाणी को शुभकामनाएं देते हुए आशा व्यक्त की कि राजगामी संपदा न्यास भविष्य में सनातन मूल्यों एवं समाज हित के कार्यों का प्रमुख केंद्र बनेगा, शपथ ग्रहण समारोह स्पीकर हाउस में संपन्न हुआ।

शहर को स्वच्छ बनाए रखने में योगदान देने वार्ड में होगा डस्टबिन का वितरण

बल्लीराजहरा। वार्ड नंबर दो आजाद नगर वार्ड दल्लीराजहरा के पार्षद पूनम सोमेश जायसवाल के द्वारा वार्डवासियों को पार्षद निधि से 40 लीटर का मजबूत डस्टबिन का वितरण किया गया।

डस्टबिन वितरण के मार्गदर्शन में मनोज दुबे नगर पालिका उपाध्यक्ष एवं सौरभ लुनिया महामंत्री जिला बालोद का सहयोग रहा। जिसका विधिवत शुभारंभ तोरण लाल साहू अध्यक्ष नगर पालिका परिषद दल्ली राजहरा के द्वारा किया गया। इस अवसर पर तोरण लाल साहू ने कहा कि नगर को साफ और स्वच्छ रखने के लिए हम सब की जिम्मेदारी है। क्योंकि स्वच्छ शरीर और स्वच्छ घरों से बीमारियां कोसों दूर भागती है। अपने घरों से निकलने वाले कचरो को डस्टबिन में जमा कर स्वच्छता दीदियों को दें। आपके घरों और शहर को स्वच्छ बनाने में आप भी अपना योगदान दे। इस अवसर पर पार्षद पूनम सोमेश जायसवाल ने बताया कि वार्ड नंबर 2 की सभी 375 घरों में यह डस्टबिन बांटी जाएगी जिससे हमारे वार्ड वासी माताएं एवं बहने वार्ड को स्वच्छ बनाए रखने में अपना योगदान देंगी। उन्होंने बताया कि जल्द ही प्रत्येक घरों में डस्टबिन का वितरण किया जाएगा। डस्टबिन वितरण के समय तरुण साहू पार्षद वार्ड क्रमांक 15 सोमेश जायसवाल जन प्रतिनिधि, बंटी चोपड़ा, गौरी नाग, राजेश बहादुर रीना जायसवाल, सबीना बेगम, नफ़ीसा बेगम, लोकेंद्र साहू, अनु पांडे ममता तारम, लोकेश्वरी साहू और गोपाल सोनकर उपस्थित थे।

समाधान कालेज में बीएड द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों के लिए मिलन समारोह में छात्रों ने अपने अनुभव साझा किए

बेमेतरा। सर्वतोमुखी समाधान शिक्षा संस्कार समिति द्वारा संचालित समाधान महाविद्यालय में बीएड द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों के लिए मिलन समारोह आयोजित हुआ। विद्यार्थियों ने प्राध्यापकों का स्वागत तिलक एवं पुष्पगुच्छ से किया। महाविद्यालय के डायरेक्टर डॉ. अवधेश पटेल ने बधाई एवं शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि महाविद्यालय में आयोजित सभी गतिविधियों में छात्रों की ईमानदारी एवं सक्रिय सहभागिता रही है। उन्होंने भविष्य में प्राप्त होने वाले प्रत्येक अवसर का पूर्ण सदुपयोग करते हुए निरंतर प्रगति एवं उन्नति के मार्ग पर आगे बढ़ने का संदेश दिया। उपप्राचार्य लक्ष्मीनारायण साहू ने कहा कि बीएड प्रशिक्षण के दौरान प्राप्त सभी सीखों का उपयोग भविष्य के शिक्षण कार्य में अवश्य करें। उन्होंने कर्तव्य एवं जिम्मेदारियों का ईमानदारीपूर्वक एवं निष्ठापूर्वक निर्वहन करने पर बल दिया। शिक्षा विभाग की विभागाध्यक्ष निधि तिवारी ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि शिक्षक बनकर आप जहाँ भी कार्यरत होंगे, वहाँ विद्यार्थियों को प्रभावी, गुणवत्तापूर्ण एवं प्रेरणादायक शिक्षण प्रदान करने के लिए प्रेरित किया। वरिष्ठ सहायक प्राध्यापक डॉ. जी. डी. मानिकपुरी ने शिक्षक बनने के उद्देश्यों एवं आवश्यक गुणों पर दृढ़ बने रहने पर बल दिया। सहायक प्राध्यापक योगेश्वर सिन्हा ने निरंतर परिश्रम, अनुशासन एवं दृढ़ संकल्प के साथ सफलता अर्जित करने के लिए प्रेरित किया। सहायक प्राध्यापक रूपेंद्र डहरिया ने कहा कि शिक्षक अपने दायित्वों से कभी विमुख नहीं होता। उनका कर्तव्य है कि वे विद्यार्थियों को सही मार्ग दिखाकर उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करें। सहायक प्राध्यापिका नंदनी वर्मा ने स्व-अनुशासन के साथ कार्य करने तथा कर्तव्यों एवं दायित्वों का ईमानदारी और निष्ठा के साथ निर्वहन करने की महत्ता पर प्रकाश डाला। सहायक प्राध्यापक हरीश पटेल ने समाज में शिक्षक की महत्वपूर्ण भूमिका एवं उनके दायित्वों पर प्रकाश डाला। बीएड द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों ने अनुभव साझा किये। छात्राध्यापिका रानू ने कहा कि यहाँ हमें प्रशिक्षण के साथ-साथ चेतना विकास मूल्य शिक्षा के माध्यम से व्यक्तित्व एवं जीवन से जुड़ी महत्वपूर्ण सीख प्राप्त हुई। छात्राध्यापिका बबीता ने बताया कि महाविद्यालय में हमें परिवार जैसा वातावरण प्राप्त हुआ। छात्राध्यापिका रिना पाण्डेय ने कहा कि यहां के प्राध्यापकों का व्यवहार काफी अच्छा एवं सहयोगात्मक रहा है। मंच का संचालन छात्राध्यापिका देवकी माठले एवं बबीता यादव द्वारा किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापकों सहित समस्त छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

नगर पंचायत सहसपुर लोहारा उप निर्वाचन के लिए अधिकारियों की नियुक्ति

कवर्धा। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी गोपाल वर्मा ने नगरपालिकाओं के उप निर्वाचन 2026 अंतर्गत नगर पंचायत स. लोहारा के अध्यक्ष पद के अभ्यर्थियों द्वारा किए गए निर्वाचन व्ययों के निरीक्षण हेतु पूर्व में जारी आदेश में आंशिक संशोधन करते हुए अधिकारी एवं कर्मचारियों को नोडल अधिकारी तथा निर्वाचन व्यय संपरीक्षक नियुक्त किया है। जारी आदेशानुसार जायसवाल, प्रशासकीय लेखाधिकारी, कार्यालय सहायक आयुक्त, आदिम जाति कल्याण विभाग, कबीरधाम को नोडल अधिकारी निर्वाचन व्यय संपरीक्षक नियुक्त किया गया है। इसी प्रकार निर्वाचन व्यय संपरीक्षक सहायक के रूप में सतीश जायसवाल, सहायक ग्रेड-2, कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), स. लोहारा, टी.एल. निषाद, सहायक ग्रेड-3, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, स. लोहारा, तथा रोहित कुमार साहू, सहायक ग्रेड-3, कार्यालय उप वनमण्डलाधिकारी, स. लोहारा को नियुक्त किया गया है।

कुंडा महली मार्ग पर अवैध खनन और ईंट भट्ठों का जाल

शिकायतों के बाद भी प्रशासन मौन, ग्राम पंचायतों ने खोला मोर्चा

कवर्धा। जिला के पंडरिया अनुभाग में अवैध खनन और बिना अनुमति संचालित ईंट भट्ठों का मामला अब खुलकर सामने आ गया है। कुंडा-महली मुख्य मार्ग (रेंगाखार-गुंजेटा के बीच) पर लंबे समय से चल रही अवैध गतिविधियों के खिलाफस्थानीय ग्राम पंचायतों ने संयुक्त रूप से अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) को लिखित शिकायत सौंपते हुए सख्त कार्रवाई की मांग की है। शिकायत में स्पष्ट आरोप लगाया गया है कि बिना राजस्व अनुमति के मिट्टी का अवैध उत्खनन कर ईंट भट्ठों का संचालन किया जा रहा है, जिससे न केवल राजस्व को भारी नुकसान हो रहा है बल्कि पर्यावरण और सड़क सुरक्षा भी खतरे में पड़ गई है। शिकायत पत्र के अनुसार, कुंडा-महली मार्ग पर रेंगाखार और गुंजेटा के बीच कई स्थानों पर जेसीबी और अन्य भारी मशीनों के जरिए मिट्टी की खुदाई की जा रही है। आरोप है कि कुछ स्थानीय लोगों के साथ-साथ मध्यप्रदेश से आए बाहरी व्यक्तियों की भी इस अवैध कारोबार में संलिप्तता है। इन व्यक्तियों की पहचान और उनके कार्य की वैधता संदिग्ध बताई गई है। पंचायत प्रतिनिधियों ने साफ कहा है कि यह पूरा काम बिना किसी वैधानिक अनुमति और पर्यावरणीय स्वीकृति के किया जा रहा है। ग्राम पंचायतों ने अपने पत्र में उल्लेख किया है कि लगातार हो रहे अवैध उत्खनन से सड़क किनारे गहरे गड्ढे बन गए हैं, जिससे दुर्घटना की आशंका बढ़ गई है। भारी वाहनों की आवाजाही से ग्रामीणों का आवागमन बाधित हो रहा है। धूल और प्रदूषण से आम जनजीवन प्रभावित हो रहा है। इसके बावजूद प्रशासनिक अमला अब तक मौके पर ठोस कार्रवाई करता नहीं दिख रहा है, जिससे ग्रामीणों में आक्रोश है। शिकायत की प्रतिलिपि तहसीलदार पंडरिया और थाना प्रभारी कुंडा को भी भेजी गई है, ताकि राजस्व और पुलिस विभाग संयुक्त रूप से कार्रवाई करें। ग्राम पंचायत प्रतिनिधियों ने मांग की है कि राजस्व एवं पुलिस की संयुक्त टीम बनाकर तत्काल मौके पर जांच की जाए, अवैध रूप से संचालित ईंट भट्ठों को सील किया जाए और उत्खनन में उपयोग हो रही मशीनों को जब्त किया जाए। साथ ही दोषियों के खिलाफ खनिज अधिनियम, पर्यावरण संरक्षण अधिनियम और राजस्व नियमों के तहत कड़ी दंडात्मक कार्रवाई की जाए। यह पूरा मामला पंडरिया अनुभाग के अंतर्गत आता है, जहां पहले भी अवैध खनन के मामले सुर्खियों में रहे हैं। सवाल यह उठ रहा है कि आखिर किसके संरक्षण में यह धंधा फल-फूल रहा है। क्या संबंधित विभागों को इसकी जानकारी नहीं थी, या फिर जानबूझकर आंखें मूंद ली गई? यदि ग्राम पंचायतों को लिखित शिकायत देनी पड़ रही है, तो यह प्रशासनिक निगरानी पर गंभीर प्रश्नचिह्न है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो वे जनआंदोलन का रास्ता अपनाने को बाध्य होंगे। पंचायत प्रतिनिधियों ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि अवैध खनन और भट्ठा संचालन से गांव की भूमि, जलस्तर और पर्यावरण को स्थायी क्षति पहुंच रही है। इससे आने वाले समय में खेती और ग्रामीण जीवन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। गौरतलब है कि पूरा क्षेत्र कुंडा थाना क्षेत्र में आता है और प्रशासनिक रूप से छत्तीसगढ़ सरकार के अधीन है।

ऐसे में अब निगाहें अनुविभागीय अधिकारी और जिला प्रशासन की कार्रवाई पर टिकी हैं। क्या अवैध खनन माफिया पर नकेल कसी जाएगी, या फिर शिकायतें फाइलों में दबकर रह जाएंगी – यह आने वाला समय बताएगा। फिलहाल इतना तय है कि ग्राम पंचायतों ने जो दस्तावेजी शिकायत की है, उसने क्षेत्र में चल रहे अवैध कारोबार की परतें खोल दी हैं। अब जिम्मेदारी प्रशासन की है कि वह अपनी संवैधानिक और कानूनी जवाबदेही निभाए और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई कर यह संदेश दे कि कानून से ऊपर कोई नहीं।

ग्राम अर्जुनी में आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर में हितग्राही हुए योजनाओं से लाभान्वित

शिविर में बड़ी संख्या में शामिल हुए अर्जुनी सहित 20 ग्राम पंचायतों के ग्रामीण, 636 आवेदनों का किया गया निराकरण

बालोद। सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत गुरूर विकासखण्ड के ग्राम अर्जुनी में आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर में ग्राम पंचायत अर्जुनी सहित अर्जुनी कलस्टर में शामिल आसपास के 20 ग्राम पंचायतों के ग्रामीणों को शासन के विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित किया गया। इसके अंतर्गत स्कूल मैदान अर्जुनी में आयोजित शिविर में उपस्थित अतिथियों के द्वारा ग्रामीणों एवं हितग्राहियों को कृषि विभाग अंतर्गत 05 हितग्राहियों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड, मत्स्य पालन प्रसार योजना अंतर्गत 02 हितग्राहियों को जाल एवं आईस बॉक्स, सहकारिता विभाग अंतर्गत 03 हितग्राहियों किसान क्रेडिट कार्ड, स्वास्थ्य विभाग अंतर्गत 02-02 हितग्राहियों को आयुष्मान कार्ड एवं निश्चय पोषण किट का वितरण किया गया। इसी तरह समाज कल्याण विभाग अंतर्गत 04-04 हितग्राहियों को श्रवण यंत्र एवं छड़ी, राजस्व विभाग द्वारा स्वामित्व योजना अंतर्गत 11 हितग्राहियों को अधिकार पत्र का वितरण किया गया। इसी तरह 02 हितग्राहियों को मनरेगा जॉब कार्ड, 05 हितग्राहियों को प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत आवास निर्माण पूर्णता प्रमाण पत्र का वितरण किया। इसके अलावा शिविर में राज्य शासन के निर्देशानुसार दिव्यांगजनों को दिव्यांगता प्रमाण पत्र बनाने हेतु मेडिकल बोर्ड लगाया गया था। इस दौरान मेडिकल बोर्ड में शामिल विशेषज्ञ चिकित्सकों के द्वारा शिविर में दिव्यांगता प्रमाण पत्र बनाने पहुँचे दिव्यांगजनों का दिव्यांगता प्रमाण पत्र भी बनाया गया। शिविर में अतिथियों के द्वारा नन्हें-मुन्हें बच्चों को स्वादिष्ट खीर खिलाकर उनका अन्नप्राशन संस्कार कराया गया। इसके अलावा गर्भवती माताओं को सुपोषण किट भेंटकर उनके गोदभराई के रस्म को पूरा किया गया। ग्राम अर्जुनी में आयोजित शिविर में विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 721 आवेदन प्राप्त हुए थे जिसमें से 636 आवेदनों को मौके पर निराकरण सुनिश्चित किया गया। शिविर में आज जनपद पंचायत गुरूर के उपाध्यक्ष दुर्गानंद साहू, जिला पंचायत सदस्य चंद्रिका गंजीर एवं तेजराम साहू, एसडीएम आरके सोनकर, डिप्टी कलेक्टर प्राची ठाकुर के अलावा जनपद सदस्य लता लक्ष्मी साहू, सुभद्रा, ईशा साहू, तारादेवी यादव, तानसिंह देहारी, मीना फत्तेलाल साहू, गणेश्वरी खगेन्द्र एवं ग्राम पंचायत अर्जुनी के सरपंच हेमलता साहू, सरपंच संघ के अध्यक्ष राकेश साहू, सचिव रामेन्द्र साहू सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारियों तथा अर्जुनी कलस्टर में शामिल 20 ग्राम पंचायतों से हजारों की संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित थे।

पानी के संरक्षण एवं संवर्धन की दिलाई शपथ

जनसमस्या निवारण शिविर को संबोधित करते हुए जनपद पंचायत उपाध्यक्ष दुर्गानंद साहू ने शिविर में उपस्थित ग्रामीणों को सुशासन तिहार के अंतर्गत आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर के उद्देश्यों के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने ग्रामीणों को जनसमस्या निवारण शिविर में अनिवार्य रूप से उपस्थित होकर शासन के जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ लेने को कहा। उन्होंने शिविर में उपस्थित विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारियों को आम जनता से प्राप्त आवेदनों का पूरी तत्परता एवं संवेदनशीलता के साथ निराकरण करने को कहा। जिला पंचायत सदस्य चंद्रिका गंजीर ने भीषण गर्मी के उपरांत भी शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीणों की उपस्थिति पर सराहना व्यक्त की। उन्होंने विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारियों को शिविर में प्राप्त आवेदनों का गुणवत्तायुक्त ढंग से शत प्रतिशत निराकरण सुनिश्चित करने को कहा। जिससे आम जनता को शासन के जनकल्याणकारी योजनाओं का समुचित लाभ मिल सके। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य ने जिला प्रशासन द्वारा चलाए जा रहे नीर चेतना अभियान के अंतर्गत संपूर्ण जीव-जगत के लिए पानी के महत्व के संबंध में जानकारी देते हुए शिविर में उपस्थित सभी लोगों को पानी के संरक्षण एवं संवर्धन के अलावा इसका विवेकपूर्ण उपयोग करने की शपथ दिलाई। उन्होंने शिविर में उपस्थित लोगों को पानी के एक-एक बूंद का सदुपयोग करने के अलावा जल संरक्षण के कार्य में अनिवार्य भागीदारी सुनिश्चित करने को कहा। शिविर को संबोधित करते हुए जिला पंचायत सदस्य तेजराम साहू ने कहा कि शासन के मंशानुरूप शिविर में आम जनता से प्राप्त आवेदनों का समुचित निराकरण किया जाना आवश्यक है। उन्होंने सभी विभागों के अधिकारी-कर्मचारियों को इस बात का विशेष ध्यान रखने को कहा। शिविर को जनपद सदस्य लता लक्ष्मी साहू एवं अन्य जनप्रतिनिधियों ने भी संबोधित करते हुए शिविर के उद्देश्यों के संबंध में जानकारी दी।

636 आवेदनों का किया गया निराकरण

उल्लेखनीय है कि अर्जुनी स्कूल मैदान में आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर में ग्राम अर्जुनी, सोहपुर, सुर्रा, भानपुरी, बोइरा, धनेली, रमतरा, पैरी, घोघोपुरी, बगदई, छेड़िया, भरदा, तार्री, धोबनपुरी, सोरर, कपरमेटा, धनोरा, टेंगना बर पारा, बोरतरा और भूलनडबरी सहित 20 ग्राम पंचायतों के ग्रामीण जन शामिल हुए थे। शिविर में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के 461 आवेदन, महिला एवं बाल विकास विभाग के 33 आवेदन, खाद्य विभाग के 77, समाज कल्याण विभाग के 13, तहसील गुरूर को 35, कृषि के 03, शिक्षा विभाग के 06 एवं वन विभाग के 01 सहित विभिन्न विभागों से कुल 636 आवेदन प्राप्त हुए थे। जिसमें से कुल 636 आवेदनों का निराकरण किया गया।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। डाक पंजीयन क्रमांक- सीजी/दुर्ग/लोकतंत्र प्रहरी/2026-28, Email : loktantraprahrinews@gmail.com